epaper.dehatsandesh.com

3 नटरंग ने किया हिन्दी नाटक 'उथल पुथल' का मंचन

5 हमारा लक्ष्य भारत को 2036 तक खेलों में अग्रणी राष्ट्र बनाना: कोहली

8 जल संरक्षण के विभिन्न तरीके

मौसम जम्मू — न्यूनतम 13, अधिकतम 26

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-68 | जम्मू तवी, सोमवार 17 मार्च, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

पाकिस्तान अपनी गलतियों से सीखें और आतंक छोड़ सही रास्ता अपनाए : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 16 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को प्रसारित एक पॉडकास्ट साक्षात्कार में भारत की विदेश नीति और बड़े अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान को अपनी गलतियों से सीखने और सही रास्ता अपनाने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं अपनी भूमिका निभाने में विफल रही हैं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प, चीन के साथ रिश्तों और यूक्रेन-रूस संघर्ष पर भी बातचीत की।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज अमेरिकी कंप्यूटर वैज्ञानिक और पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन के साथ साक्षात्कार किया। उन्होंने इस दौरान कई विषयों पर पर चर्चा की। पाकिस्तान पर प्रधानमंत्री ने कहा कि पड़ोसी देश के साथ संबंधों को सुधारने के लिए उन्होंने ईमानदारी भरे कई प्रयास किए, लेकिन हर बार हमें धोखा और शत्रुता ही मिली है। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को अपने शपथ ग्रहण समारोह में बुलाया। वे विशेष विमान यात्रा पर पाकिस्तान भी गए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साक्षात्कार में बार-बार दोहराया कि भारत शांति का पक्षधर है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की जनता भी शांति चाहती है। पाकिस्तान न केवल भारत बल्कि दुनिया के लिए चिंता का सबब बना हुआ है। वे अपनी आतंकवाद समर्थन की नीति नहीं बदल रहा है। हालांकि, पाकिस्तान इस बात को नहीं समझ पा

रहा कि अपने यहां अराजगक तत्वों को बढ़ावा देने से उसका ही नुकसान है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि पाकिस्तान अपनी गलतियों से सीख कर सही रास्ता अपनाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साहस की प्रशंसा की और कहा कि वह अपने देश अमेरिका को फर्स्ट बनाना चाहते हैं जैसे कि वह स्वयं अपने देश को फर्स्ट बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति की सबसे बड़ी खास बात है कि वह अपने निर्णय स्वयं लेते हैं। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति ट्रम्प और उनके बीच की मजूबत दोस्ती का उल्लेख किया।

अपने साक्षात्कार में प्रधानमंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ अपनी भूमिका निभाने में सफल रहा है। कई अंतरराष्ट्रीय संगठन समय के साथ खुद में बदलाव नहीं ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्व युद्ध के बाद विश्व व्यवस्था में जिस तरह के बदलाव आए थे, उससे दुनिया ने एकीकृत होने की सीख ली थी। कोविड के दौरान भी ऐसी ही आपदा का हम सबने सामना किया, लेकिन इसके बावजूद दुनिया में हितों की लड़ाई और संघर्ष पनपे, जबकि दुनिया को एक होना चाहिए था। इन संघर्षों को रोकने में यूएन विफल रहा है। देश मनमाने तरीके से काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस और यूक्रेन को बातचीत के टेबल पर आने की सलाह देते हुए कहा कि वैश्विक स्थिति को देखते हुए यह संघर्ष समाप्ति का बेहतरीन अवसर है। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने रूसी राष्ट्रपति और यूक्रेन के राष्ट्रपति दोनों से बातचीत से समाधान निकालने परामर्श दिया। उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से कहा, 卐दुनिया में कितने भी साथी उसके साथ खड़े हों, लेकिन संघर्ष का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं, बल्कि बातचीत के टेबल पर ही निकलेगा।卐 वे मानते हैं कि रूस-यूक्रेन संघर्ष की कीमत न केवल दोनों देश बल्कि वैश्विक दक्षिण भी उठा रहा है। दुनिया में तेल, उर्वरकों और खाद्य पदार्थों की कीमतों में इजाफा हुआ है।

दुनिया के सामने नई चुनौतियों के चलते ही कई देशों में शासन का पतन हुआ : आर्मी चीफ

नई दिल्ली, 16 माच। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा है कि इस समय दुनिया नई चुनौतियों का सामना कर रही है, जिसके कारण इराक, लीबिया, सीरिया, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और कई अन्य देशों में शासन का पतन हुआ है। अंशकालिक मित्रता एक नई उभरती हुई घटना है, जिसे मजबूरी में दोस्त भी कहा जाता है। एक निर्वाचित सरकार की अवधि या एक निर्वाचित नेता का पतन एक राष्ट्र के पूरे दृष्टिकोण को बदल रहा है।

जनरल उपेंद्र द्विवेदी रविवार को नई दिल्ली में देश के पहले आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल बिपिन रावत की याद में चौथे व्याख्यान उभरते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में बदलते प्रतिमान विषय पर व्याख्यान दे रहे थे। उन्होंने कहा, हम देखते हैं कि अमेरिका, कनाडा या बांग्लादेश में क्या हो रहा है। दुनिया यूक्रेन और गाजा में दो बड़े संघर्षों से अभी-अभी उबर रही है, जिसमें अधिकांश देशों ने यथार्थवाद, आदर्शवाद या धर्म के आधार पर पक्ष लिया था। इस उथल-पुथल में चल रहे उप-राष्ट्रीय संघर्ष और वैश्विक शांति के लिए आम खतरे जैसे आतंकवाद, कट्टरपंथ और बड़े पैमाने पर साइबर हमले भी शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि यदि मौजूदा विवादों को देखें, तो हम पाते हैं कि चीन, एशिया, अफ्रीका और यूरोप में अपने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव निवेशों के जरिये स्थापित नियम-आधारित प्रणाली को चुनौती दे रहा है। अमेरिका गठबंधनों को मजबूत करके और एक मुक्त इंडो-पैसिफिक को बढ़ावा देकर जवाब दे रहा है। यूरोप चीन और अमेरिका के साथ मिलकर मानवाधिकारों के

अपने सिद्धांत को बनाए रखने का प्रयास कर रहा है। अफ्रीका दोनों ब्लॉकों से निवेश प्राप्त करने की कोशिश कर रहा है और वैश्विक दक्षिण तेजी से एक बहुध्रुवीय दुनिया की मांग कर रहा है, जो विविध हितों को दर्शाती है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि चीन ने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के समुद्री क्षेत्र के बीच जहाज अग्नि अभ्यास करके अपने संकेत को बढ़ाया है। इस शक्ति संघर्ष में उत्तर कोरिया चुपचाप सैन्य रूप से मजबूत होता जा रहा है। यहां तक कि वैश्विक कॉमन्स महासागर, बाहरी अंतरिक्ष, साइबर स्पेस और वायुमंडल भी उसी भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के कारण खतरे में हैं। गलत सूचना विश्वास को कमजोर करती है, जबकि आर्थिक असमानताएं और संसाधन प्रतिस्पर्धा अशांति और पलायन को बढ़ावा देती है। इन खतरों से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग, लचीलापन और अनुकूल सुरक्षा रणनीतियों की आवश्यकता है

जम्मू से दिल्ली की यात्रा हुई आसान, हिंडन से जम्मू की सीधी फ्लाइट 23 मार्च से

नई दिल्ली, 16 मार्च । दक्षिणी दिल्ली से जम्मू जाने वालों के लिए खुशखबरी है। गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट से अब जम्मू के लिए सीधी विमान सेवा उपलब्ध होगी। केन्द्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने आज इसकी घोषणा की है।

जम्मू से सांसद एवं केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने बताया कि जम्मू और एनसीआर दिल्ली के दक्षिणी भागों के बीच अपेक्षाकृत कम किराये में यात्रा करने वालों के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान 23 मार्च से हिंडन हवाई अड्डे और जम्मू के बीच दैनिक (शनिवार को छोड़कर) संचालित होगी।

सुबह 11:30 बजे जम्मू फ्लाइट लैंड होगी और 1:00 बजे हिंडन के लिए जम्मू से प्रस्थान करेगी।

पुलिस ने 3 ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया; प्रतिबंधित पदार्थ बरामद

बारामुला, 16 मार्च । ड्रग तस्करी के खतरे के खिलाफ अपने प्रयासों को जारी रखते हुए पुलिस ने बारामुल्ला और बडगाम में तीन ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किए।

डीपीएल बारामुल्ला के पास कंठबाग में स्थापित एक चेकपॉइंट पर एक पुलिस पार्टी ने दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोका जिन्होंने मौके से भागने की कोशिश की लेकिन उन्हें चतुराई से पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से लगभग 100 ग्राम चरस जैसा पदार्थ बरामद किया गया। उनकी पहचान जाविद अहमद शेख पुत्र अब्दुल मजीद शेख और समीर अहमद शेख पुत्र मोहम्मद सुभान शेख के रूप में हुई है, दोनों ख्वाजाबाग बारामुल्ला के निवासी हैं। उन्हें गिरफ्तार कर पुलिस स्टेशन ले जाया गया है जहां वे हिरासत में हैं।

इसी तरह बडगाम में पुलिस स्टेशन खानसाहिब की एक पुलिस पार्टी ने बुगरू क्रॉसिंग पर स्थापित एक चेकपॉइंट पर एक स्कूटी को रोका जिसका पंजीकरण नंबर जेके 04-5815 था।

तलाशी के दौरान स्कूटी सवार से हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद किया गया जिसकी पहचान आदिल शौकत खान पुत्र शौकत अहमद खान निवासी नीलसर मोहल्ला ववूरा बारामुल्ला ए/पी ओमपोरा बडगाम के रूप में हुई। इसके बाद उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही अपराध में इस्तेमाल की गई स्कूटी भी जब्त कर ली गई है।

तदनुसार संबंधित पुलिस थानों में कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए हैं और आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

जम्मू-कश्मीर में बाहर से आए 200 से अधिक निवेशकों को व्यावसायिक इकाइयां स्थापित करने के लिए भूमि आवंटित की गई

जम्मू, 16 मार्च। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार पिछले एक दशक में जम्मू-कश्मीर के बाहर से आए 200 से अधिक निवेशकों को जम्मू-कश्मीर में अपनी व्यावसायिक इकाइयां स्थापित करने के लिए औद्योगिक एस्टेट में भूमि प्रदान की गई है। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने और तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद बाहरी निवेशकों, जिनमें से अधिकांश दिल्ली, हरियाणा और पंजाब से हैं, द्वारा भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में कई गुना वृद्धि हुई है। उद्योग और वाणिज्य विभाग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, अधिकांश निवेशकों ने जम्मू क्षेत्र के कठुआ और सांबा जिलों को अपनी फर्म स्थापित करने के लिए प्राथमिकता दी, जबकि घाटी में बहुत कम व्यवसायी रुचि दिखा रहे हैं। औद्योगिक नीति 2016-26 के तहत, देश के विभिन्न हिस्सों से कुल 28 व्यवसायियों को सांबा और कठुआ जिलों में अपनी इकाइयां स्थापित करने के लिए 500 कनाल से अधिक भूमि आवंटित की गई। निवेश प्रस्ताव के आधार पर भूमि का आवंटन अलग-अलग होता है। हालांकि, अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद संशोधित औद्योगिक नीति 2021-30 की शुरुआत में दिल्ली, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, पंजाब, बिहार, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और तमिलनाडु के व्यवसायी भी निवेश के लिए इस क्षेत्र पर नज़र गड़ाए हुए हैं।

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए वार्ता शुरू व्यापारिक संबंधों में नया अध्याय

नई दिल्ली, 16 मार्च। भारत और न्यूजीलैंड ने अपने द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता शुरू करने की आज घोषणा की। यह महत्वपूर्ण पहल भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की द्विपक्षीय बैठक के पूर्व संध्या पर की गई। इस निर्णय की आधिकारिक घोषणा भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार एवं निवेश मंत्री श्री टॉड मैक्ले के बीच 16 मार्च 2025 को हुई बैठक के दौरान की गई। इस बैठक ने दोनों देशों के आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण नींव रखी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच लंबे समय से साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, मजबूत आपसी संबंधों और आर्थिक पूरकताओं पर आधारित साझेदारी रही है। दोनों देशों ने व्यापार और निवेश के क्षेत्र में सहयोग को निरंतर मजबूत करने का प्रयास किया है। एफटीए वार्ता का उद्देश्य एक संतुलित व्यापार समझौता तैयार करना है, जो आपूर्ति श्रृंखला के एकीकरण को बढ़ावा दे, बाजार पहुंच में सुधार करे और द्विपक्षीय व्यापार को गति प्रदान करे। यह समझौता दोनों देशों के आर्थिक सहयोग को नई दिशा देने के साथ-साथ व्यापारिक लचीलापन और समृद्धि को भी प्रोत्साहित करेगा।

मिनी बस पलटने से 30 लोग घायल

रियासी,16 मार्च। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में रविवार को पहाड़ी सड़क पर मिनी बस पलटने से कम से कम 30 यात्री घायल हो गए, जिनमें ज्यादातर महिलाएं हैं। अधिकारियों ने बताया कि 30 में से दो गंभीर रूप से घायल हैं और उन्हें जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना तारा मोड़ के पास हुई, जब बस राजौरी जिले के मुगला से रियासी के पौनी जा रही थी। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में 22 महिलाओं समेत 30 यात्री घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि गंभीर रूप से घायल दो लोगों रफाकत अली और गौतम शर्मा को विशेष उपचार के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल जम्मू रेफर कर दिया गया है।

मुख्य सचिव ने बेहतर सेवा वितरण के लिए सीएससी का लाभ उठाने के उपायों की समीक्षा की

आशु कुमार

जम्मू 16 मार्च। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने जम्मू-कश्मीर में निर्बाध सरकार-से-नागरिक और सरकार-से-व्यवसाय सेवाएं प्रदान करने में सामुदायिक सेवा केंद्रों की क्षमता का पता लगाने के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में लोगों, खासकर दूरदराज के क्षेत्रों में पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सीएससी प्लेटफॉर्म के साथ सरकारी सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला को एकीकृत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इसमें प्रमुख सचिव एपीडी, प्रमुख सचिव वित्त, आयुक्त सचिव आईटी, सीईओ जेकेईजीए, एमडी जेपीडीसीएल, चेयरमैन जेकेबीओसीडब्ल्यूडब्ल्यू, एमडी सिडको/एसआईसीओपी के अलावा अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए। उपायुक्तों ने अपने-अपने कार्यालयों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक में भाग लिया।

ऑनलाइन सेवाओं के व्यापक दायरे और उनकी सामर्थ्य को देखते हुए, मुख्य सचिव ने राजस्व, आवास और शहरी विकास, कृषि, ग्रामीण विकास, श्रम और रोजगार, बिजली विकास, जल शक्ति, उद्योग और वाणिज्य, और भवन और अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड सहित प्रमुख विभागों से सेवाओं को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस एकीकरण से न केवल सेवा वितरण में सुधार होगा बल्कि सीएससी ऑपरेटरों की आय में भी वृद्धि होगी। अटल डुल्लू ने सीएससी की 'डिजिदोस्त' सुविधा के महत्व को रेखांकित किया, जिससे नागरिक अपने घरों से विनियमित दरों पर सरकारी सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने विशेष प्रयोजन वाहन को सीएससी संचालकों की क्षमता बढ़ाने का निर्देश दिया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे नागरिकों और व्यवसायों दोनों को कुशलतापूर्वक सेवा प्रदान करें। उन्होंने लेनदेन और सेवा वितरण की बेहतर निगरानी के लिए आईटी विभाग को डैशबोर्ड एक्सेस प्रदान करने के लिए एसपीवी को भी निर्देश दिया। सीएससी की भूमिका को और मजबूत करने के लिए, मुख्य सचिव ने बैंकों से इन केंद्रों को जम्मू-कश्मीर में उनकी व्यापक उपस्थिति और बुनियादी ढांचे को देखते हुए बिजनेस कॉरेस्पोंडेंटया अनबैंक्ड रूरल सेंटर में बदलने की व्यवहार्यता का पता लगाने का आग्रह किया।

कुलगाम पुलिस ने व्हाट्सएप के माध्यम से पहली बार ई-एफआईआर दर्ज की

कुलगाम, 16 मार्च। डिजिटल पुलिसिंग में एक बड़ा कदम उठाते हुए शिकायत पंजीकरण प्रक्रिया को नागरिकों के लिए अधिक कुशल और सुलभ बनाते हुए पुलिस स्टेशन काजीगुंड, कुलगाम ने 16 फरवरी 2025 को व्हाट्सएप के माध्यम से दर्ज की गई शिकायत के बाद अपनी पहली इलेक्ट्रॉनिक प्रथम सूचना रिपोर्ट (ई-एफआईआर) दर्ज की है।

शिकायत बशीर अहमद खांडे द्वारा दर्ज की गई थी जिसमें उन्होंने कहा था कि 12.03.2025 को एक अज्ञात व्यक्ति ने चौगाम में एटीएम के भीतर उनकी ट्रांजिशन गतिविधि पर नज़र रखने के बाद जल्दी से मेरा एटीएम कार्ड निकाल लिया और चालाकी से उसे बदल दिया। उसके बाद मुझे मेरे बैंक खाते से 22,000 रुपये की राशि कटने का संदेश मिला। शिकायतकर्ता ने उक्त अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और चोरी हुए पैसे की वसूली के लिए अनुरोध किया।

शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया और थाना काजीगुंड में धारा 303, 318 बीएनएस के तहत एफआईआर नंबर 38/2025 के तहत ई-एफआईआर दर्ज की। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। गौरतलब है कि सार्वजनिक सुरक्षा और न्याय को मजबूत करने के लिए सरकार ने नए आपराधिक कानून पेश किए हैं जो नागरिकों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करने में सक्षम बनाते हैं क्योंकि इस अभिनव पहल का उद्देश्य अपराधों की रिपोर्टिंग की प्रक्रिया को अधिक सुलभ, कुशल और नागरिक-अनुकूल बनाना है।

उपमुख्यमंत्री ने नौशेरा में विकास कार्यों की समीक्षा की

नौशेरा 16 मार्च। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने चल रही परियोजनाओं की प्रगति का आकलन करने के लिए नौशेरा में विभिन्न विकास स्थलों का व्यापक दौरा किया।

उन्होंने आश्रम, टाउन हॉल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और अस्पताल भवन का दौरा किया और जन सुविधाओं को बढ़ाने के लिए कार्यों को समय पर पूरा करने पर जोर दिया। उपमुख्यमंत्री ने दौरे के दौरान निर्माण की गुणवत्ता का निरीक्षण किया और निष्पादन एजेंसियों को उच्च मानकों को बनाए रखते हुए काम की गति में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों और स्थानीय लोगों से बातचीत की और क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास पर प्रतिक्रिया ली। अस्पताल भवन की समीक्षा करते हुए उन्होंने लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए आधुनिक स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे से लैस करने के महत्व पर जोर दिया। शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में उन्होंने स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने और आर्थिक विकास के लिए परियोजना को जल्द पूरा करने के उपायों पर चर्चा की। टाउन हॉल के काम के बारे में उन्होंने सामुदायिक सहभागिता के लिए एक जीवंत सार्वजनिक स्थान बनाने पर जोर दिया। उन्होंने आश्रम का भी दौरा किया, जहाँ उन्होंने निवासियों और आगंतुकों दोनों के लाभ के लिए सुविधाओं में सुधार के लिए समर्थन का आश्वासन दिया। उपमुख्यमंत्री ने लोगों के कल्याण के लिए विकास परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने अधिकारियों से किसी भी बाधा को दूर करने और परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने का आग्रह किया। उनके साथ एडीसी नौशेरा बाबू राम टंडन, पूर्व अभियंता पीडब्ल्यूडी शौकत अली, एईई और अन्य जिला और क्षेत्रीय अधिकारी भी थे, जिन्होंने चल रहे कार्यों की प्रगति पर अपडेट प्रदान किए।

डीडीसी ने सांबा में जिला कैपेक्स बजट परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

सांबा 16 मार्च। जिला विकास आयुक्त राजेश शर्मा ने डीसी कार्यालय परिसर के मीटिंग हॉल में जिला कैपेक्स बजट के तहत विभिन्न क्षेत्रों में किए गए कार्यों की प्रगति का आकलन करने हेतु एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में स्कूली शिक्षा, स्वास्थ्य और संबद्ध सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा निष्पादित की जा रही, चल रही परियोजनाओं की स्थिति पर ध्यान केंद्रित किया गया। परियोजना निष्पादन में बाधा डालने वाली चुनौतियों की पहचान करने और उन्हें हल करने के लिए विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें सुचारू और समय पर पूरा करने पर जोर दिया गया। क्षेत्रवार प्रगति की समीक्षा करते हुए, डीडीसी ने परियोजना समयसीमा का पालन करने और उच्च कार्यान्वयन मानकों को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बाधाओं से निपटने और जनता को अधिकतम विकासात्मक लाभ प्रदान करने के लिए निष्पादन प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। कुशल संसाधन प्रबंधन और अंतर-विभागीय समन्वय की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए, डीडीसी ने सभी हितधारकों से निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढाँचा और सार्वजनिक सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहने का आग्रह किया। बैठक में अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त चंपा देवी, मुख्य योजना अधिकारी कस्तूरी लाल, सहायक आयुक्त विकास, सीईओ, सीएमओ, कार्यकारी अभियंता, बीडीओ और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कांग्रेस ने बोडोलैंड शांति समझौते का उड़ाया था मजाक, आज क्षेत्र में स्थायी शांति: शाह

कोकराझाड़ (असम), 16 (। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बोडो शांति समझौते की मजबूती को रेखांकित करते हुए कांग्रेस पर तंज कसा। शाह ने कहा कि जब 27 जनवरी 2020 को बोडोलैंड टेरिटोरियल रीजन (डीटीआर) शांति समझौता हुआ था, तब कांग्रेस ने इसका मजाक उड़ाया था, लेकिन आज यह समझौता क्षेत्र में स्थायी शांति का आधार बन चुका है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को असम के कोकराझाड़ में ऑल बोडो स्टूडेंट्स यूनियन (आब्सू) के 57वें वार्षिक अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। केन्द्रीय मंत्री शाह ने कहा कि समझौते के 82 फीसदी प्रावधान पहले ही केंद्र और असम सरकार लागू कर चुके हैं। अगले दो वर्षों में इसे पूरी तरह लागू कर दिया जाएगा, जिससे बोडोलैंड में स्थायी शांति सुनिश्चित होगी। उन्होंने याद दिलाया कि 1 अप्रैल 2022 को पूरे बीटीआर क्षेत्र से अफस्पा हटा लिया गया था, जिससे स्थिरता बढ़ी है। बोडोलैंड की आर्थिक और सांस्कृतिक प्रगति का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि कोकराझाड़ के मशरूम 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' पहल के तहत राष्ट्रीय पहचान बना चुके हैं और दिल्ली के होटलों में परोसे जा रहे हैं। केन्द्रीय मंत्री शाह ने आब्सू के योगदान की सराहना करते हुए कहा, 卐अगर आब्सू न होता तो

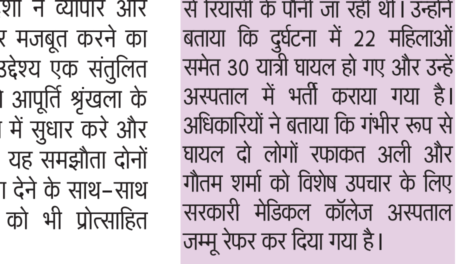

बोडो समझौता संभव नहीं होता और न ही बोडोलैंड में शांति स्थापित हो पाती।卐 उन्होंने पारंपरिक बोडो धर्म बाथौ धर्म को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता देने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। केन्द्रीय गृह मंत्री ने बोडोलैंड के युवाओं से 2036 अहमदाबाद ओलंपिक्स में भाग लेने की तैयारी करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार खेल प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत है। दिल्ली में एक सड़क होगी बोडो नेता उपेंद्र नाथ ब्रह्म के नाम केन्द्रीय गृह मंत्री ने बोडो शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आज मैं बोडोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म की जन्मस्थली पर खड़ा हूं और उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित करता हूं। सम्मेलन में केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने घोषणा की कि दिल्ली में एक प्रमुख सड़क का नाम बोडो आंदोलन के नेता उपेंद्र नाथ ब्रह्म के नाम पर रखी जाएगी।

कर्मचारियों के लिए सैलरी हाइक से ज्यादा

ये चीज है महत्वपूर्ण

एक सर्वे के मुताबिक कंपनियों के रोजगार का मूल्यांकन करने पर देखा गया कि कर्मचारियों के लिए अच्छा वर्क कल्चर, सेलरी हाइक से ज्यादा बड़ा आकर्षण हैं। जॉबबज.इन द्वारा किए गए सर्वे के मुताबिक 90 प्रतिशत वर्किंग प्रोफेशनल्स ने कहा है कि वे ऐसी कंपनी में ज्यादा बड़ी सेलरी पर भी काम करना पसंद नहीं करेंगे जहां का वर्किंग कल्चर खराब है। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि सीनियर कर्मचारी वह कंपनी चुनते हैं जो कि सक्रिय रूप से अच्छा वर्क कल्चर प्रमोट करती हो लेकिन ऐसा जूनियर लेवल पर नहीं हैं। सर्वे के मुताबिक 66 प्रतिशत लोगों ने बुरे वर्क कल्चर का दोषी टॉप मैनेजमेंट को माना है। उनके मुताबिक बॉस को 12 प्रतिशत और एचआर को 11 प्रतिशत दोषी माना है। बचे हुए 11 प्रतिशत में उन्होंने साथ काम करने वाले कर्मचारियों को नेगेटिव वर्ककल्चर के लिए जिम्मेदार माना है। सर्वे के मुताबिक 65 प्रतिशत लोग उस कॉर्पोरेट कल्चर को हाइलाइट न करने वाली कंपनी की तुलना में उस कंपनी में काम करना पसंद करेंगे जो सक्रिय रूप से वर्क कल्चर को प्रमोट करती है।

जानवरों से करते हैं प्यार

तो करियर होगा बेहतर

वह नौकरी करना ज्यादा महत्वपूर्ण है जिसमें अच्छी सैलरी ही नहीं मिले बल्कि आपका हर दिन एक्साइटमेंट से भरा हो। यह तब ही हो सकता है जब वह जॉब आपकी रुचि का हो। ऐसा ही कुछ एनिमल लवर्स के साथ है। अगर आप जानवरों से विशेष लगाव रखते हैं, उनसे प्यार करते हैं तो आपके लिए यहां भी करियर के कई विकल्प हैं जो आपको आपकी रुचि से जोड़े रहेंगे।

अगर आप जानवरों की दुनिया में करियर बनाना चाहते हैं तो आपको अलग-अलग तरह की स्कूलिंग और ट्रेनिंग लेनी पड़ेगी। लेकिन पहली आपको निश्चित करना होगा कि आप किस क्षेत्र में जाना चाहते हैं और उस मुताबिक आप स्किल्स, सर्टिफकिट्स और एजुकेशन लेकर आप करियर बना सकते हैं।

वेटरनेरीयन बतौर आप खुद का एनिमल हॉस्पिटल, क्लिनिक खोल सकते हैं, किसी बड़ी कंपनी में काम कर सकते हैं। वेटरनेरीयन बनकर आप अच्छी इनकम के साथ अपने समाज में जानवरों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए योगदान दे सकते हैं। वाइल्डलाइफ बायोलॉजिस्ट बनना उन लोगों के लिए अच्छा करियर विकल्प है जो जानवरों और विज्ञान दोनों को पसंद करते हैं। ग्रूमर बनने का करियर विकल्प उन लोगों के लिए बेस्ट है जो प्रतिदिन ज्यादा से ज्यादा समय जानवरों को लाड़-प्यार में बिताते हैं। बड़ी कंपनियों में इसमें सैलरी भले ही बहुत ज्यादा न हो लेकिन बिजनेस माइंड के इस क्षेत्र में अच्छा खासा पैसा कमा सकते हैं और खुद की डॉग ग्रूमिंग कंपनी खोल सकते हैं। डॉग ग्रूमर की तरह डॉग वॉकर उनके लिए बनना बेहतर है जो कि खुद का बिजनेस खोलना चाहते हैं। यहां बहुत ज्यादा कंपनियां नहीं है जो कि डॉक वॉकर्स को एम्प्लॉयमेंट देती है लेकिन ऐसे कई पोटेंशियल क्लाइंट्स हैं जो प्रोफेशन को हायर करना पसंद करते हैं। खुद का डॉग वॉकिंग बिजनेस और क्लाइंट बेस तैयार कर आप कई डॉगीज के साथ पूरा दिन भी बिताते हैं। जूलॉजिस्ट बनना उनके लिए बेहतर है जो प्रत्यक्ष रूप से जानवरों के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताने की इच्छा रखते हैं या उनके बारे में पढ़ना चाहते हैं। कई जूलॉजिस्ट जू में काम करते हैं और जानवरों की पूरी देखभाल की जिम्मेदारी लेते हैं। अन्य जूलॉजिस्ट किसी जानवरी की प्रजाति के बारे में पढ़ते हैं। वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर एक एडवेंचर जॉब हो सकता है जो कि जानवरों और फोटोग्राफी दोनों से खास लगाव रखते हों। वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर को ट्रेवलिंग काफी करनी होती है और अपना खूब समय देना होता है। कई घंटों की मेहनत के बाद कई शॉर्ट्स मिलते हैं। वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर बड़े पब्लिकेशन के लिए काम कर सकते हैं। यह जॉब उनके लिए है जो पालतू जानवरों को प्यार करते हैं। यह एन्टरप्रेन्योरशिप से जुडा है। खुद का पेट सिटिंग बिजनेस लेकर आप जानवरों के करीब रहेंगे।

बीपीओ/केपीओ में करियर की संभावनाएं

बीपीओ (बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग)/केपीओ (नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग) उद्योग ने भारतीय युवाओं के लिए अवसरों के द्वार खोल दिए हैं। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसने न केवल हज़ारों लोगों को नौकरी प्रदान की है बल्कि उन्हें बेहतरीन वेतनमान के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय वातावरण में काम करने का मौका भी प्रदान किया है। ये कम्पनियां भारतीय युवाओं को आकर्षक पैकेज के साथ नौकरी पर रखकर उनसे विभिन्न देशों में बैठे अपने ग्राहकों के लिए कार्य कराती हैं। सरल भाषा में कहें तो एक बीपीओ कंपनी अपने विदेशी ग्राहकों को सेवा प्रदान करने के लिए भारतीय युवाओं को नौकरी पर रखती है।

ये कम्पनियां अपने भारतीय संसाधनों द्वारा डाटा-एंट्री, मेडिकल ट्रान्सक्रिप्शन, कंटेंट राइटिंग, एचआर व वित्तीय सेवा जैसे कार्य कराती हैं। बीपीओ शब्द जहां इस क्षेत्र में होने वाले सभी तरह के व्यवसाओं के लिए प्रयुक्त होता है वहीं केपीओ ज्ञान व सूचना आधारित सेवाओं से जुड़ा होता है व इसके लिए उच्च शिक्षा का होना जरूरी है। केपीओ सेवा के कुछ उदाहरण हैं - कानूनी सेवा, बौद्धिक सम्पदा एवं पेटेंट से जुडी सेवाएं, अभियांत्रिकी सेवाएं, वेब डेवलपमेंट, कैड/कैम अनुप्रयोग, व्यापार अनुसंधान एवं विश्लेषण, कानूनी अनुसन्धान, चिकित्सा अनुसंधान, प्रकाशन और विपणन अनुसंधान (मार्केट रिसर्च केपीओ)। बीपीओ में कार्य करने के लिए आपको बहुत ज़्यादा शिक्षित व अनुभवी होने की आवश्यकता नहीं है। आप स्कूल या कॉलेज की पढ़ाई ख़त्म करने बाद सीधे यहाँ नौकरी पा सकते हैं। यहां चुनौती अपने कार्य में ज्यादा तेज़ एवं प्रोफेशनल होने की है। आपको शिफ्ट में काम करने में दिक्कत नहीं होनी चाहिए। यदि आपमें संवाद क्षमता है तो आप ग्राहक सेवा के क्षेत्र से शुरूआत कर सकते हैं। यदि आप आईटी में तकनीकी रूप से सक्षम हैं तो आप टेक्नीकल सपोर्ट प्रोफेशनल जैसे पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं। बीपीओ की अपेक्षा केपीओं में अधिक शिक्षित एवं योग्य व्यक्तिओं की ज़रुरत होते है। एक बीपीओ में डाटा एंट्री, डाटा प्रोसेसिंग, डिपार्टमेंट आउटसोर्सिंग, टेक्नीकल सपोर्ट एवं ग्राहक सेवा जैसे कार्य किये जाते हैं जबकि केपीओ में अनुसंधान और विकास, वित्तीय सलाह व सेवाएं, आधुनिक वेब एप्लीकेशन, व्यवसायिक और तकनीकी विश्लेषण, लर्निंग सॉल्यूशन, एनीमेशन और डिजाइन, बिजनेस एंड मार्केट रिसर्च, औषधि और जैव तकनीकी, चिकित्सा सेवाएं, राइटिंग एंड कॉन्टेंट डेवेलपमेंट, कानूनी सेवाएं, बौद्धिक सम्पदा अनुसंधान, डाटा विश्लेषण, नेटवर्क मैनेजमेंट तथा प्रशिक्षण एवं सलाह जैसे विशेषज्ञता वाले क्षेत्रों में काम किया जाता है। इसलिए केपीओ में जॉब के लिए आपको क्षेत्र विशेष का ज्ञाता होना चाहिए। ऐसे छात्र जिन्होंने अपनी स्कूल की पढ़ाई पूरी कर ली है तथा पार्ट-टाइम जॉब की तलाश कर रहे हैं, उनके लिए बीपीओ सबसे अच्छा विकल्प है। आप वहां कस्टमर सपोर्ट एग्जीक्यूटिव, टेक्नीकल सपोर्ट एग्जीक्यूटिव अथवा प्रोसेस एग्जीक्यूटिव जैसे पदों पर शुरूआत में अपने जेब-खर्चे के लायक एक अच्छी-खासी सैलेरी प्राप्त कर सकते हैं। कॉलेज के दिनों से ही बीपीओ ज्वाइन करने पर आपको कम उम्र में ही वास्तविक दुनिया की चुनौतियों से निपटने का साहस एवं समझ विकसित हो जाती है।

इंटरव्यू में इस तरह दें महत्वपूर्ण सवालों के जवाब...

इस सवाल को कहानी की तरह बताने के बजाय इसके शॉर्ट और क्रिस्प रखें। इंटरव्यूअर को अपनी स्ट्रेंथ, अचीवमेंटद्यस और स्किल्स के बारे में बताएं। इससे इंटरव्यूअर को पता चलेगा कि किस तरह से आप कंपनी के लिए फायदेमंद साबित होंगे।

आप नौकरी क्यों बदलना चाहते हैं ?

हर एम्प्लॉयर जानना चाहता है कि कैंडिडेट ने अपनी पिछली नौकरी किन कारणों से छोड़ी थी। इस सवाल का सबसे बेहतर जवाब आप अपने भविष्य पर फोकस्ड होकर दे सकते हैं। अपने पिछली कंपनी के बारे में निगेटिव बोलने की बजाए उसकी पॉजिटिव साइड को हाइलाइट करें और अपने एम्प्लॉयर की कोई निगेटिव इमेज सामने न रखें।

अपनी स्ट्रेंथ को किस तरह परिभाषित करेंगे?

यह सवाल कैंडिडेट्स के लिए अवसर होता है कि वह इंटरव्यूअर के सामने अपना बेस्ट साइड रख सकें। इस सवाल से इंटरव्यूअर जानना चाहता है कि आप उनकी कंपनी के लिए किस तरह रिलिवेंट एम्प्लॉई साबित होंगे। इसलिए इस सवाल का जवाब बहुत ध्यान से दें और अपनी एक्चुअल स्ट्रेंथ और स्किल्स को शोकेस करें।

आपका 5 साल बाद का करियर ग्राफ ?

इस सवाल से इंटरव्यूअर आपको भविष्य के लिए वास्तविक उम्मीदों के बारे में जानना चाहता है। अच्छा होगा कि आप इस सवाल का जवाब अपनी करियर ग्रोथ को सामने रखकर दें। इंटरव्यूअर को आप अपने करियर के लिए मोटिवेटेड और फोकस्ड लगने चाहिए।

आप क्या सैलरी एक्सपेक्ट करते हैं ?

इस सवाल से एम्प्लॉयर आपकी प्रायोरिटीज के बारे में जानना चाहता है, वहीं दूसरी तरफ, इस सवाल का जवाब देते वक्त बेहतर होगा कि आप एम्प्लॉयर को अपनी जरूरतों का एक रीजनेबल आइडिया दे दें। अगर आप अपनी स्किल्स को लेकर श्योर हैं तो इस सवाल में किसी तरह का समझौता न करें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

जेके पुलिस ने जम्मू मैराथन 2025 'रन फॉर फन' का सफलतापूर्वक आयोजन किया

जम्मू 16 मार्च। जम्मू और कश्मीर पुलिस ने आज जम्मू के गुलशन ग्राउंड में अपने सिविक एक्शन प्रोग्राम (CAP) के तहत एक प्रमुख कार्यक्रम जम्मू मैराथन 2025 'रन फॉर फन' का सफलतापूर्वक आयोजन किया। विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों से 3000 से अधिक एथलीटों की भागीदारी के साथ, मैराथन में स्कूली बच्चों, दिग्गजों और फिटनेस उत्साही लोगों सहित सभी उम्र के व्यक्तियों की भारी भीड़ देखी गई। मैराथन में नौ श्रेणियों में विभिन्न दूरियों को कवर किया जिसमें विविध प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

इस आयोजन में गुलशन ग्राउंड से बाजाल्टा क्रॉसिंग के पास हिल व्यू होंडा तक 21 किलोमीटर की दौड़ से लेकर, विभिन्न आयु समूहों और प्रतियोगिता के स्तरों के लिए डिज़ाइन किए गए 10 किमी, 5 किमी, 4 किमी और 2 किमी की छोटी दौड़ें शामिल थीं।

श्रेणियाँ और परिणाम–

21 किमी हाफ मैराथन (पुरुष)–
प्रथम- मंजीत सिंह (फ़िरोज़पुर, पंजाब)
दूसरा- गुरचरण सिंह (आरएस पोरा, जम्मू)
तीसरा- रवि दास (राम नगर, उधमपुर)

10 किमी रोड रेस (महिला, 18+)–
प्रथम- सविता पॉल (यूपी)
दूसरा- वीरपाल कौर (पंजाब)
तीसरी- शमशादा बानो (बालीचरण, जम्मू)

10 किमी रोड रेस (लड़के, 18 वर्ष से कम)–
प्रथम- परवीन कुमार (चेनानी, उधमपुर)
दूसरा- विभुम पांडे (सैनिक स्कूल, नगरोटा)
तीसरा- अंकित कुमार (लुधियाना, पंजाब)

10 किमी जूनियर रोड रेस (लड़कियां, 18 वर्ष से कम)
– पहला- सुलेखा, द्वितीय- महक निषाद , तीसरा- सानिया चौधरी

10 किमी वेटरन्स रेस (महिलाएं, 45+)–
प्रथम- मनमिंदर कौर (त्रिकुटा नगर, जम्मू)
दूसरा- टीना साही (जम्मू)
तीसरा- सीमा खज्याल (गंग्याल, जम्मू)

10 किमी वेटरन्स रेस (पुरुष, 45+)–
प्रथम- जोगा सिंह (लुधियाना, पंजाब)
दूसरा- राम राज (पथयाल, जम्मू)
तीसरा- परषोतम लाल (लक्ष्मी नगर, मुट्ठी, जम्मू)

5 किमी सब जूनियर रेस (लड़के, 14 वर्ष से कम)–
प्रथम- मोहम्मद फरीद (राजौरी)
दूसरा- उमर शौकत (नगरोटा, जम्मू)
तीसरा- रहिक मन्हास (कटरा, रियासी)

4 किमी सब जूनियर रेस (लड़कियां, अंडर 14)–
प्रथम- कोमल (गुज्जर नगर, जम्मू)
द्वितीय- एलीना सिंह (ओल्ड जानीपुर, जम्मू)
तृतीय- शब्बू देवी (कटरा, रियासी)पुरस्कार वितरण समारोह में प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया जिसमें एम.के. सिन्हा, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, मुख्यालय/समन्वय पीएचक्यू, जम्मू-कश्मीर शामिल थे जो इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। मुख्य अतिथि के साथ, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और सेवानिवृत्त अधिकारियों ने पदक, प्रमाण पत्र और 15 लाख रुपये के नकद पुरस्कार वितरित किए। विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं में 1,84,000 रुपये का पुरस्कार दिया गया सिन्हा ने अपने संबोधन के दौरान जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ अन्य राज्यों के एथलीटों की भारी भागीदारी के लिए प्रशंसा व्यक्त की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह के आयोजन सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने और युवाओं को ड्रग्स जैसी हानिकारक गतिविधियों से दूर रखने में महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने भविष्य में निरंतर खेल पहल के महत्व पर बल दिया।

इससे पहले आनंद जैन, आईपीएस, एडीजीपी सशस्त्र ने अपने भाषण में सिविक एक्शन प्रोग्राम जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से समुदाय की सेवा करने में जम्मू-कश्मीर पुलिस की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस आयोजन की सफलता सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका के लिए सभी अधिकारियों, खेल अधिकारियों और एजेंसियों को धन्यवाद दिया और सकारात्मक गतिविधियों में लगे रहने में मदद करने के लिए इस तरह की गतिविधियों में अधिक युवाओं को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। मैराथन को आनंद जैन, आईपीएस, एडीजीपी सशस्त्र पुलिस जम्मू-कश्मीर ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिनमें सुश्री सारा रिजवी, आईपीएस, डीआईजी आईआरपी जम्मू, शिव कुमार, आईपीएस, डीआईजी जेएसके रेंज, राजेश कुमार, आईपीएस, एसएसपी सुरक्षा जम्मू, और जोगिंदर सिंह, एसएसपी जम्मू, दलीप कुमार, एसएसपी, एसओ टू एडीजीपी सशस्त्र और जम्मू स्थित बटालियनों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

नटरंग ने किया हिन्दी नाटक 'उथल पुथल' का मंचन

जम्मू, 16 मार्च (हि.स.)। नटरंग ने अपने साप्ताहिक रंगमंच श्रृंखला संडे थियेटर के अंतर्गत आज यहां नटरंग के स्टूडियो थियेटर कच्ची छावनी में एंटोन चेखव द्वारा लिखित और नीरज कांत द्वारा निर्देशित लघु कथा पर आधारित हिन्दी नाटक 'उथल पुथल' का मंचन किया। नाटक के कथानक में व्याप्त भावनात्मक पहलू को दर्शकों ने खूब सराहा। नाटक में दिखाया गया कि रिश्तों में विश्वास और सम्मान कितना जरूरी है।

नाटक की कहानी एक युवा लड़की 'मालविका' के ईर्द-गिर्द घूमती है जो मिसेज माया के घर में पेइंग-गेस्ट के तौर पर रहती है। एक दिन वह कॉलेज से घर आती है और घर में उथल-पुथल देखती है। जब वह अपने कमरे में जाती है तो देखती है कि उसकी मालकिन अपना सामान खंगाल रही है। मिसेज माया जल्दी में चली जाती है और दूसरी नौकरानी मालविका को बताती है कि एक बहुत महंगा ब्रोच खो गया है और हमेशा संदिग्ध और घमंडी महिला मिसेज माया उसे खोजने के लिए हर किसी की तलाशी ले रही है।

उसे किसी की ईमानदारी की कोई परवाह नहीं है और उसकी नजर में सभी चोर हैं। 'मालविका' इस बात से बहुत परेशान है कि मकान मालकिन उसकी चीज़ों को देख रही है, और जाहिर तौर पर उसे चोर समझ रही है। फिर रात के खाने पर माया एक टिप्पणी करती है कि वह अपने घर में चोरों को कैसे बर्दाश्त नहीं करेगी। यह 'मालविका' को परेशान कर देता है, और वह जगह छोड़ने का फैसला करती है। जब वह सामान पैक कर रही होती है तो घर का मालिक और माया का पति 'निखिल' उसके कमरे में आता है और उससे रहने के लिए विनती करता है। फिर वह बताता है कि वास्तव में उसने ब्रोच चुराया था क्योंकि उसके पास पैसे की कमी थी और उसकी दबंग पत्नी ने सारी संपत्ति अपने साथ ले ली है और उसे अपने ही घर में भिखारी बना दिया है। यह मालविका को और भी परेशान करता है जो घर छोड़ने के अपने फैसले पर कायम रहती है क्योंकि ऐसी जगह पर रहने में कोई गरिमा नहीं है जहाँ आपकी ईमानदारी का कोई सम्मान नहीं है और एक ईमानदार व्यक्ति के लिए आत्मसम्मान और गरिमा से बढ़कर कुछ भी नहीं है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के जम्मू प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष ने एक समिति गठित की

जम्मू, 16 मार्च (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के जम्मू प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता एडवोकेट ने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनजर जम्मू नगर निगम के सभी वार्डों के कामकाज की समीक्षा के लिए एक समिति गठित की है।

प्रदीप कुमार बाली प्रांतीय सचिव जम्मू प्रांत संयोजक के रूप में कार्य करेंगे। जम्मू शहरी, जम्मू ग्रामीण ए, जम्मू ग्रामीण बी के जिला अध्यक्ष, सभी संबंधित ब्लॉक अध्यक्ष और जेकेएनसी के सभी विंग के जिला अध्यक्ष समीक्षा प्रक्रिया में समिति के साथ समन्वय करेंगे जो एक महीने के भीतर पूरी हो जाएगी।

बिमला लूथरा, पूर्व विधायक। जुगल महाजन, कोषाध्यक्ष। अंकुश अबरोल, संयुक्त सचिव जम्मू प्रांत। विजय लोचन, अध्यक्ष एससी सेल। अब्दुल गनी तेली, अध्यक्ष ओबीसी सेल। डी.एस. चौहान एडवोकेट, अध्यक्ष कानूनी सेल।एस. तेजिंदर सिंह, प्रांतीय अध्यक्ष वाईएनसी जम्मू। राकेश सिंह राका, उपाध्यक्ष सेंट्रल जोन। डॉ. विकास शर्मा, सचिव सेंट्रल जोन दिलशाद मलिक, उपाध्यक्ष सेंट्रल जोन।

नवरात्रों -2025 की तैयारीयों को लेकर कमेटी द्वारा वॉलिंटियर्स कार्यशाला आयोजित

जम्मू, 16 मार्च (हि.स.)। चैत्र नवरात्रों की तैयारी को लेकर बाहु फोर्ट डेवलपमेंट कमेटी द्वारा कार्यशाला का आयोजन कमेटी के प्रधान राजीव चाढक जी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ इस अवसर पर बोलते हुए राजीव चाढक ने कहा कि आज आयोजित कार्यशाला में वॉलिंटियर्स को सुरक्षा एवं सेवा के गुर सिखाए गए ताकि माता महाकाली बाबे वाली के आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा ना हो ।

चाढ़क ने वावे वाली माता के श्री चरणों में आने वाले श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि श्रद्धालु गाड़ी सड़क पर पार्क न करें एवं व्यवस्थित एवं सुचारू यातायात चलाने में यातायात पुलिस सक्रियता का परिचय दें ।उन्होंने कहा कि मां वावे वाली के श्री चरणों में बहुत मुश्किल से सेवा का मौका मिलता है जिन भी विभागों के कर्मचारियों अथवा अधिकरियों को सेवा का अवसर मिलता है उन्हें मां का आशीर्वाद समझकर भरपूर सेवा करनी चाहिए उनके विभाग के संबंधित कार्य में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए ।

उन्होंने कहा कि जम्मू स्मार्ट सिटी स्ट्रीट लाइट्स की ओर ध्यान दें ताकि नवरात्रों से पूर्व सब लिए चलनी चाहिए उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी और नगर निगम जम्मू द्वारा चल रहे विकास कार्यों को नवरात्रों से पूर्व पूरा कर लिया जाना चाहिए ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी और नगर निगम द्वारा लगाए गए वाटर कूलर एवं वाटर एटीएम खराब पड़े हैं नवरात्रि आरंभ होने से पूर्व ठीक हो जाने चाहिए।

तीन साल से फरार भगोड़े को किया गिरफ्तार

कठुआ 16 मार्च (हि.स.)। थाना नगरोटा के एक मामले में वांछित 01 भगोड़े को राजबाग थाना की पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर उसे संबंधित थाने को सौंप दिया।

एसएसपी कठुआ शोभित सक्सेना की देखरेख में एसडीपीओ बॉर्डर धीरज सिंह कटोच और एसएचओ थाना राजबाग अजय सिंह के मार्गदर्शन में पुलिस स्टेशन राजबाग की एक पुलिस टीम ने एक भगोड़े को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया है जिसका नाम मोहम्मद हबीब पुत्र मोहम्मद सलीम निवासी जुग्याल तहसील मढ़हीन जिला कठुआ है और तीन साल से गिरफ्तारी से बच रहा था। इसके अलावा भगोड़ा मोहम्मद हबीब पुलिस स्टेशन नगरोटा में केस एफआईआर 216/2022 यू/एस 457/380 आईपीसी और एफआईआर 288/2022 यू/एस 457/380 आईपीसी के संबंध में वांछित था। आरोपी 2022 से फरार था, लेकिन एसएचओ पीएस राजबाग के नेतृत्व में पीएस राजबाग की पुलिस टीम के अथक प्रयासों से आखिरकार उसे पकड़ लिया गया। उसे आगे की कार्यवाही के लिए संबंधित पुलिस स्टेशन को सौंप दिया जाएगा

कठुआ पुलिस ने लापता नाबालिग लड़की को परिजनों से मिलवाया

कठुआ 16 मार्च (हि.स.)। एसएसपी कठुआ शोभित सक्सेना की देखरेख में जम्मू-कश्मीर पुलिस कठुआ ने 05 दिनों के भीतर एक लापता नाबालिग लड़की को बरामद कर सभी कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद उसे उसके परिजनों को सौंप दिया। जनकारी के अनुसार बीते 09 मार्च को लापता लड़की के चाचा साहब दीन ने पुलिस पोस्ट रामकोट में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें बताया गया कि उनकी भतीजी गांव मकवाल में शादी में शामिल होने गई थी और वापस नहीं लौटी। परिवार के सदस्यों द्वारा लापता लड़की का पता लगाने के सभी प्रयास किए गए लेकिन उसका पता नहीं चल सका। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस स्टेशन बिलावर में एक मामला एफआईआर 33/2025 यू/एस 137 (2) बीएनएस पंजीकृत किया गया वहीं प्रभारी पुलिस पोस्ट रामकोट पीएसआई रणबीर सिंह के नेतृत्व में एक पुलिस टीम ने तकनीकी विश्लेषण के साथ कठिन प्रयासों के बाद पुलिस पोस्ट रामकोट के अधिकार क्षेत्र से बरामद करने में सफलता हासिल की है और सभी कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद उसे उसके कानूनी उत्तराधिकारियों को सौंप दिया है।

अखनूर बस स्टैंड पर पैसेंजर शेड का नवीनीकरण, विधायक ने किया लोकार्पण

अखनूर, 16 मार्च (हि.स.)। अखनूर बस स्टैंड पर वर्षों से खस्ता हाल में पड़े पैसेंजर शेड का नवीनीकरण कर आज विधायक मोहन लाल भगत ने इसका लोकार्पण किया। इस कार्य का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना है जिससे बस स्टैंड पर सफर करने वाले लोगों को अब आरामदायक इंतजार स्थल उपलब्ध होगा। इस परियोजना के तहत शेड का निर्माण, चबूतरे का नवीनीकरण, फुटपाथ की मरम्मत और अन्य संबद्ध कार्यों को अंजाम दिया गया जिसकी कुल लागत 9.52 लाख रुपये रही। इस विकास कार्य को जिला कैपेक्स योजना के तहत नगर समिति अखनूर द्वारा संपन्न किया गया। लोकार्पण समारोह के दौरान विधायक मोहन लाल भगत के साथ नगर समिति अखनूर के कार्यकारी अधिकारी ताहिर हाफिज (जेकेएएस) विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त इस मौके पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष दीपेश सिंह, संजय सराफ, पूर्व पार्षद राकेश मल्होत्रा, कर्ण सिंह, नीरज शर्मा, गौरव सिंह, अशोक लंगर, रंजीत रोहमेत्रा, लाल चंद समेत कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। इस अवसर पर विधायक मोहन लाल भगत ने कहा कि अखनूर विधानसभा क्षेत्र में चौमुखी विकास किया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे विधानसभा में स्थानीय मुद्दों को जोर-शोर से उठा रहे हैं। उन्होंने बताया कि चिनाब नदी के तटीकरण, मिनी सचिवालय के अधूरे कार्य, उपजिला अस्पताल की पुरानी इमारत के पुन: संचालन जैसे अहम मुद्दों को प्रमुखता से विधानसभा में उठाया गया है और इनका जल्द समाधान करवाने के लिए प्रयासरत हैं।

चुनावों को लेकर पुंछ में सर्वदलीय बैठक आयोजित

जम्मू,, 16 मार्च (हि.स.)। भारत के चुनाव आयोग के निर्देश पर सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की एक बैठक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी कदीर उल रहमान जेकेएएस सहायक आयुक्त राजस्व पुंछ के कार्यालय में हुई। बैठक का उद्देश्य इस बात पर चर्चा करना था कि चुनाव प्रक्रिया को और अधिक कुशल और त्रुटि मुक्त बनाने के लिए और क्या सुधार संभव हैं। एक विस्तृत चर्चा हुई जिसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने मतदाता सूची में नामों को सही करने, जोड़ने, हटाने, स्थानान्तरण और बाड़ के पार मतदान केंद्रों से संबंधित मुद्दों के बारे में सुझाव दिए।

प्रतिनिधियों ने संसदीय चुनाव के दौरान एआरओ और विधानसभा चुनाव के दौरान रिटर्निंग अधिकारी के रूप में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए एसीआर पुंछ का धन्यवाद किया। सुझावों को आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए जिला चुनाव अधिकारी श्री विकास कुंडल आईएएस को प्रस्तुत किया जाएगा। चुनाव आयोग ने लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए ऐसी बैठकें आयोजित करने का निर्देश दिया है।

कलर्स ऑफ़ स्पेक्ट्रम डीआरएस किड्स ने मनाया 15वां वार्षिक दिवस

जम्मू, 16 मार्च (हि.स.)। डीआरएस किड्स (प्री प्राइमरी), सैपलिंग्स इंटरनेशनल स्कूल (प्राइमरी) ने अपना 15वां वार्षिक दिवस बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया। इस वर्ष वार्षिक दिवस का विषय परवाह एक एहसास था जो किसी ऐसे व्यक्ति के प्रति अपने दयालु सार को दर्शाता है जिसे आप खुश और संतुष्ट देखना चाहते हैं। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। डॉ. जहीर अहमद, निदेशक सीएसआईआर, आईआईआईएम ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्य किया और डॉ. अरविंद केरवानी (जेकेएएस), आयुक्त राहत और पुनर्वास (जेएंडके) को मुख्य अतिथि के रूप में चुना गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित करने के साथ हुई जिसके बाद मुख्य अतिथि के साथ चेयरपर्सन मैडम रूपम कौर सोनी, प्रबंध निदेशक श्री अजीत सिंह सोनी, सम्मानित केंद्र प्रमुख, शाखा प्रमुख और अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कुलगाम में रेडीमेड गारमेंट्स की दुकान में लगी आग

जम्मू,, 16 मार्च (हि.स.)। कुलगाम के मुख्य शहर जियारत गली में स्थित एक रेडीमेड गारमेंट्स की दुकान में भीषण आग लग गई जिससे संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, आग तेजी से पूरे परिसर में फैल गई जिससे अग्निशमन दल के पूरी तरह से काबू पाने से पहले ही कपड़ों के स्टॉक का एक बड़ा हिस्सा जलकर खाक हो गया।

कुलगाम फायर स्टेशन से दमकल गाड़ियों को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया और लगभग 30 मिनट के बाद आग पर काबू पाया गया। उनकी त्वरित प्रतिक्रिया के बावजूद आग की तीव्रता के कारण व्यवसायी को काफी नुकसान हुआ।

आग के कारणों का पता लगाने के लिए फिलहाल प्रारंभिक जांच चल रही है अधिकारियों का मानना है कि आग लगने का कारण बिजली की खराबी हो सकती है। जांच आगे बढ़ने पर आगे की जानकारी दी जाएगी।

जिला प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि प्रभावित व्यवसाय को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी, और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं

गांव कुलिया में स्थापित हुए बल्क मिल्क कूलर (बीएमसी) प्लांट का उद्घाटन

आरएस पुरा, 16 मार्च (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर दुग्ध सहकारी लि. (जेकेएमपीसीएल) जम्मू कश्मीर की तरफ से आरएस पुरा के गांव कुलिया में बल्क मिल्क कूलर (बीएमसी) प्लांट स्थापित किया गया है जिसका उद्घाटन रविवार को जेकेएमपीसीएल के चेयरमैन अशोक कुमार अंगुराना की तरफ से किया गया जबकि इस मौके पर कोऑपरेटिव सोसाइटी की अतिरिक्त रजिस्टार तस्वीना शेख के साथ-साथ बोर्ड का डायरेक्टर भी उपस्थित रहे। इसके अलावा काफी संख्या कोऑपरेटिव सोसाइटीज से जुड़े हुए किसान एवं जेकेएमपीसीएल के सदस्य भी उपस्थित रहे। इस मौके पर किसानों को संबोधित करते हुए जेकेएमपीसीएल के चेयरमैन अशोक कुमार अंगुराना ने कहा कि जेकेएमपीसीएल की तरफ से आरएस पुरा क्षेत्र के गांव कुलिया में बल्क मिल्क कूलर (बीएमसी) स्थापित किया गया है और तीन बल्क मिल्क कूलर स्थापित होने से यहां पर 25 हजार लीटर दूध जमा हो सकेगा और लगभग क्षेत्र के सैकड़ों किसानों को इस प्लांट का फायदा मिलेगा और क्षेत्र की अलग-अलग समिति से जमा होने वाला दूध जहां पर जमा हो सकेगा।

उन्होंने बताया कि जेकेएमपीसीएल की तरफ से हर क्षेत्र में बल्क मिल्क कूलर प्लांट स्थापित करने का मकसद किसानों को लाभ देना है। उन्होंने कहा कि जेकेएमपीसीएल दूध उत्पादक किसानों को सही मूल्य दे रहा है और समय-समय पर किसानों के पशुओं के स्वास्थ्य की जांच करना तथा किसानों को पशुपालन के प्रति जागरूक करना भी उनकी संस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने बताया कि मौजूदा समय में उनके साथ 1600 के करीब समिति जुड़ी हुई हैं और दूध उत्पादक किसानों की संख्या लाखों में है।

आर्यन्स ग्रुप ऑफ कॉलेज में एडवांस मैटीरियल्स पर एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित 2 दिवसीय सम्मेलन का समापन

जम्मू, 16 मार्च (हि.स.)। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और आर्यन्स कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, राजपुरा, चंडीगढ़ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन एडवांस मैटीरियल्स, रेयर अर्थ एंड क्रिटिकल मिनरल्स पर एआईसीटीई-वाणी (वाइब्रेंट एडवोकेसी फॉर एडवांसमेंट एंड नर्चरिंग ऑफ इंडियन लैंग्वेजेज) योजना के तहत उर्दू और अंग्रेजी भाषाओं में संपन्न हुआ। 12 सेमिनार आयोजित किए गए और उनका समापन हुआ।

आर्यन्स कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. जेके सैनी ने इस सम्मेलन के महत्व पर सभी को संबोधित किया। उद्घाटन और समापन सहित 12 सत्रों को डॉ. नवदीप पाराशर, शिवानी, एसवीआईईटी, बनूर, डॉ. गौरव, डॉ. आरिफ, सीजीसी लांडरां और झंझेरी, डॉ. वरिंदर सिंह, गुलजार ग्रुप सहित विभिन्न प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने संबोधित किया। इस सम्मेलन में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से लगभग 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

सत्र विभिन्न विषयों पर केंद्रित थे। यह निष्कर्ष निकाला गया कि उन्नत सामग्री, महत्वपूर्ण खनिज और धातु ऐसे महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं जिनमें देश की अर्थव्यवस्था को बदलने की क्षमता है और इसलिए विशेष रूप से सामग्रियों में हमारी अपनी आपूर्ति श्रृंखला बनाना महत्वपूर्ण है।

बिलावर में ट्रैक्टर पलटने से महिला की मौत, पति घायल

जम्मू,, 16 मार्च (हि.स.)। बिलावर में ट्रैक्टर पलटने से महिला की मौत हो गई जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना उज्जपुल बिलावर में हुई।

अधिकारी ने मृतक महिला की पहचान रेवा देवी और उसके पति की पहचान संजय कुमार निवासी गुडुफलाल के रूप में की।

घटना की पुष्टि करते हुए एक पुलिस अधिकारी ने कश्मीर बुलेटिन को बताया कि उन्होंने आगे की जांच के लिए मामले का संज्ञान लिया है।

उड़ता पंजाब की राह पर कठुआ, नशे से एक और युवक की गई जान, मृतक की नहीं हुई पहचान

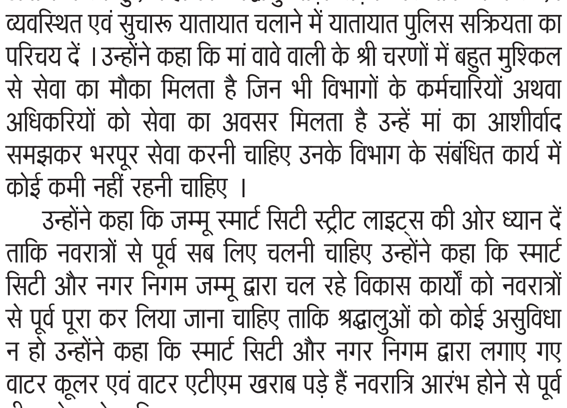

कठुआ 16 मार्च (हि.स.)। कठुआ जिला भी उड़ता पंजाब की तर्ज पर जा रहा है आए दिन नशे से युवाओं की मौत हो रही है, लेकिन इसके लिए कोई भी संबंधित विभाग जिम्मेदारी तय नहीं कर रहा है। यहीं नहीं नशे की लत में फंसे युवा अपराध की और भी अग्रसर है। अपने नशे को पूरा करने के लिए चोरियां, डकैती, चैन स्नैचिंग जैसी कई वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

ताजा मामला कठुआ के लखनपुर थाना क्षेत्र के अधीन पड़ते मगर खड का है जहां पर एक युवक खड के बीच मृत पाया गया। मृतक के आसपास इंजेक्शन, लाइटर, फोइल पेपर जैसे कई बुरे तत्व पाए गए हैं। जो नशे के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद लखनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया और जीएमसी कठुआ के शवग्रह में स्थानांतरित कर दिया। अभी तक युवक की पहचान नहीं हो पाई है। वही कठुआ पुलिस ने अपील की है कि अगर कोई भी व्यक्ति मृतक को पहचानता है तो लखनपुर थाना से संपर्क करें।

कठुआ में विश्व हिंदू परिषद की दो दिवसीय अर्धवार्षिक बैठक संपन्न

कठुआ 16 मार्च (हि.स.)। विश्व हिंदू परिषद की दो दिवसीय अर्धवार्षिक बैठक रविवार को कठुआ श्री रघुनाथ मंदिर में संपन्न हुई। 2 दिन चली अर्धवार्षिक बैठक में विश्व हिंदू परिषद के सभी 20 जिलों के सभी आयामों के प्रमुख उपस्थित रहें।

विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय महामन्त्री बजरंग लाल बांगडा, उत्तर क्षेत्र संगठन मंत्री मुकेश विनायक जी, विश्व हिंदू परिषद के प्रांत अध्यक्ष राजेश गुप्ता, विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री अभिषेक गुप्ता ने विधिवत धंग से 1दीप प्रज्वलित कर बैठक का शुभारम्भ किया। दो दिन चली बैठक में वीएचपी द्वार किये जाने वाले कार्यों की समीक्षा की गई और अगामी कार्यों की जानकारी दी गई। पत्रकारों को संबोधित करते हुए विहिप महामन्त्री बजरंग लाल बांगड़ा ने कहा कि जब से जम्मू कश्मीर में नई सरकार बनी है तब से हिंदुओं को अपहरण कर मारा जा रहा है जिसकी विश्व हिंदू परिषद कड़ी आलोचना करती है। उन्होंने कहा कि देश में कुछ राज्यों की सरकारें मंदिरों की संपत्ति पर नजर गड़ाएं हुए हैं जिसका विश्व हिंदू परिषद कड़ा विरोध करती है, देश के सभी मंदिरों की संपत्ति मंदिरों के अधिकार में ही होनी चाहिए। श्री रघुनाथ मंदिर कठुआ में हुई बैठक की व्यवस्था कठुआ के जिला मंत्री रमेश भारती और उनके कार्यकर्ताओं द्वारा की गई थी। इस अवसर पर शक्ति दत्त शर्मा, निशु गुप्ता, करण सिंह, स्वर्ण सिंह, अशोक सिंह, सुषमा शर्मा, शीतल दत्ता, वीणा देवी, और सभी जिलों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रति किया जागरूक

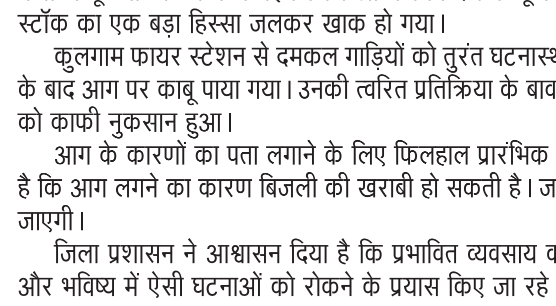

कठुआ 16 मार्च (हि.स.)। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के पंजीकृत विक्रेता श्री साई ट्रेडिंग कंपनी ने जम्मू-कश्मीर के जिला कठुआ में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और सरकारी योजनाओं के तहत पीएमएसजीएमबीवाई अपनाने को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया।

जिले में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना (पीएमएसजीएमबीवाई) के प्रति जागरूक करते हुए श्री साई ट्रेडिंग कंपनी ने 3 किलोवाट तक बिजली खपत वाले मध्यम वर्ग के परिवारों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने इस योजना के तहत सौर ऊर्जा इकाइयों पर आकर्षक 60 प्रतिशत सब्सिडी पर प्रकाश डाला, जो उपभोक्ताओं के एक बड़े वर्ग के लिए पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता को काफी कम करता है। उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ता को सबसे पहले ऑनलाइन या ऑफलाइन सूर्य पोर्टल के माध्यम से पंजिकृत करना होगा जिसके बाद एक महीने के भीतर प्रोजेक्ट स्थापित किया जाएगा। जिसकी कंपनी दस साल की वारंटी देती है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सौर ऊर्जा प्रणालियों को व्यापक रूप से अपनाने से जिले के बिजली बुनियादी ढांचे को काफी बढ़ावा मिलेगा। इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता शिविर आयोजित कर जनता को पीएमएसजीएमबीवाई के तहत सौर ऊर्जा के लाभों के बारे में शिक्षित किया जा रहा है।

संपादकीय

विषाक्त व्यवहार स्वास्थ्य को खतरे में डालते हैं

यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि पोषण की पूर्ति सुनिश्चित करने और विटामिन की कमी को दूर करने के लिए फल और सब्ज़ियाँ खरीदने वाले लोग अक्सर उन्हें खाने के बाद कई तरह की बीमारियों से पीड़ित होते हैं। इस खतरनाक प्रवृत्ति के पीछे इन आवश्यक वस्तुओं की खराब गुणवत्ता है। जबकि लोग अपनी सेहत को बेहतर बनाने के लिए ताज़ी और स्वस्थ उपज की उम्मीद करते हैं, वास्तविकता यह है कि बाज़ार में कई फल और सब्ज़ियाँ सुरक्षित नहीं हैं। कृत्रिम रूप से पकाने, रासायनिक पॉलिशिंग और अत्यधिक कीटनाशकों के उपयोग जैसी बेईमान प्रथाओं ने आपूर्ति श्रृंखला में घुसपैठ कर ली है, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य को गंभीर खतरा है।

प्रिंट, सोशल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में, कई रिपोर्टें फलों और सब्जियों की दिखावट को बेहतर बनाने और उनकी शेल्फ़ लाइफ़ बढ़ाने के लिए खतरनाक रसायनों के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल को उजागर करती हैं। केले और अन्य मौसमी फलों से भरे बाज़ारों के साथ, विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि कृत्रिम रूप से पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड- एक अत्यधिक खतरनाक रसायन- का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। यह अभ्यास न केवल अप्राकृतिक रूप से पकने को तेज़ करता है बल्कि हानिकारक अवशेषों को भी शामिल करता है जो श्वसन संबंधी समस्याओं, तंत्रिका संबंधी विकारों और यहाँ तक कि कैंसर सहित गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं का कारण बन सकता है। यह खतरा पकाने वाले पदार्थों से कहीं आगे तक फैला हुआ है, क्योंकि कई विक्रेता फलों और सब्जियों को ताजा और चमकदार दिखाने के लिए सिंथेटिक मोम और रासायनिक स्प्रे का उपयोग करते हैं, जिससे स्वास्थ्य संबंधी जोखिम और बढ़ जाते हैं।

केंद्र शासित प्रदेश में भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) की कई इकाइयाँ मौजूद होने के बावजूद, ये कुप्रथाएँ अनियंत्रित रूप से जारी हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत एक वैधानिक निकाय, FSSAI को खाद्य पदार्थों के निर्माण, भंडारण, वितरण, बिक्री और आयात को विनियमित करके खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है। हालाँकि, एक विशाल और अनियमित बाजार में कड़े उपायों को लागू करना एक कठिन चुनौती बनी हुई है। कई अपंजीकृत विक्रेताओं और क्षेत्र में अपनी आजीविका कमाने वाले प्रवासी श्रमिकों सहित बड़ी संख्या में फल और सब्जी विक्रेता बिना किसी निगरानी के काम करते हैं। इससे अधिकारियों के लिए अवैध प्रथाओं की प्रभावी रूप से निगरानी और रोकथाम करना मुश्किल हो जाता है।

यह मुद्दा कीटनाशक संदूषण से और भी जटिल हो जाता है, जो एक और बढ़ती चिंता है जो उपभोक्ता स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। कई किसान और व्यापारी उपज बढ़ाने और खराब होने से बचाने के लिए अत्यधिक मात्रा में कीटनाशकों और रसायनों का उपयोग करते हैं, जिससे उपज पर जहरीले अवशेष रह जाते हैं। यह जोखिम विशेष रूप से उन मामलों में अधिक होता है, जहां उपभोक्ता खाने से पहले फलों और सब्जियों को ठीक से नहीं धोते हैं। इन चुनौतियों को देखते हुए, स्वास्थ्य की सुरक्षा में व्यक्तिगत सावधानी महत्वपूर्ण हो जाती है।

FSSAI ने बार-बार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खाद्य सुरक्षा विभागों को सतर्क रहने और खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। हालाँकि, केवल नियामक कार्रवाई से समस्या का समाधान नहीं हो सकता। उपभोक्ताओं को विश्वसनीय विक्रेताओं से उपज खरीदकर, फलों और सब्जियों को अच्छी तरह धोकर और रासायनिक रूप से उपचारित भोजन के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाकर सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

अच्छे स्वास्थ्य को सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। लोगों को सतर्क रहना चाहिए और जो वे खाते हैं उसकी गुणवत्ता से समझौता करने से मना करना चाहिए। सतर्कता स्वास्थ्य संबंधी खतरों को रोकने की कुंजी है, और इस मुद्दे पर लापरवाही न तो उचित है और न ही स्वीकार्य है।

क्या महिला किसानों तक पहुँच रही है तकनीक

–प्रियंका सौरभ

डिजिटल तकनीक और छोटे-मोटे हस्तक्षेपों ने भारतीय कृषि में महिलाओं के लिए परिदृश्य को काफ़ी हद तक बदल दिया है। इन नवाचारों ने महिला किसानों को भूमि स्वामित्व, बाज़ार तक पहुँच, वित्तीय समावेशन और ज्ञान के आदान-प्रदान से सम्बंधित पारंपरिक बाधाओं को तोड़ने में सक्षम बनाया है। डिजिटल उपकरण कृषि में महिलाओं को सशक्त बना रहे हैं। एप्लिकेशन और हेल्पलाइन वास्तविक समय के मौसम पूर्वानुमान, इष्टतम कृषि तकनीक और वर्तमान बाज़ार मूल्य प्रदान करते हैं। किसान सुविधा, पूसा कृषि और इफको किसान ऐप जैसे संसाधन महिला किसानों को अच्छी तरह से सूचित विकल्प बनाने में सहायता करते हैं। व्हाट्सएप ग्रुप और यूट्यूब ट्यूटोरियल सहकर्मी सीखने और ज्ञान के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करते हैं। यूपीआई, डिजिटल वॉलेट और ऑनलाइन बैंकिंग सहित डिजिटल भुगतान प्रणाली महिलाओं को सीधे ऋण और सब्सिडी सुरक्षित करने में सक्षम बनाती है। किसान क्रेडिट कार्ड और डिजिटल माइक्रोफ़ाइनेंस प्लेटफ़ॉर्म जैसे कि पेटीएम और नाबार्ड के ई-शक्ति, महिलाओं के नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। ई-एनएएम (राष्ट्रीय कृषि बाजार) और एग्रीबाज़ार जैसे प्लेटफ़ॉर्म महिला किसानों को अपने उत्पाद सीधे उपभोक्ताओं को बेचने की अनुमति देते हैं, जिससे बिचौलियों की ज़रूरत नहीं पड़ती।

महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियाँ अपने जैविक कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए फ़ेसबुक और इंस्टाग्राम का उपयोग कर रही हैं। एआई तकनीकें मिट्टी के स्वास्थ्य, कीटों का पता लगाने और सटीक खेती की तकनीकों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करती हैं। उन्नत सिंचाई प्रणाली और सौर ऊर्जा से चलने वाले पंप पानी के उपयोग को कम करने और महिला किसानों के शारीरिक कार्यभार को कम करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को समूह ऋण, प्रशिक्षण और कृषि संसाधनों तक पहुँच से लाभ होता है। तेलंगाना में डेक्कन डेवलपमेंट सोसाइटी इन महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियों के माध्यम से बाजरा की खेती का समर्थन करती है। महिलाओं पर बोझ कम करने में मदद करने के लिए बीज बोने वाले, हाथ से चलने वाले ट्रैक्टर और सोलर ड्रायर जैसे सरल कृषि उपकरण उपलब्ध हैं। सरकारी पहल मशीनीकृत उपकरणों के लिए सब्सिडी प्रदान करती है, जो महिलाओं के लिए फायदेमंद है। महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना जैसे एनजीओ और सरकारी कार्यक्रम आवश्यक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। डिजिटल साक्षरता पहल महिला किसानों को नए तकनीकी समाधानों को अपनाने के लिए सशक्त बनाती है। महिलाएँ जैविक खेती, पर्माकल्चर और जलवायु-स्मार्ट कृषि पद्धतियों में तेज़ी से शामिल हो रही हैं। वर्मीकम्पोस्टिंग पिट, छत पर बगीचे और कृषि वानिकी जैसे छोटे पैमाने के हस्तक्षेप स्थायी आय में योगदान करते हैं। टाटा ट्रस्ट्स द्वारा लखपति किसान पहल ने झारखंड में आदिवासी महिलाओं को कृषि प्रौद्योगिकी और ई-कॉमर्स में प्रशिक्षित किया है। डिजिटल ग्रीन पहल ग्रामीण महिलाओं को बेहतर खेती के तरीकों के बारे में शिक्षित करने के लिए वीडियो का उपयोग करती है। वाग्धारा जैसे किसान उत्पादन संगठन (एफपीओ) महिलाओं को सामूहिक रूप से बेहतर कीमतों पर बातचीत करने में सहायता करते हैं।

आज की दुनिया में, डिजिटल तकनीक और छोटे-छोटे हस्तक्षेप कृषि में महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। परंपरागत रूप से, महिलाओं को निराई, थ्रेसिंग और डी-हल्किंग जैसे श्रम-गहन और समय लेने वाले काम सौंपे जाते रहे हैं। हालाँकि, मशीनीकरण उनके कार्यभार को हल्का करने में मदद करता है, जिससे उन्हें अधिक मूल्यवान कृषि गतिविधियों में संलग्न होने की अनुमति मिलती है। मोबाइल ऐप, हेल्पलाइन और सलाहकार सेवाओं सहित डिजिटल उपकरण महिलाओं को अप-टू-डेट बाज़ार और मौसम की जानकारी प्रदान करते हैं, जो बेहतर फ़सल योजना और संसाधन प्रबंधन में सहायता करता है। कई महिलाओं को ऋण और वित्तीय संसाधनों तक पहुँचने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो आधुनिक कृषि तकनीकों में निवेश करने की उनकी क्षमता को सीमित करता है। सौभाग्य से, डिजिटल भुगतान प्रणाली और ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म मछली विक्रेताओं और किसानों जैसी महिलाओं को स्वतंत्र रूप से लेन-देन करने में सक्षम बनाते हैं, जिससे बिचौलियों पर उनकी निर्भरता कम होती है। महिलाओं को कृषि मशीनरी चलाने के कौशल से लैस करके, ये छोटे-छोटे हस्तक्षेप उन्हें लैंगिक पूर्वाग्रहों को चुनौती देते हैं और महिलाओं को खेती में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाते हैं। सूचना और प्रौद्योगिकी तक पहुँच महिलाओं की पारंपरिक बाधाओं को दूर करने और अपनी स्वतंत्रता का दावा करने की क्षमता को बढ़ाती है।

ग्रामीण क्षेत्रों में कई महिलाएँ डिजिटल साक्षरता से जूझती हैं, जो मोबाइल एप्लिकेशन और ऑनलाइन सेवाओं का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की उनकी क्षमता में बाधा डालती है। स्मार्टफ़ोन तक सीमित पहुँच और अविश्वसनीय इंटरनेट कनेक्शन से स्थिति और भी खराब हो गई है। सामाजिक मानदंड निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी को प्रतिबंधित करना जारी रखते हैं। घरेलू स्तर पर निवेश अक्सर उन तकनीकों पर केंद्रित होता है जो मुख्य रूप से पुरुषों को लाभ पहुँचाती हैं, महिलाओं की अनूठी ज़रूरतों की उपेक्षा करती हैं। इसके अतिरिक्त, सरकारी नीतियाँ और कृषि विस्तार सेवाएँ अक्सर लिंग-विशिष्ट मुद्दों को अनदेखा करती हैं। केवल 13% ग्रामीण महिलाओं के पास ज़मीन है, इसलिए ऋण और कृषि कार्यक्रमों तक उनकी पहुँच बहुत सीमित है। कृषि और मत्स्य पालन में मशीनीकरण के बढ़ने से महिलाओं की नौकरियाँ चली गई हैं, जिससे उन्हें अधिक अस्थिर और अनौपचारिक रोज़गार में जाना पड़ रहा है। मछली बाज़ारों में बड़े खरीदारों और निर्यात व्यापारियों के बढ़ते प्रभुत्व ने छोटे पैमाने की महिला विक्रेताओं को हाशिये पर धकेल दिया है, जिससे मछली की आपूर्ति और उचित मूल्य तक उनकी पहुँच सीमित हो गई है। हालाँकि मोबाइल एप्लिकेशन, ऑनलाइन मार्केटप्लेस और डिजिटल भुगतान प्रणाली नए अवसर प्रदान करती हैं, फिर भी कई ग्रामीण महिलाओं को स्मार्टफ़ोन, इंटरनेट एक्सेस और डिजिटल कौशल की कमी के कारण बाधाओं का सामना करना पड़ता है। रिपोर्ट से पता चला है कि भारत में सिर्फ़ 31% ग्रामीण महिलाओं के पास स्मार्टफ़ोन हैं, जबकि पुरुषों के लिए यह आँकड़ा 51% है। इस अंतर को पाटने के लिए, सरकार की पहल महिला किसानों के लिए स्मार्टफ़ोन के लिए सब्सिडी दे सकती है।

इसके अतिरिक्त, स्वयं सहायता समूहों में डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण को शामिल करना महत्वपूर्ण है। आपको क्या लगता है कि महिलाओं की तकनीक तक पहुँच को सीमित करने में किसका ज्यादा प्रभाव पड़ता है- वित्तीय बाधाएँ या सामाजिक मानदंड? सोलर पंप, डिजिटल भुगतान प्रणाली और माइक्रोलोन जैसे छोटे पैमाने के समाधान तत्काल, उल्लेखनीय सुधार ला सकते हैं। दूसरी ओर, भूमि अधिकार और कृषि तकनीक को अपनाने जैसे व्यापक सुधारों के लिए नीतिगत बदलावों की आवश्यकता होगी और इसमें अधिक समय लगेगा। ओडिशा में, मिशन शक्ति पहल ने हज़ारों महिलाओं को वित्तीय साक्षरता और डिजिटल लेन-देन में सफलतापूर्वक शिक्षित किया है। हालाँकि, ई-एनएएम प्लेटफ़ॉर्म, जो भारत का डिजिटल कृषि बाज़ार है, अभी भी भूमि स्वामित्व चुनौतियों के कारण कम महिला भागीदारी से जूझ रहा है। आपको कौन-सी रणनीति महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए अधिक प्रभावी लगती है- लक्षित, छोटे पैमाने के हस्तक्षेप या व्यापक प्रणालीगत सुधार? महिलाओं के नेतृत्व वाली कई एग्रीटेक स्टार्टअप इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति कर रही हैं। उदाहरण के लिए, अपूर्वा बी. के. द्वारा स्थापित कमल किसान छोटे पैमाने के किसानों के लिए किफायती कृषि उपकरण प्रदान करता है, जबकि फ़ार्मिज़ेन जैविक फ़ार्म-टू-टेबल मॉडल के माध्यम से महिला किसानों को सीधे शहरी उपभोक्ताओं से जोड़ता है। क्या सरकार को महिलाओं के नेतृत्व वाली एग्रीटेक उपक्रमों के लिए समर्पित निधि प्रदान करने पर विचार करना चाहिए?

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

डॉ. हेडगेवार: एक आत्म-जागृत व्यक्तित्व

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

यदि हम पिछले चार दशकों में भारत और दुनिया भर में सामाजिक-राजनीतिक और धार्मिक स्थिति का अध्ययन करते हैं और डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार की दृष्टि, मिशन और विचारधारा का ईमानदारी से विश्लेषण करते हैं तो हम वास्तव में धन्य महसूस करते हैं। 100 साल पहले, जब भारतीयों ने एक औपनिवेशिक मानसिकता विकसित की थी, जो उनकी अपनी संस्कृति और धर्म को कमजोर कर रही थी, एक स्पष्ट भविष्यवादी सोच वाले ऐसे महान व्यक्तित्व का हमें आशीर्वाद मिला। उस समय, कई बुद्धिजीवियों ने हिंदुओं को एकजुट करने और प्रत्येक व्यक्ति के धार्मिक और राष्ट्रीय चरित्र को विकसित करने की विचारधारा के लिए डॉ. हेडगेवार का मजाक उड़ाया। कल्पना कीजिए कि इस महान राष्ट्र का क्या होता अगर डॉक्टर जी का संगठन और बाद में डॉ. हेडगेवार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बाद के सरसंघचालक से प्रेरित कई संस्थान और संगठन विभिन्न क्षेत्रों और विभाजित समाज के सभी वर्गों में काम करना शुरू नहीं करते। वामपंथी-इस्लामी-मिशनरी तिकड़ी ने डीप स्टेट वैश्विक बाजार शक्तियों के समर्थन से इस राष्ट्र को टुकड़ों में तोड़ दिया होता तथा इसे सबसे गरीब राज्य और समाज बना दिया होता, जो अपनी जड़ों को भूल गया है और इस्लामी तथा ईसाई जड़ों को पूरी तरह से आत्मसात कर लिया है।

मैं ऐसा क्यों कह रहा हूँ? इस तथ्य के बावजूद कि कई संस्थान और संगठन डॉक्टर हेडगेवार की विचारधारा से प्रेरित हैं, हम अभी भी देख रहे हैं कि कैसे वामपंथी-इस्लामी-मिशनरियों का एक समूह हिंदुओं को विभाजित करके और इस्लाम और ईसाई धर्म के पक्ष में विचारधाराओं को बढ़ावा देकर इस देश को कमजोर करने का प्रयास कर रहा है। वे कुछ हद तक प्रभावी रहे हैं लेकिन पूरी तरह से नहीं, डॉ. हेडगेवार के दृष्टिकोण और मिशन के परिणामस्वरूप, जिसे लाखों स्वयंसेवकों, कई संस्थानों और संगठनों द्वारा जोरदार तरीके से आगे बढ़ाया गया है। स्वतंत्रता के बाद, राजनीतिक व्यवस्था को वामपंथी-इस्लामी-मिशनरी ताकतों ने हाईजैक कर लिया, जिससे उनके लिए कुछ भी करना आसान हो गया। हालांकि, दशकों से बनी मजबूत जमीनी ताकत और डॉ. हेडगेवार से प्रेरित होकर हर समय उनकी भारत विरोधी योजनाओं का समय समय पर पुरजोर विरोध किया। डॉक्टर हेडगेवार की विचारधारा किसी धर्म को नष्ट करने की नहीं, बल्कि हिंदुओं को एकजुट करने की है, जिससे समाज और राष्ट्र मजबूत हो। उन्होंने महसूस किया कि अधिकांश लोग महान भारतीय संस्कृति के मूल को भूल गए हैं, गुलाम मानसिकता पैदा कर रहे हैं और अपनी लड़ाई की भावना खो रहे हैं। लोग राष्ट्रीय चरित्र बनाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तैयार नहीं हैं। समाज को मुख्य रूप से जाति के आधार पर लड़ने के लिए ढाला गया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि कोई भी कभी भी ब्रिटिश और मुगल शासन का विरोध करने के लिए एक साथ नहीं आते हैं। महान वेदों, उपनिषदों और भारतीय सभ्यता के खिलाफ दिमाग में जहर भर गया था। लोग छत्रपति शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप और स्वामी विवेकानंद जैसे महान योद्धाओं और संतों को भूल गए थे। वे भगवद गीता और चाणक्य नीति के गहन ज्ञान को भूल गए थे।सबसे महत्वपूर्ण अहसास शत्रुबोध था, जिसका मतलब था कि लोगों ने यह भेद करने की क्षमता खो दी थी कि कौन उनका मित्र है और कौन उन्हें नष्ट करने का प्रयास कर रहा है। इसके परिणामस्वरूप जनता और उनके नेताओं के बीच काफी दरार पैदा हो गई थी। इसके परिणामस्वरूप विभिन्न समूहों के लिए अतिरिक्त शत्रु पैदा हो गए थे, साथ ही अनावश्यक बहस भी होती थी। इससे समाज के ताने-बाने को और सनातन धर्म को नुकसान पहुंचा है। इस्लाम और ईसाई धर्म में धर्मांतरण बढ़ा है।

इन सभी अनुभूतियों ने डॉ. हेडगेवार को अपने विचारों का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित किया। भारत की सामाजिक, आर्थिक और आध्यात्मिक महानता को पुनर्स्थापित करने के लिए, बहुआयामी दृष्टिकोण वाले जमीनी स्तर के कार्यबल की आवश्यकता थी, ताकि हमारा राष्ट्र इतना मजबूत हो कि कोई भी इस पर फिर से आक्रमण करने की हिम्मत न करे। अपने वास्तविक जीवन के अनुभवों के आधार पर, उन्होंने हिंदू समाज के पुनर्निर्माण के लिए सभी को एकजुट करने और एक शक्ति, एक संगठन बनाने के महत्व को समझा। इस तरह के विचार को ध्यान में रखते हुए, उन्होंने 1925 में विजयादशमी के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। राष्ट्रीय उत्थान के लक्ष्य के प्रति उनका निरवार्थ समर्पण इस तथ्य में देखा जा सकता है कि आरएसएस के गठन, विकास और प्रभाव के पीछे प्रेरणा होने के बावजूद, वे हमेशा सुर्खियों में आने के लिए तैयार नहीं थे। इस प्रकार वे एक उदाहरण बन गए कि एक व्यक्ति को स्वार्थ और महत्वाकांक्षा को त्यागते हुए सार्वजनिक रूप से कैसे व्यवहार करना चाहिए। डॉ. हेडगेवार को लोगों, समाज या राष्ट्र के लिए जो भी काम करते थे, उसका श्रेय लेने की कोई इच्छा नहीं थी। एक क्रांतिकारी के रूप में उन्हें जमीन से काम करने की शिक्षा दी गई थी और उन्होंने इस आदर्शवाद को अपने व्यक्तित्व के अनिवार्य हिस्से के रूप में आत्मसात कर लिया था। संघ की स्थापना के एक दशक बाद भी मध्य प्रांत सरकार का मानना था कि हिंदू महासभा के नेता और डॉ. हेडगेवार के निकट सहयोगी डॉ. बीएस मुंजे ही आरएसएस के सच्चे संस्थापक थे। अपने जीवनकाल में उन्होंने अपनी जीवनी के निर्माण को सक्रिय रूप से हतोत्साहित किया। डॉ. हेडगेवार ने दामोदर पंत भाफ के बार-बार अनुरोध के बावजूद संघ और उनके प्रति सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया- आप मेरा जीवन विवरण प्रकाशित करना चाहते हैं, हालाँकि, मैं खुद को एक महान व्यक्ति नहीं मानता या मेरे जीवन की ऐसी महत्वपूर्ण घटनाएँ नहीं हैं जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता हो। संक्षेप में, मेरा जीवन असामान्य व्यक्तिगत जीवनियों से मेल नहीं खाता। इसलिए मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप इस कार्य को आगे न बढ़ाएँ। डॉ. हेडगेवार के बारे में पहली छोटी पुस्तिका उनकी मृत्यु के बाद ही प्रकाशित हो सकी। डॉ. हेडगेवार के भाषणों, प्रकाशनों और स्मरणों को मध्य प्रांत के समाचार पत्रों में व्यापक रूप से कवर किया गया। पूर्व शोध की कमी के कारण डॉ. हेडगेवार के जीवन के कई पहलू, जिनमें उनके सामाजिक और राजनीतिक विचार शामिल हैं, अज्ञात हैं।

इस महान दूरदर्शी को उनकी भविष्यदर्शी अंतर्दृष्टि और राष्ट्र निर्माण पहल के लिए कोटि कोटि प्रणाम।

बॉलीवुड के अनकहे किस्से: दक्षिण का हिंदी सिनेमा और प्राण

अजय कुमार शर्मा

बंबई के फिल्म उद्योग की अपेक्षा, दक्षिण के फिल्म उद्योग को हमेशा बहुत अधिक अनुशासित और बेहतर ढंग से संगठित माना जाता रहा है। 1940 के दशक के आखिरी वर्षों में, दक्षिण के फिल्म निर्माताओं ने हिंदी फिल्मों के राष्ट्रव्यापी बाजार को भुनाने के लिए हिंदी भाषा की फिल्मों के निर्माण में पहला बड़ा कदम उठाया। चालीस के दशक के अन्त तक पचास के दशक के शुरू में, इस दिशा में कदम बढ़ाने वाली दक्षिण की महान हस्तियों में, खासतौर पर, स्टूडियो के मालिक थे-जैमिनी स्टूडियो (मद्रास) के. एस. एस. वासन; ए. वी. एम स्टूडियो (मद्रास) के ए. वी. मैय्यप्पन चेट्टियार; पक्षीराजा स्टूडियो (कोयम्बटूर) के एस. एम. एस. नायडू, वीनस के कृष्णमूर्ति और बहुत बाद में, 1967 में, विजया वाहिनी स्टूडियो (मद्रास) के बी. नागि रेड्डी ने इस दिशा में अपना सफर शुरू किया। सही मायने में दक्षिण से बनने वाली पहली हिंदी फिल्म, 1948 में प्रदर्शित, एस. एस. वासन की फिल्म चन्द्रलेखा थी। इस फिल्म की सफलता को देखकर दक्षिण के सभी बड़े निर्माता बंबई के बड़े सितारों को लेकर फिल्म बनाने के लिए टूट पड़े। बंबई फिल्म उद्योग के कलाकार भी इनके अधिक पैसों के प्रस्तावों को स्वीकारने में रुचि दिखाने लगे। जल्द ही पचास के दशक के पर्दे पर दिखने वाले और पर्दे के पीछे काम करने वाले हर बड़े सितारे ने बंबई की बजाए मद्रास में ज्यादा समय बिताना शुरू कर दिया। उस समय दक्षिण की फिल्मों में काम करने वाले बंबई के प्रमुख सितारे थे- अशोक कुमार, दिलीप कुमार, राजेन्द्र कुमार, सुनील दत्त, ओम प्रकाश, निरूपा राय, नूतन, वहीदा रहमान, माला सिन्हा, धर्मेन्द्र, किशोर कुमार, संजीव कुमार, जानी वॉकर, मुकरी और प्राण तथा संगीतकार सी. रामचन्द्र व चित्रगुप्त।

दक्षिण के निर्माताओं और बंबई के बड़े सितारों के आपसी सम्बन्धों के बारे में अनगिनत किस्से प्रचलित हैं। सबसे पहली बात, दक्षिण के निर्माता बंबई के सितारों से सीधे मोल-भाव नहीं करते थे। वे अपने प्रोडक्शन कंट्रोलरों की पूरी टीम रखते थे, जिनका काम होता था बंबई के कलाकारों को साइन करना। मोल-भाव करने में कभी कोई दिक्कत नहीं होती थी क्योंकि दक्षिण भारतीय निर्माताओं के प्रतिनिधि हर कलाकार की वर्तमान कीमत की पूरी जानकारी रखते थे और उन्हें उनकी सही कीमत और कभी-कभी कम कीमत पर भी साइन कर लेते थे क्योंकि ये बहुत जल्दी नकद पेमेंट दे देते थे। मद्रास के स्टूडियो मालिकों के कुछ प्रतिनिधियों के बंबई के सितारों से इतने अच्छे दोस्ताना संबंध बन गए कि आगे चलकर वे खुद भी फिल्म निर्माता बन गए।

दक्षिण भारतीय फिल्मों के लिए बंबई के सितारों में प्राण की सबसे अधिक मांग थी। अपनी, मद्रास की, पहली फिल्म बहार के बारे में बताते हुए प्राण ने अपनी आत्मकथा में लिखा है कि ए वी एम स्टूडियोज़ के मालिक ने एम. वी.रामन जो कि तमिल भाषा की कई सुपरहिट फिल्में बना चुके थे, उनके निर्देशन में बनने वाली पहली हिंदी फिल्म बहार के लिए साइन किया। ओमप्रकाश, करण दीवान, वैजयन्ती माला और गीतकार राजेन्द्र कृष्ण के लिए भी यह मद्रास में बनने वाली पहली हिंदी फिल्म थी। प्राण ने आगे लिखा है कि वहां के सभी लोग हमें पसन्द करते व हमारा आदर करते। हमें अच्छे पैसे दिए जाते और हमारी अच्छी खातिरदारी भी की जाती। इस तरह हमारा छोटा ग्रुप मद्रास में काफी लोकप्रिय हो गया। खासतौर पर ओम प्रकाश, राजेन्द्र कृष्ण, सी. रामचन्द्र मैं और कुछ और लोग।

मद्रास में पूरे आठ घंटे की शिफ्ट में काम करने का नियम था। किसी दर्शक को अन्दर आने की अनुमति नहीं होती थी। कोई भी सेट के आसपास मटरगश्ती अथवा सितारों से गप-शप नहीं कर सकता था। उनके लिए फिल्म निर्माण एक गम्भीर कार्य था, करोड़ों रुपयों का उद्योग था और इसके लिए वे पूरे आदर और निष्ठा से यह कार्य करते थे। दक्षिण में काम करने वाले कलाकारों के लिए सुबह ठीक नियत समय पर स्टूडियो की गाड़ी फाइव स्टार होटल के अहाते में उनके लिए पहुंच जाती। हर सितारे के लिए उनका प्रोडक्शन एग्ज़ीक्यूटिव पहले नीचे रिसेप्शन से उन्हें फोन करता, फिर ऊपर जाकर, उनके साथ कार तक चलकर उन्हें सम्मान से गाड़ी में बैठाता। वे ठीक समय पर स्टूडियो के लिए रवाना हो जाते और बिल्कुल तय समय पर वेषभूषा और मेकअप के साथ सेट पर पहुंच जाते। स्टूडियो के फ़्लोर के प्रवेश द्वार पर निर्माता स्वयं उनकी प्रतीक्षा करता हुआ मिलता तथा विनम्र अभिवादन के बाद उनके साथ सेट तक जाता। दिन के प्रथम शॉट के पूरा होने तक निर्माता वहीं रहता, फिर निर्देशक और अभिनेता को अपना काम करने के लिए सेट पर छोड़कर स्वयं अपना काम करने के लिए निकल जाता।

फिल्म बहार(1951) के प्रीमियर पर प्राण पहली बार अपनी पत्नी शुक्ला को भी ले जाना चाहते थे। उनकी पुरानी गाड़ी हिलमैन एक एक्सीडेंट में चकनाचूर हो गई तो उन्होंने तय किया कि वह अपनी पत्नी को एक और भी बड़ी गाड़ी में वहां ले जाएंगे। इसके लिए उन्होंने एक क्रिस्टल गाड़ी खरीदी और उसके लिए पांच हज़ार रुपए याद भी दिए। यह प्रीमियर उनके लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण था क्योंकि यह दक्षिण की उनकी पहली फिल्म थी और दूसरा यह है कि अपनी भूमिका के अनुसार भी वे वहां एक ऐसी गाड़ी में जाना चाहते थे जो किसी के पास न हो। बहार सारे भारत में सुपरहिट रही। उसके बाद प्राण ने वहां की कई फिल्में साइन की जो बाद में सुपर हिट रहीं। 1950 से 1955 तक प्राण ने दक्षिण की हर साल औसतन 6 फिल्में साइन कीं। शुरुआत में वे वहां अपना पंजाबी खाना मिस करते थे लेकिन कुछ समय बाद उनके छोटे भाई कृपाल का तबादला मद्रास हो गया तो केवल प्राण ही नहीं, दिलीप कुमार और मनोज कुमार भी उनके यहां नियमित खाना खाने पहुंचने लगे।

सीएसके ने आईपीएल के लिए चेन्नई मेट्रो, एमटीसी के साथ किया समझौता

एजेंसी

चेन्नई। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने आईपीएल 2025 के लिए चेन्नई मेट्रो रेल लिमिटेड (सीएमआरएल) और मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एमटीसी) के साथ विशेष साझेदारी की घोषणा की, ताकि टीम के घरेलू मैचों के दौरान प्रशंसकों की सुविधाओं में इजाफा किया जा सके। एमए चिदंबरम स्टेडियम, चेपक सीएमआरएल के साथ साझेदारी के जरिये मैच टिकट वाले प्रशंसक बिना किसी अतिरिक्त कीमत के मेट्रो रेल में यात्रा कर सकते हैं। क्रिकेट प्रेमियों को अब कतारों में इंतजार करने की जरूरत नहीं होगी, क्यूआर/बारकोड वाले मैच टिकट यात्रा टिकट के रूप में भी काम करेंगे। मैचों के बाद प्रशंसकों की सुरक्षित वापसी की सुविधा के लिए मेट्रो रेल सेवाओं को भी 90 मिनट तक बढ़ाया जाएगा। सीएसके के एमडी केएस विश्वनाथन ने कहा कि 2023 में इसी तरह की साझेदारी को अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी और हमें विश्वास है कि इस सीजन में भी चेन्नई सुपर किंग्स के कई प्रशंसक मेट्रो सेवाओं का उपयोग करते हुए दिखाई देंगे। हम प्रशंसकों को सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने और चेपॉक में सीएसके मैचों का आनंद लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स 23 मार्च को चेपॉक में सीज़न का पहला घरेलू मैच खेलेगी।

वेंकटेश अय्यर ने 23.75 करोड़ रुपये के प्रेशर पर कहा- बड़ी कीमत के दबाव को नकारा नहीं जा सकता

कोलकाता । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर ने माना कि आईपीएल 2025 से पहले उन पर बड़ी कीमत का दबाव है। पिछले साल की नीलामी में उन्हें 23.75 करोड़ रुपये में खरीदा गया था, जिससे वह आईपीएल इतिहास के तीसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए। अय्यर को टीम का उपकप्तान बनाया गया है, जबकि अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे इस सीजन में केकेआर की कप्तानी संभालेंगे। हाल ही में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में रहाणे, टीम के मेंटर ड्वेन ब्रावो, मुख्य कोच चंद्रकांत पंडित और अय्यर ने टूर्नामेंट की तैयारियों को लेकर अपने विचार साझा किए। अय्यर बड़ी कीमत में खरीदे गए थे। वह ब्रावो के साथ काम करने को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, ÷ब्रावो टी20 क्रिकेट के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक हैं। उनके पास अपार अनुभव है और अनुभव से बड़ी कोई चीज नहीं होती। उन्होंने वेस्टइंडीज और विभिन्न फ्रेंचाइजी के लिए कई मैच जिताए हैं। जब उनसे बड़ी कीमत के दबाव को लेकर सवाल किया गया, तो अय्यर ने स्पष्ट रूप से कहा, हां, यह दबाव होता है, लेकिन इसे नकारा नहीं जा सकता। हालांकि, जब आईपीएल शुरू होता है, तो यह मायने नहीं रखता। मैदान पर हम सभी टीम के लिए खेलते हैं और जीत ही सबसे महत्वपूर्ण होती है।

नर्वस और चिंतित करने वाला था आईपीएल 2025 नीलामी का अनुभव : केएल राहुल

नई दिल्ली । केएल राहुल आईपीएल 2025 सीजन में दिल्ली कैपिटल्स में शामिल होने को लेकर उत्साहित हैं। सीजन शुरू होने से पहले उन्होंने पिछले साल की नीलामी को याद किया। राहुल ने पिछले तीन सीजन तक लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) की कप्तानी की थी, लेकिन इस बार नीलामी से पहले टीम ने उन्हें रिलीज कर दिया। इसके बाद दिल्ली ने उन्हें 14 करोड़ रुपये में खरीदा। टीम ने अपने स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज और कप्तान ऋषभ पंत को रिलीज कर दिया। हालांकि, राहुल इस सीजन में सिर्फ विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी निभाएंगे, क्योंकि दिल्ली ने अक्षर पटेल को नया कप्तान बनाया है। राहुल ने जियो हॉटस्टार पर नीलामी को लेकर कहा, ÷यह एक तनावपूर्ण अनुभव था। एक खिलाड़ी के रूप में यह जानना मुश्किल होता है कि आपको कौन सी टीम खरीदेगी। मैंने सालों से देखा है कि नीलामी कितनी अनिश्चित होती है। पिछले तीन सालों में मैं कप्तान रहा हूं, इसलिए टीम बनाने की प्रक्रिया में शामिल रहा हूं। मुझे पता है कि फ्रेंचाइजी पर सही टीम चुनने का कितना दबाव होता है। लेकिन खिलाड़ी के नजरिए से यह और भी कठिन होता है, क्योंकि इससे आपका करियर दांव पर लगा होता है।

'रॉबिनहुड' संग डेब्यू को तैयार डेविड वार्नर, बोले- 'मैं उत्साहित हूं'

चेन्नई । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर खेल जगत के बाद अब फिल्म जगत में अभिनय का जादू चलाते नजर आएंगे। वॉर्नर निर्देशक वेंकी कुदुमुला की अपकमिंग एक्शन -ड्रामा 'रॉबिनहुड' के साथ डेब्यू को तैयार हैं। वार्नर ने कहा कि फिल्म में काम करने को लेकर वह उत्साहित हैं। निर्देशक वेंकी कुदुमुला की अपकमिंग तेलुगू एक्शन 'रॉबिनहुड' का निर्माण करने वाले प्रोडक्शन हाउस माइथ्री मूवी मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड वार्नर का भारतीय सिनेमा की दुनिया में स्वागत किया। एक्स हैंडल पर प्रोडक्शन हाउस ने वार्नर का एक पोस्टर जारी करते हुए लिखा, ग्राउंड पर चमकने और अपनी छाप छोड़ने के बाद, अब उनके लिए रॉबिनहुड के साथ सिल्वर स्क्रीन पर चमकने का समय आ गया है। हम डेविड वार्नर को एक रोमांचक कैमियो के रूप में पेश कर रहे हैं। रॉबिनहुड 28 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मुंबई इंडियंस ने जीता डब्ल्यूपीएल 2025 का खिताब, दिल्ली कैपिटल्स को 8 रन से हराया

एजेंसी

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए दिल्ली कैपिटल्स को 08 रनों से हराकर दूसरी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मैच में दर्शकों को कांटे की टक्कर देखने को मिली, लेकिन अंत में मुंबई की टीम ने बाजी मार ली।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। शुरुआती झटकों के बाद हरमनप्रीत कौर और नेट साइवर ब्रंट की जोड़ी ने टीम को मुश्किल से उबारा। हरमनप्रीत ने 66 रन की बेहतरीन पारी खेली, जबकि साइवर ब्रंट ने 30 रन बनाए। इस साझेदारी की बदौलत मुंबई की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 149 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में

सफल रही। 149 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत भी खराब रही। हालांकि, मैरिजेन कैप (40 रन) और जेमिमा रोड्रिग्ज (30 रन) ने दिल्ली की पारी को संभालने की कोशिश की। मैच के अंतिम ओवरों में दिल्ली के बल्लेबाजों ने जीत के लिए संघर्ष जारी रखा, लेकिन मुंबई की सधी हुई गेंदबाजी के चलते लक्ष्य से 8 रन पीछे रह गई। यह लगातार तीसरा मौका था जब दिल्ली कैपिटल्स डब्ल्यूपीएल के फाइनल में पहुंचकर ट्रॉफी जीतने में नाकाम रही। 2023 में मुंबई इंडियंस, 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और अब 2025 में फिर से मुंबई इंडियंस ने दिल्ली का सपना तोड़ दिया। मुंबई इंडियंस अब डब्ल्यूपीएल की पहली टीम बन गई है जिसने दो बार खिताब जीता है। इससे पहले, उन्होंने 2023 में पहला सीजन जीता था, जब उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स को 7 विकेट से हराया था। इस बार भी उन्होंने दिल्ली को 8 रनों से हराकर अपनी बादशाहत कायम रखी।

अली आगा के नेतृत्व में टी20 सीरीज में न्यूजीलैंड का सामना करेगी पाकिस्तान

एजेंसी

क्राइस्टचर्च। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, पाकिस्तान अब पांच टी20 और तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड का दौरा कर रही है। अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप और इस साल के अंत में होने वाले एशिया कप को देखते हुए, पाकिस्तान ने नवनियुक्त कप्तान सलमान अली आगा की अगुआई में युवा टी20 टीम चुनी है। पाकिस्तान चोट के कारण सैम अयूब और फखर जमान के बिना खेलेगा। टीम में तीन अनकैप्ड खिलाड़ी अब्दुल समद, हसन नवाज और मोहम्मद अली को शामिल किया गया है, जिन्होंने हाल ही में घरेलू टूर्नामेंटों में प्रभावशाली प्रदर्शन के बूते राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई है। सीरीज से पहले टीम के बारे में बात करते हुए, आगा ने कहा हमारी टीम में कुछ युवा खिलाड़ी हैं, और यह उनके लिए घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर है। आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कप्तान के रूप में अपनी पहली सीरीज में जिम्बाब्वे के खिलाफ पाकिस्तान को 2-1 से सीरीज में जीत दिलाने वाले आगा ने न्यूजीलैंड दौरे से पहले आत्मविश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा, टीम की तैयारी अच्छी चल रही है और हम न्यूजीलैंड में बेहतर परिणाम देने की कोशिश करेंगे। दोनो टीमो के बीच अब तक हुये 44 टी20 मैचों में, पाकिस्तान के पक्ष में 23 मैच गये हैं जबकि न्यूजीलैंड ने 19 मुकाबले जीते हैं। आखिरी बार दोनो टीमे टी20 सीरीज में 2024 में एक-दूसरे से भिड़ी थी, यह सीरीज 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुयी थी।

हॉकी इंडिया वार्षिक पुरस्कार 2024: सविता और हरमनप्रीत बने वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया के 7वें वार्षिक पुरस्कार समारोह 2024 का आयोजन नई दिल्ली में 15 मार्च को हुआ, जिसमें भारतीय हॉकी के सितारों और दिग्गजों को सम्मानित किया गया। इस वर्ष का आयोजन विशेष रहा क्योंकि हॉकी इंडिया ने भारतीय हॉकी के 100 वर्ष और 1975 विश्व कप जीत की स्वर्ण जयंती को एक साथ मनाया। इसी उपलक्ष्य में 1975 विश्व कप विजेता टीम को हॉकी इंडिया मेजर ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया और प्रत्येक सदस्य को 50 लाख रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।

इस भव्य समारोह में हॉकी जगत की प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति रही और इस वर्ष पुरस्कारों के लिए कुल 12 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड पुरस्कार राशि रखी गई, जो कि अब तक की सबसे बड़ी इनामी राशि है।

सविता और हरमनप्रीत बने वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

इस समारोह में भारतीय महिला हॉकी टीम की दिग्गज गोलकीपर सविता और भारतीय पुरुष टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को हॉकी

इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड फॉर प्लेयर ऑफ द ईयर 2024 से सम्मानित किया गया। सविता को यह सम्मान महिला वर्ग में और हरमनप्रीत को पुरुष वर्ग में प्रदान किया गया। दोनों खिलाड़ियों को 25 लाख रुपये और एक ट्रॉफी प्रदान की गई।

सविता ने पुरस्कार मिलने पर अपनी खुशी जताते हुए कहा, यह मेरे लिए बहुत गर्व का क्षण है। यह पुरस्कार मेरे साथियों, कोचों, परिवार और हॉकी प्रेमियों के समर्थन के बिना संभव नहीं होता। यह मुझे और कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा देगा।

वहीं, हरमनप्रीत सिंह ने भी अपनी प्रतिक्रिया में कहा, यह पुरस्कार केवल मेरे लिए नहीं बल्कि पूरी टीम के लिए है। मुझे उम्मीद है कि हमारी पुरुष और महिला टीमें बिना किसी दबाव के खेलेंगी और लगातार अच्छे प्रदर्शन से भारतीय हॉकी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगी। इस समारोह में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने के लिए भी सम्मानित किया गया। टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को 15 लाख रुपये, वैकल्पिक खिलाड़ियों को 5 लाख रुपये, और सपोर्ट स्टाफ को 7.5 लाख रुपये की राशि प्रदान की गई।

हमारा लक्ष्य भारत को 2036 तक खेलों में अग्रणी राष्ट्र बनाना: विराट कोहली

एजेंसी

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट के धाकड़ बल्लेबाज और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने 'आरसीबी इनोवेशन लैब इंडियन स्पोर्ट्स समिट' में भारत के खेल भविष्य पर खुलकर अपने विचार साझा किए। इंग्लैंड की पूर्व क्रिकेटर ईसा गुहा द्वारा संचालित इस सत्र में कोहली ने भारत को स्पोर्ट्स-फॉरवर्ड नेशन बनाने की अपनी दूरदृष्टि के बारे में विस्तार से बात की।

कोहली ने कहा, हम भारत को 2036 तक खेलों में अग्रणी राष्ट्र बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। हमारे पास एक स्पष्ट दृष्टि और उसकी मजबूत आधारशिला मौजूद है। केवल बुनियादी ढांचे और निवेश से यह लक्ष्य हासिल नहीं होगा, बल्कि इसमें हर उस व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण होगी, जो खेलों को समझना और उनसे जुड़ना चाहता है। हमें सिर्फ जश्न मनाने और खेलों के प्रति जुनून तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि खेल शिक्षा को भी बढ़ावा देना होगा। जब लोग खेलों की गहराई को समझेंगे, तो उनका अनुभव भी कई गुना बेहतर होगा।

कोहली, जिन्होंने 2008 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था, भारतीय क्रिकेट में फिटनेस क्रांति के अगुवा माने जाते हैं। उन्होंने बताया कि किस तरह खुद को बेहतर एथलीट बनाने के लिए उन्होंने अपनी दिनचर्या पूरी तरह बदल दी। उन्होंने कहा, मुझे यह अहसास हुआ कि अपनी तैयारी के तरीके को बदलना होगा। अगले ही दिन से मैंने अपनी डाइट, ट्रेनिंग और लाइफस्टाइल में बदलाव किया। मुझे किसी ने मजबूर नहीं किया, बल्कि यह बदलाव मेरे भीतर से आया। जब हमने कठिन विदेशी दौरों पर संघर्ष किया, तब मुझे महसूस हुआ कि दूसरी टीमों की फिटनेस हमसे कहीं बेहतर थी और यही हमारी कमजोरी थी।

भारत आज क्रिकेट में दुनिया की सबसे प्रभावशाली टीमों में से एक है, लेकिन कोहली अन्य खेलों के भी आगे बढ़ने को लेकर आशान्वित हैं। उन्होंने कहा, बुनियादी ढांचा महत्वपूर्ण है, लेकिन सबसे अहम चीज एथलीट का जज़्बा होता है। अगर मैं अपनी सीमाएं नहीं बढ़ाऊंगा, तो खुद को बेहतर नहीं बना पाऊंगा। मैंने हमेशा खुद को सर्वश्रेष्ठ बनाने की कोशिश की, और उसी सोच ने मुझे प्रेरित किया।

विश्व कप से पहले भारतीय निशानेबाजों का राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाजों की तैयारियों को मजबूत करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन दिल्ली के करणी सिंह शूटिंग रेंज में किया गया है। यह शिविर अर्जेंटीना और पेरू में होने वाले आगामी आईएसएसएफ वर्ल्ड कप चरणों की तैयारियों के तहत आयोजित किया गया है, जिसमें भारतीय स्क्वाड अपने कौशल को निखारने और प्रतियोगिता के लिए खुद को तैयार करने में जुटा है।

शिविर में देश के शीर्ष निशानेबाजों की भागीदारी

शिविर में कुल 35 सदस्यीय भारतीय स्क्वाड हिस्सा ले रहा है, जिसमें ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप स्तर के अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं। निशानेबाजों ने अपने कोचों के मार्गदर्शन में गहन प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। पहले समूह के खिलाड़ी 26 मार्च को अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स रवाना होंगे, जहां 01 से 11 अप्रैल 2025

तक पहला आईएसएसएफ वर्ल्ड कप होगा। इसके बाद, टीम 13 से 22 अप्रैल 2025 तक पेरू के लीमा में होने वाले दूसरे वर्ल्ड कप चरण में भाग लेगी।

शिविर में नई प्रतिभाओं पर विशेष ध्यानः भारतीय टीम में अनुभवी निशानेबाजों के साथ-साथ नई प्रतिभाओं को भी मौका दिया गया है। हाल ही में राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करने वाली अनन्या नैदी जैसे युवा निशानेबाज इस शिविर में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए एक बड़ा अवसर है। देश के शीर्ष निशानेबाजों और प्रशिक्षकों से सीखने का मौका मिलना मेरे करियर के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

शीर्ष महिला निशानेबाजों की मजबूत उपस्थिति

भारतीय टीम की दो बार की ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मनु भाकर इस प्रतियोगिता में दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं–10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल–में हिस्सा लेंगी। इसके अलावा, अन्य प्रमुख निशानेबाज भी विभिन्न श्रेणियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। शिविर में अनुभवी प्रशिक्षकों के साथ-साथ कुछ नए कोच भी शामिल हुए हैं। इनमें पूर्व अंतरराष्ट्रीय शूटर जीतू राय और पूजा घटकर भी शामिल हैं, जो अब राष्ट्रीय स्तर पर कोच की भूमिका निभा रहे हैं। टीम की मुख्य कोच दीपाली देशपांडे ने कहा कि यह शिविर खिलाड़ियों की व्यक्तिगत ताकत और सुधार के क्षेत्रों को समझने का एक महत्वपूर्ण चरण होगा।

भारत का बेहतरीन रिकॉर्ड और आगामी चुनौतियां

भारत ने हाल के वर्षों में अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया है। पिछले वर्ष आईएसएसएफ वर्ल्ड कप काहिरा में भारतीय टीम ने पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया था, जबकि पेरिस ओलंपिक 2024 में भी टीम ने ऐतिहासिक सफलता पाई थी।

खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ग्रेटर नोएडा में टेनिस चैंपियनशिप का करेगें उद्घाटन

एजेंसी

लखनऊ। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया 17 मार्च पर उत्तर प्रदेश के दौरे पर आएंगे। खेल मंत्री यहां ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय पथिक स्टेडियम में इंडियन इंटरनेशनल सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप का दूसरा और साउथ सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप का उद्घाटन करेंगे। यह जानकारी आयोजन समिति के सदस्य और भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने शनिवार को दी। राकेश त्रिपाठी ने कहा कि टेनिस चैंपियनशिप का ये पहला आयोजन है और पाकिस्तान, नेपाल, श्रीलंका, जापान, कोरिया, इराक, जर्मनी, बांग्लादेश सहित कुल 15 देशों की टीमें हिस्सा लेंगे। इसमें 250 से ज्यादा खिलाड़ी चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि विदेशी खिलाड़ियों के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कराये गये हैं। इस आयोजन के लिए महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि जी महाराज और राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

इंडियन सुपर लीग 2024-25 का प्लेऑफ शेड्यूल घोषित, 12 अप्रैल को होगा फाइनल

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) ने 2024-25 सीजन के प्लेऑफ के कार्यक्रम की घोषणा कर दी। लीग चरण 12 मार्च 2025 को समाप्त हुआ। नॉकआउट मुकाबले 29 और 30 मार्च को खेले जाएंगे। सेमीफाइनल दो लेग में 2-3 अप्रैल और 6-7 अप्रैल को आयोजित किए जाएंगे, जबकि फाइनल 12 अप्रैल को होगा।

मोहन बागान सुपर जाइंट ने रचा इतिहास

मोहन बागान सुपर जाइंट ने लगातार दूसरी बार लीग शील्ड जीतकर इतिहास रच दिया है। यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह आईएसएल की पहली टीम बन गई है। मोहन बागान के अलावा, एफसी गोवा (दूसरे), बेंगलुरु एफसी (तीसरे), नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी (चौथे), जमशेदपुर एफसी

(पांचवें) और मुंबई सिटी एफसी (छठे) ने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया है।

प्लेऑफ प्रारूप

तीसरे से छठे स्थान पर रहने वाली टीमें नॉकआउट मुकाबलों में आमने-सामने होंगी। इन मैचों के विजेता मोहन बागान और एफसी गोवा के खिलाफ सेमीफाइनल खेलेंगे, जिन्होंने सीधे अंतिम चार में जगह बनाई है। सेमीफाइनल होम और अवे फॉर्मेट में होंगे। कुल स्कोर के आधार पर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली दो टीमें 12 अप्रैल को भिड़ेंगी। फाइनल मुकाबला लीग टेबल में उच्च रैंक वाली टीम के होम ग्राउंड पर खेला जाएगा।

प्लेऑफ शेड्यूल

मार्च 29: नॉकआउट 1 - बेंगलुरु एफसी (होम) बनाम मुंबई सिटी एफसी।

मार्च 30: नॉकआउट 2 - नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी (होम) बनाम जमशेदपुर एफसी।

अप्रैल 2: सेमीफाइनल 1 (पहला लेग) - नॉकआउट 1 के विजेता (होम) बनाम एफसी गोवा।

अप्रैल 3: सेमीफाइनल 2 (पहला लेग) - नॉकआउट 2 के विजेता (होम) बनाम मोहन बागान।

अप्रैल 6: सेमीफाइनल 1 (दूसरा लेग) - एफसी गोवा (होम) बनाम नॉकआउट 1 के विजेता।

अप्रैल 7: सेमीफाइनल 2 (दूसरा लेग) - मोहन बागान (होम) बनाम नॉकआउट 2 के विजेता।

अप्रैल 12: फाइनल - सेमीफाइनल 1 के विजेता बनाम सेमीफाइनल 2 के विजेता।

वार्षिक स्टाफ क्रिकेट टूर्नामेंट : टीम ग्रीन बनी चैंपियन

चंडीगढ़। सेंट जेवियर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चंडीगढ़ परिसर में आयोजित वार्षिक स्टाफ क्रिकेट टूर्नामेंट का आज समापन हुआ। इस टूर्नामेंट में चंडीगढ़, पंचकूला, मोहाली और जीरकपुर की चार शाखाओं के कुल 32 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

डबल लीग प्रारूप में हुए रोमांचक मुकाबले

टूर्नामेंट में चार टीमों–टीम रेड, टीम ग्रीन, टीम ब्लू और टीम येलो–ने कुल 6 लीग मैच खेले। आखिरी लीग मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जहां टीम ग्रीन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवरों में 123/0 का बड़ा स्कोर खड़ा किया। रविंद्र सिंह (47) और निशांत बिजलवान (71)** टीम ग्रीन के लिए शीर्ष स्कोरर रहे। जवाब में टीम ब्लू ने 9 ओवरों में 127/4 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया।

केंद्रीय खेल मंत्री मांडविया, अभिनेता आयुष्मान करेंगे फिट इंडिया कार्निवल का उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। पहली बार आयोजित होने जा रहा फिट इंडिया कार्निवल 16 मार्च को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में भव्य उद्घाटन के लिए तैयार है। इस अवसर पर केंद्रीय युवा कार्य एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, केंद्रीय राज्य मंत्री रक्षा खडसे, बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना, मशहूर पहलवान एवं फिटनेस प्रमोटर संग्राम सिंह और वेलनेस गुरु मिक्की मेहता विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।इस कार्यक्रम के दौरान खेलो इंडिया पैरा गेम्स (20 से 27 मार्च) के मास्कॉट, लोगो और एंथम का भी अनावरण किया जाएगा। तीन दिवसीय यह फिटनेस और वेलनेस महोत्सव 16, 17 और 18 मार्च को आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य फिट इंडिया मूवमेंट के तहत स्वस्थ, सक्रिय और

मोटापा-मुक्त भारत की संकल्पना को आगे बढ़ाना है। मुख्य अतिथि फिटनेस से जुड़े मजेदार चैलेंज में भी हिस्सा लेंगे और दर्शकों से संवाद करेंगे। फिट इंडिया कार्निवल के दौरान रस्सी कूद, स्थिर साइकिलिंग, आर्म रेसलिंग, क्रिकेट बॉलिंग, स्क्वाट और पुश-अप चैलेंज जैसी विभिन्न खेल गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र के डॉक्टर, पोषण विशेषज्ञ और मनोवैज्ञानिक उपस्थित रहेंगे, जो कार्यक्रम में आए लोगों का मुफ्त स्वास्थ्य मूल्यांकन करेंगे। इस आयोजन को और आकर्षक बनाने के लिए कलारीपयट्टू, मल्लखंब, गतका जैसे पारंपरिक प्रदर्शन, फिटनेस थ्रू डांस थीम पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, लाइव डीजे म्यूजिक और बैंड परफॉर्मेंस भी होंगी।

युवा ऑल स्टार्स चैम्पियनशिप : युवा मुंबा ने युवा योद्धाओं को हराया, चंडीगढ़ चार्जर्स और वॉरियर्ज के.सी. की शानदार जीत

एजेंसी

हरिद्वार। वंदना कटारिया इंडोर स्टेडियम में चल रही युवा ऑल स्टार्स चैम्पियनशिप के दसवें दिन चंडीगढ़ चार्जर्स, वॉरियर्ज़ के.सी., पलानी टस्कर्स और युवा मुंबा ने शानदार जीत दर्ज की।

चंडीगढ़ चार्जर्स की बड़ी जीत

दिन के पहले मुकाबले में चंडीगढ़ चार्जर्स ने युवा पलटन को 45-20 से करारी शिकस्त दी। पहले हाफ में चार्जर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल आउट कर 16-11 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में टीम ने दो सुपर टैकल, दो ऑल आउट और एक सुपर रेड के जरिए मैच को पूरी तरह अपने नियंत्रण में कर लिया। सावन खत्री (12 अंक) और बबलू सिंह (10 अंक) ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस जीत के बाद चार्जर्स 25 अंकों के साथ पूल बी में दूसरे स्थान पर पहुंच गए, जबकि युवा पलटन 13 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर बनी हुई है।

पलानी टस्कर्स की मजबूत वापसी

पूल ए के मुकाबले में पलानी टस्कर्स ने वास्को वाइपर्स को 34-24 से हराया। राजपाल जे की सुपर रेड ने टस्कर्स को शुरुआती पांच मिनट में ही पांच अंकों की बढ़त दिला दी। सख्तिवेल थंगावेलु की शानदार टैकल से वाइपर्स की टीम जल्द ही ऑल आउट हो गई और पहले हाफ तक टस्कर्स ने 18-12 की बढ़त बना ली। खेल के अंतिम दो मिनट में वास्को वाइपर्स चार अंकों से पीछे थे, लेकिन संदीप शनमुगम की सफल रेड ने टस्कर्स की बढ़त को आठ अंकों तक बढ़ा दिया और अंततः टीम ने 10 अंकों के अंतर से जीत दर्ज की। इस मैच में राजपाल जे, शंकर सेकर और सचिन ने छह-छह अंक हासिल किए। पलानी टस्कर्स अब पूल ए में 23 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि वास्को वाइपर्स केवल 8 अंकों के साथ तालिका में सबसे नीचे हैं।

पलानी टस्कर्स की मजबूत वापसी

वॉरियर्ज के.सी. ने कुरुक्षेत्र वॉरियर्स को 43-23 से हराकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। पहले हाफ में टीम ने विपक्षी को ऑल आउट कर 20-11 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में भी दबदबा बनाए रखते हुए उन्होंने दो और ऑल आउट कर 20 अंकों के बड़े अंतर से जीत हासिल की। नितिन जांगड़ा ने 10 टैकल अंक अर्जित किए, जबकि सुशील कांबरेकर ने सात रेड अंक हासिल किए। इस जीत के साथ वॉरियर्ज़ के.सी. 23 अंकों के साथ पूल ए में दूसरे स्थान पर पहुंच गई, जबकि कुरुक्षेत्र वॉरियर्स छह अंकों के साथ पूल बी में सबसे निचले स्थान पर हैं।

युवा मुंबा की जोरदार वापसी

दिन के आखिरी मुकाबले में युवा मुंबा ने युवा योद्धाओं को 43-38 से हराकर शानदार वापसी की। मुकाबले की शुरुआत में युवा योद्धाओं ने तेज़ी से अंक जुटाए और ऑल आउट कर सात अंकों की बढ़त बना ली। हालांकि, युवा मुंबा ने संघर्ष जारी रखा और पहले हाफ के अंतिम क्षणों में ऑल आउट कर वापसी की। हाफ टाइम तक स्कोर 22-21 रहा।

दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने कड़ा मुकाबला किया, लेकिन टाइम-आउट के बाद युवा मुंबा ने लगातार आठ अंक अर्जित कर मजबूत बढ़त बना ली और अंततः पांच अंकों से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ युवा मुंबा 26 अंकों के साथ पूल बी में दूसरे स्थान पर पहुंच गई, जबकि युवा योद्धा 27 अंकों के साथ शीर्ष पर बरकरार हैं। इस मुकाबले में शिवम सिंह ने 14 अंक, जबकि अभिमन्यु रघुवंशी ने 13 रेड अंक (10 टच और तीन बोनस अंक) हासिल किए।

सिल्वर ईटीएफ का विस्तार तेज, प्रबंधित सम्पत्ति तीन साल में 13,500 करोड़ रुपये के पार: रिपोर्ट

मुंबई। सम्पत्ति प्रबंध कंपनियों को सिल्वर चांदी पर आधारित एक्सचेंज-ट्रेडेड कोष (ईटीएफ) निवेश योजनाएं शुरू करने की अनुमति दिए जाने के बाद से सिल्वर ईटीएफ के अंतर्गत प्रबंधित सम्पत्तियों (एयूएम) में लगातार भारी वृद्धि देखी है। यह जेरोधा फंड हाउस की जारी एक रिपोर्ट में सामने आयी है। सेबी ने नवंबर 2021 में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने चांदी पर आधारित यूनिटों में निवेश करने की सुविधा के लिए सम्पत्ति प्रबंध कंपनियों को सिल्वर-ईटीएफ योजना शुरू करने की छूट दी थी। रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2025 तक सिल्वर-ईटीएफ में निवेश 13,500 करोड़ का आंकड़ा पार कर गया है। जनवरी 2025 तक 12 सिल्वर ईटीएफ काम कर रहे थे जिनमें जिनमें छह लाख से ज्यादा निवेशक फ़ोलियो थे। ज़ेरोधा फ़ंड हाउस के मुख्य व्यवसाय अधिकारी (सीबीओ) वैभव जालान ने कहा, सिल्वर-ईटीएफ की बढ़ती संख्या इसमें निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी का स्पष्ट संकेत है। सिल्वर ईटीएफ भौतिक रूप से चांदी खरीद कर रखने की जगह चांदी में निवेश का एक ऐसा विकल्प प्रदान करते हैं जिसमें भंडारण करने, उसकी सुरक्षा और बीमा के बारे में कोई चिंता नहीं रहती है तथा चांदी के भाव में होने वाले उतार-चढ़ाव का फायदा उठाना आसान बनाते हैं।

इंडसइंड बैंक 'अच्छी तरह से पूंजीकृत': आरबीआई

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने निजी बैंक इंडसइंड बैंक के बारे में बाजार की अटकलों को खारिज करते हुये कहा कि बैंक अच्छी तरह से पूंजीकृत है तथा बैंक की वित्तीय स्थिति संतोषजनक बनी हुई है। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा, कुछ तिमाहियों में इंडसइंड बैंक लिमिटेड से संबंधित कुछ अटकलें लगाई गई हैं, जो शायद बैंक से संबंधित हालिया घटनाओं से उत्पन्न हुई हैं। आरबीआई यह बताना चाहेगा कि बैंक अच्छी तरह से पूंजीकृत है और बैंक की वित्तीय स्थिति संतोषजनक बनी हुई है। 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए बैंक के ऑडिटर द्वारा समीक्षा किए गए वित्तीय परिणामों के अनुसार, बैंक ने 16.46 प्रतिशत का पूंजी पर्याप्तता अनुपात और 70.20 प्रतिशत का प्रावधान कवरेज अनुपात बनाए रखा है। 9 मार्च, 2025 तक बैंक का लिक्विडिटी कवरेज अनुपात113 प्रतिशत था, जबकि विनियामक आवश्यकता 100 प्रतिशत है। सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध खुलासों के आधार पर, बैंक ने अपने मौजूदा सिस्टम की व्यापक समीक्षा करने और वास्तविक प्रभाव का शीघ्रता से आकलन करने और उसका हिसाब लगाने के लिए पहले ही एक बाहरी ऑडिट टीम को नियुक्त कर लिया है। बोर्ड और प्रबंधन को रिज़र्व बैंक द्वारा निर्देश दिया गया है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उबाल आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर 0.96 प्रतिशत उबलकर 67.19 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह इस दौरान लंदन ब्रेंट क्रूड 0.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 70.65 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

राजकोट मेट्रो रेल, सात अन्य अवसंरचना परियोजनाओं का पीएम गतिशक्ति के तहत निर्धारण

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री (पीएम) गतिशक्ति के सिद्धांतों के अनुसार सरकार ने देश में अवसंरचना क्षेत्र की आठ और परियोजनाओं का मूल्यांकन किया जिसमें राजकोट में मेट्रो रेल शुरू करने की परियोजना और तीन रेलवे तथा चार राजमार्ग परियोजनाएं शामिल हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की शुक्रवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार प्रधानमंत्री गतिशक्ति के अंतर्गत उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के संयुक्त सचिव पंकज कुमार की अध्यक्षता में नेटवर्क नियोजन समूह की 89वीं बैठक में सड़क, रेल और मेट्रो रेल की आठ परियोजनाओं का मूल्यांकन किया गया। पीएम गतिशक्ति में किसी परियोजनाओं का निर्धारण सभी संबंधित विभागों और सभी आवश्यक सूचनाओं के साथ किया जाता है ताकि क्रियान्वयन शीघ्रता से हो। नेटवर्क नियोजन समूह की इस बैठक में जिन परियोजनाओं की समीक्षा की गयी है उनमें शहरी विकास मंत्रालय की गुजरात के राजकोट में पहली मेट्रो रेल प्रणाली के निर्माण के अलावा राजमार्ग मंत्रालय की ओर से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 62 के मेघालय में दालुगिरि से दालू तक के 136.11 किलो मीटर के खंड को दोनों ओर खड़ंजे के साथ दो लेन का बनाने, असम में गोहपुर और नुमालीगढ़ के बीच ब्रह्मपुत्र नदी पर चार लेन के दोहरे सुरंग मार्ग का निर्माण और कलियाबोर-नुमालीगढ़ सेक्शन के मौजूदा कैरिजवे को चार लेन तक चौड़ा और बेहतर बनाने तथा राजस्थान में जैसलमेर बाईपास लिंक रोड के साथ मेजिलार से जैसलमेर तक मार्ग को दो लेन का बनाने की परियोजना शामिल है। इसी गतिशक्ति सिद्धांत के तहत रेलवे की जिन परियोजनाओं की समीक्षा की गयी है उनमें महाराष्ट्र में बदलापुर-कर्जत रेल खंड पर तीसरी और चौथी लाइन के निर्माण की 32.460 किलोमीटर लंबी परियोजना, ओडिशा में नेरगुंडी से कटक तक 15.99 किलोमीटर लंबी चौथी रेल लाइन का निर्माण के साथ नेरगुंडी में फ्लाईओवर के निर्माण तथा इसी राज्य में हरिदासपुर से पारादीप तक 74.09 किलोमीटर लंबी दोहरीकरण लाइन के निर्माण की परियोजना शामिल है।

असुरक्षित गैर-प्रमाणित उत्पाद बेचने वाले ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों पर कार्रवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से गैर-अनुपालन उत्पादों के वितरण पर अंकुश लगाने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने लखनऊ, गुरुग्राम और दिल्ली जैसे शहरों में अमेज़न और फ्लिपकार्ट सहित प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों के कई गोदामों पर तलाशी और जब्ती अभियान चलाया है।

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अनुसार हाल ही में 07 मार्च को लखनऊ में अमेज़न के गोदाम पर की गई छापेमारी में बीआईएस ने 215 खिलौने और 24 हैंड ब्लेंडर जब्त किए, जो अनिवार्य बीआईएस प्रमाणन से रहित थे। इससे पहले फरवरी में गुरुग्राम में अमेज़न के गोदाम में इसी तरह की कार्रवाई के परिणामस्वरूप 58 एल्यूमीनियम पन्नी, 34 धातु की पानी की बोतलें, 25 खिलौने, 20 हैंड ब्लेंडर, 7 पीवीसी केबल, 2 फूड मिक्सर और 1 स्पीकर जब्त किए गए थे। ये सभी भी गैर-प्रमाणित पाए गए।

इसी तरह, गुरुग्राम में इंस्टाकार्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित फ्लिपकार्ट के गोदाम पर छापेमारी में बीआईएस ने 534 स्टेनलेस स्टील की बोतलें (वैक्यूम इंसुलेटेड), 134 खिलौने और 41 स्पीकर जब्त किए, जो प्रमाणित नहीं थे। अमेज़ॅन और फ्लिपकार्ट दोनों पर कई उल्लंघनों की बीआईएस की जांच में गैर-प्रमाणित उत्पादों का पता चला जो टेकविजन इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े थे। इस सुराग पर कार्रवाई करते हुए बीआईएस ने दिल्ली में टेकविजन इंटरनेशनल की दो अलग-अलग सुविधाओं पर छापे मारे, जिसमें लगभग 7,000 इलेक्ट्रिक वॉटर हीटर, 4,000 इलेक्ट्रिक फूड मिक्सर, 95 इलेक्ट्रिक रूम हीटर और 40 गैस स्टोव बिना बीआईएस प्रमाणन के पाए गए। जब्त किए गए गैर-प्रमाणित उत्पादों में डिजीस्मार्ट, एक्टिवा, इनालसा, सेलो स्विफ्ट, बटरफ्लाई जैसे ब्रांड शामिल हैं।

बीआईएस ने पहले ही मेसर्स टेकविजन इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ बीआईएस अधिनियम, 2016 की धारा 17(1) और 17(3) के उल्लंघन के लिए दो अदालती मामले दायर किए हैं। अन्य जब्ती कार्रवाई के लिए अतिरिक्त मामले दायर किए जाने की प्रक्रिया चल रही है।

उल्लेखनीय है कि बीआईएस अधिनियम, 2016 की धारा 17 के तहत, डिफॉल्टरों को कम से कम दो लाख रुपये का जुर्माना देना पड़ता है, जो बेचे गए या बिक्री के लिए पेश किए गए सामान के मूल्य का दस गुना तक हो सकता है। इसके अलावा, उल्लंघन की गंभीरता के आधार पर अपराधियों को दो साल तक की कैद भी हो सकती है। हालांकि, अपनी निगरानी गतिविधियों के दौरान बीआईएस ने पाया है कि अमेज़न, फ्लिपकार्ट, मीशो, मंत्रा और बिगबास्केट जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म पर कई गैर-प्रमाणित उत्पाद बेचे जा रहे हैं, जबकि इन उत्पादों के लिए बीआईए प्रमाणन अनिवार्य कर दिया गया है। गैर-प्रमाणित उत्पादों में वे उत्पाद शामिल हैं, जिन पर आईएसआई मार्क नहीं है या जिन पर अमान्य लाइसेंस नंबर (सीएम/एल नंबर) के साथ आईएसआई मार्क है।

देश की सबसे अमीर महिला बनीं रोशनी नाडार, सावित्री जिंदल को पीछे छोड़ा

एजेंसी

हिसार। भारत के सबसे अमीर शख्सियतों की कैटेगरी में रोशनी नाडार मल्होत्रा का नाम भी जुड़ गया है। वह देश की सबसे अमीर महिला बन गई हैं। उन्होंने हिसार से विधायक एवं बिजनेस वुमन सावित्री जिंदल को पीछे छोड़ दिया है। इतनी ही नहीं वह तीसरी सबसे अमीर भारतीय बनी हैं। हिंदुस्तान कंप्यूटर्स लिमिटेड (एचसीएल) ग्रुप के संस्थापक एवं उनके पिता शिव नाडार ने कंपनी की 47 फीसदी हिस्सेदारी बेटी रोशनी नाडार मल्होत्रा?? को ट्रांसफर कर दी है, जिसके बाद वे देश की सबसे अमीर महिला की सूची में टॉप पर आ गई हैं। 'ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स' के मुताबिक रोशनी नाडार की संपत्ति 3.13 लाख करोड़ रुपये हो गई है। वह अब तीसरी सबसे अमीर भारतीय बन गई हैं। उनसे ज्यादा संपत्ति सिर्फ दिग्गज उद्योगपति मुकेश अंबानी और गौतम अडानी के पास है जबकि हिसार की विधायक सावित्री जिंदल के पास 2.63 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति है। सावित्री जिंदल देश की पांचवीं सबसे अमीर शख्सियत हैं और दूसरी सबसे अमीर भारतीय महिला हैं। सावित्री जिंदल हिसार निवासी दिवंगत स्टील किंग ओपी जिंदल की पत्नी हैं और उनके बेटे नवीन जिंदल कुरुक्षेत्र से भाजपा सांसद हैं। छह महीने पहले फॉर्च्यून इंडिया ने सबसे अमीर लोगों की सूची जारी की थी। इस सूची के अनुसार 74 वर्षीय सावित्री देवी जिंदल करीब 2.77 लाख करोड़ रुपये की मालकिन थीं। अब 'ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स' ने एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें बताया गया है कि सावित्री जिंदल की संपत्ति 2.63 लाख करोड़ रुपये है। लगभग छह महीने पहले सावित्री जिंदल टॉप 10 भारतीयों में अकेली महिला थीं और चौथे स्थान पर थीं, लेकिन अब वे पांचवें स्थान पर आ गई हैं। अब टॉप 10 में रोशनी नाडार भी आ गई हैं जिन्होंने उन्हें पीछे छोड़ दिया है। सावित्री जिंदल ने पति की मौत के बाद 2005 में हिसार से उपचुनाव लड़ा और जीतकर राजनीति में एंट्री की।

सात्विक ग्रीन एनर्जी ने सेबी के पास दूसरा ड्राफ्ट पेपर जमा कराया, मार्केट से 1,150 करोड़ जुटाना चाहती है कंपनी

एजेंसी

नई दिल्ली। सोलर फोटोवोल्टिक माड्यूल बनाने वाली कंपनी सात्विक ग्रीन एनर्जी ने आईपीओ लाने के लिए एक बार फिर अपना ड्राफ्ट पेपर मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा करा दिया है। अपने आईपीओ के जरिए सात्विक ग्रीन एनर्जी 1,150 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। इस आईपीओ के तहत 850 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि 300 करोड़ रुपये के शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे जाएंगे।

इसके पहले सात्विक ग्रीन एनर्जी ने 18 नवंबर 2024 को अपने आईपीओ के लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास ड्राफ्ट पेपर जमा कराया था, लेकिन सेबी ने 10 फरवरी को कंपनी द्वारा जमा कराए गए ड्राफ्ट पेपर को वापस कर दिया था। इसके बाद कंपनी ने एक बार फिर संशोधन के साथ दूसरा ड्राफ्ट पेपर जमा कराया है। अपने दूसरे ड्राफ्ट पेपर में सात्विक ग्रीन एनर्जी में पहले ड्राफ्ट पेपर की तुलना में ऑफर साइज में कोई बदलाव नहीं किया है। कंपनी के

दावे के मुताबिक सोलर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल मैन्युफैक्चरिंग कैपेसिटी के मामले में सात्विक ग्रीन एनर्जी भारत के दिग्गज मॉड्यूल मैन्युफैक्चरर्स में से एक है। इसके पास 3.16 गीगावॉट सोलर पीवी माड्यूल की ऑर्डर बुक है। ये कंपनी अपने क्लायंट्स के लिए ऑपरेशंस और मेंटेनेंस सर्विसेज भी मुहैया कराती है। आईपीओ के जरिए हासिल होने वाली राशि में से 135.2 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कंपनी अपने और अपनी सहायक कंपनी सात्विक सोलर इंडस्ट्रीज के पुराने कर्ज को चुकाने में करेगी। इसी तरह 476.4 करोड़ रुपये का इस्तेमाल ओडिशा में चार गीगावॉट सोलर पीवी माड्यूल मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी लगाने में किया जाएगा। इसके अलावा शेष राशि का इस्तेमाल वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में किया जाएगा।

वर्ष 2028 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा भारतः मॉर्गन स्टेनली

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि साल 2028 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन सकता है। इसके साथ ही इस रिपोर्ट में ये दावा भी किया गया है की 2026 में ही भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक अर्थव्यवस्था के मामले में पांचवें स्थान से उछल कर चौथे स्थान पर पहुंच जाएगी। मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट में बताया गया है कि ग्लोबल प्रोडक्शन में भारत की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। भारत में पॉलिसी और इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस करने के साथ ही माइक्रो स्टेबिलिटी भी दिख रही है। इसके कारण अगले 3 साल में भारतीय अर्थव्यवस्था जर्मनी की अर्थव्यवस्था को भी पीछे छोड़ देगी और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी।

रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2026 तक भारतीय अर्थव्यवस्था के 4.70 ट्रिलियन डॉलर के स्तर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था एक पायदान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर आ जाएगी। ऐसा होने पर अर्थव्यवस्था के मामले में भारत से आगे सिर्फ अमेरिका, चीन और जर्मनी की अर्थव्यवस्था रह जाएगी। भारत की अर्थव्यवस्था में जिस रफ्तार से तेजी आने की उम्मीद है, उसके आधार पर साल 2028 तक भारतीय अर्थव्यवस्था जर्मनी की अर्थव्यवस्था से भी आगे निकल जाएगी। साल 2028 तक भारत की अर्थव्यवस्था 5.70 ट्रिलियन डॉलर की हो जाएगी। वर्ष 1990 में अर्थव्यवस्था के मामले में भारत विश्व में 12वें स्थान पर था। अगले 10 साल बाद 2000 में भारत एक पायदान नीचे खिसकर कर दुनिया की 13वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। पिछले 10 सालों के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी आई, जिससे 2020 में भारत की अर्थव्यवस्था नौवें स्थान पर पहुंच गई, जबकि 2023 में भारत की अर्थव्यवस्था उछल कर पांचवें स्थान पर पहुंच गई। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2019 तक ग्लोबल जीडीपी में भारत की हिस्सेदारी बढ़कर 4.5 प्रतिशत हो जाने की उम्मीद है। फिलहाल ग्लोबल जीडीपी में भारत की हिस्सेदारी 3.5 प्रतिशत है। अगले दशक में ग्लोबल आउटपुट में भारत की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ेगी। इसके पीछे रिपोर्ट में कई कारण बताए गए हैं, जिनमें भारत की आबादी में हो रही वृद्धि, लोकतंत्र की मजबूती, देश में एंटरप्रेन्योर्स की संख्या में बढ़ोतरी और बेहतर पॉलिसी तथा इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस होने की वजह से स्टेबिलिटी की बात प्रमुख है। रिपोर्ट में भारत की अर्थव्यवस्था में अगले तीन दशक में और तेजी आने की उम्मीद जताई गयी है। अर्थव्यवस्था की तेजी के लिए रिपोर्ट में तीन स्थितियों का अनुमान लगाया गया है। पहली बेयर यानी निराशाजनक स्थिति है, जिसमें 2036 तक अर्थव्यवस्था 6.60 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने की उम्मीद है। ऐसा होने पर प्रति व्यक्ति जीडीपी 4.247 होने का अनुमान लगाया गया है।

सरकार का ध्यान उपभोक्ता संरक्षण के साथ ही उनकी समृद्धि पर भी : प्रल्हाद जोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने आज यहां कहा कि केंद्र सरकार जिम्मेदार उपभोक्ता नीतियों के माध्यम से स्थिरता को बढ़ावा देने में सबसे आगे रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उद्धृत करते हुए कहा कि भारत सरकार न केवल उपभोक्ता संरक्षण पर बल्कि उपभोक्ताओं की समृद्धि पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। वह विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के अवसर पर टिकाऊ जीवन शैली में एक न्यायसंगत परिवर्तन विषय पर एक वेबिनार को वर्चुअली सम्बोधित कर रहे थे। वेबिनार का उद्देश्य आर्थिक और सामाजिक निष्पक्षता से समझौता किए बिना रोजमर्रा की

उपभोक्ता पसंदों में स्थिरता को एकीकृत करने के बारे में जागरूकता बढ़ाना और संवाद को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि टिकाऊ जीवनशैली जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता हानि और प्रदूषण के अंतर्संबंधित संकटों को संबोधित करने की कुंजी है। यह 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के अवसर को प्रस्तुत करता है, जो लोगों और इस धरती दोनों को लाभ पहुंचाने वाला समाधान प्रदान करता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण और स्थिरता को बढ़ावा देना प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति का हिस्सा रहा है और इसने हमारे प्रशासन के मूल का निर्माण किया है। उन्होंने भ्रामक विज्ञापनों, डार्क पैटर्न, ग्रीनवाशिंग और कोचिंग क्षेत्र में भ्रामक विज्ञापन की रोकथाम के लिए दिशा-निर्देश जारी करने के लिए उपभोक्ता मामले विभाग और सीसीपीए के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने ई-कॉमर्स पर उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए उपभोक्ता संरक्षण ई-कॉमर्स नियम, 2020 को लागू करने और सक्रिय कार्रवाई करने और पहल शुरू करने के लिए विभाग को बधाई दी।

अमेरिकी नीतियां, भू-राजनीतिक तनाव 2025 में वैश्विक व्यापार के लिए जोखिम: अंकटाड

एजेंसी

नई दिल्ली।वैश्विक आर्थिक गतिविधि के चालू वर्ष में धीमी गति बनाए रखने की उम्मीद है, लेकिन अमेरिकी व्यापार नीतियों में बदलाव, वैश्विक व्यापार असंतुलन और भू-राजनीतिक चुनौतियों जैसे कारकों के कारण अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में काफी अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है जिसका व्यापार वृद्धि पर नकारात्मक प्रभाव हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास (अंकटाड) ने अपने नवीनतम वैश्विक व्यापार अपडेट में यह बात कही है।

इसके अलावा उसने कहा है कि व्यापार नीति में वृद्धि की संभावना 2025 के लिए वैश्विक व्यापार दृष्टिकोण पर अनिश्चितता की छाया डालती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक मुद्रास्फीति में अपेक्षित कमी और 2025 के लिए चीन के आर्थिक प्रोत्साहन - लगभग 5 प्रतिशत की वृद्धि लक्ष्य के साथ - वैश्विक व्यापार को कुछ बढ़ावा दे सकते हैं। वैश्विक व्यापार अपडेट ने संरक्षणवादी व्यापार नीतियों के कार्यान्वयन में बढ़ती प्रवृत्ति का उल्लेख किया है जिसमें व्यापार उपायों को गैर-व्यापार नीति उद्देश्यों से जोड़ने की बढ़ती प्रवृत्ति है। इसमें कहा गया है कि यह बदलाव विशिष्ट देशों को लक्षित करने वाले व्यापक नए टैरिफ के कार्यान्वयन में स्पष्ट है, साथ ही स्टील और एल्युमीनियम जैसे विशेष उत्पादों को प्रभावित करने वाले अधिक लक्षित टैरिफ भी हैं। इन टैरिफ का वैश्विक और क्षेत्रीय मूल्य श्रृंखलाओं पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।

गोवा में देश की पहली अन्वेषण लाइसेंस नीलामी और एआई-संचालित खनिज लक्ष्यीकरण हैकाथॉन की शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली। खान मंत्रालय ने गोवा सरकार के सहयोग से गोवा में ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी और गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत मौजूद रहे। इस कार्यक्रम ने भारत में अन्वेषण लाइसेंस (ईएल) की पहली नीलामी की शुरुआत की, जो देश के अप्रयुक्त महत्वपूर्ण और गहरे खनिज संसाधनों को अनलॉक करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की नीलामी के 5वें चरण पर एक रोड शो और एआई हैकथॉन 2025 का उद्घाटन भी शामिल था, जिसका उद्देश्य %एआई का उपयोग करके केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने संयुक्त रूप से 13 अन्वेषण

लाइसेंस ब्लॉकों की नीलामी शुरू की, जिसमें दुर्लभ पृथ्वी तत्व (आरईई), जस्ता, हीरा, तांबा और प्लेटिनम समूह तत्व (पीजीई) जैसे महत्वपूर्ण खनिज शामिल हैं। पारदर्शी ऑनलाइन बोली प्रक्रिया के माध्यम से यह पहल व्यवस्थित खनिज अन्वेषण में तेजी लाने, निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने और आयात निर्भरता को कम करने के लिए तैयार है।इस अवसर पर जी. किशन रेड्डी ने कहा कि पहली बार, भारत एक संरचित और पारदर्शी नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से व्यवस्थित प्रारंभिक चरण के अन्वेषण को खोल रहा है। यह सुधार महत्वपूर्ण और गहरे खनिजों की खोज में तेजी लाएगा, निवेशकों का विश्वास बढ़ाएगा और भारत की स्वच्छ ऊर्जा और औद्योगिक महत्वाकांक्षाओं के साथ एक आत्मनिर्भर, भविष्य के लिए तैयार खनिज पारिस्थितिकी तंत्र का मार्ग प्रशस्त करेगा।

गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने भारत सरकार के सुधारात्मक कदमों की सराहना करते हुए कहा कि गोवा के पास समृद्ध खनन विरासत है और हम जिम्मेदार, प्रौद्योगिकी-संचालित खनिज विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। ये सुधार न केवल भारत की खनिज क्षमता को अनलॉक करेंगे बल्कि टिकाऊ खनन के लिए नए अवसर भी पैदा करेंगे। खान मंत्रालय के सचिव वी.एल. कांथा राव ने जोर देकर कहा कि यह नीलामी भारत की खनिज आत्मनिर्भरता की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सर्राफा बाजार में 90 हजार के करीब पहुंचा सोना, चांदी में भी जोरदार तेजी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख बना हुआ है। इस तेजी के कारण सोना 90 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के काफी करीब पहुंच गया है। इसी तरह चांदी की कीमत भी आज जोरदार तेजी का रुख बना हुआ है। भाव में आई तेजी के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 89,790 रुपये से लेकर 89,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 82,310 रुपये से लेकर 82,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। कीमत में तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी भी आज 1,03,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 89,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 82,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। मुंबई में 24 कैरेट सोना 89,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 89,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 82,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 89,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 82,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 89,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 89,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 82,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 89,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 82,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 89,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 89,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

विदेशी मुद्रा भंडार में दो साल की सबसे बड़ी तेजी, 15.26 अरब डॉलर बढ़ा

नयी दिल्ली। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 7 मार्च को समाप्त हफ्ते में 15.26 अरब डॉलर बढ़कर 653.96 अरब डॉलर पर पहुंच गया। पिछले दो वर्षों में किसी एक सप्ताह की यह सबसे बड़ी तेजी है। आरबीआई ने बताया,

इसके पहले के हफ्ते में भंडार में 1.78 अरब डॉलर की कमी आई थी। रुपये में उतार-चढ़ाव को कम करने में मदद के लिए आरबीआई ने विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप किया था। इससे भंडार में गिरावट का रुख रहा है। सितंबर 2024 के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.885 अरब डॉलर के सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। दरअसल, केंद्रीय बैंक ने 28 फरवरी को बैंकिंग प्रणाली में तरलता बढ़ाने के लिए 10 अरब डॉलर मूल्य का डॉलर खरीदा था। इस वजह से भंडार में इतनी बड़ी तेजी दर्ज की गई है। सात मार्च के हफ्ते में विदेशी मुद्रा संपत्ति में 13.99 अरब डॉलर की तेजी दर्ज की गई। सोने का भंडार 1.05 अरब डॉलर बढ़कर 74 अरब डॉलर के पार हो गया।

तमिलनाडु सरकार के कृषि बजट में 45,661 करोड़ रुपये का प्रावधान

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री एमआरके पन्नीरसेल्वम ने राज्य विधानसभा में वर्ष 2025-2026 के लिए कृषि बजट पेश किया। उन्होंने कृषि, बागवानी और अन्य कृषि क्षेत्रों को शामिल करते हुए कुल 45,661 करोड़ रुपये के परिव्यय का प्रस्ताव रखा। पन्नीरसेल्वम ने गन्ना किसानों के लिए विशेष प्रोत्साहन और मदुरै चमेली की खेती को बढ़ाने के लिए एक विशेष योजना सहित कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं।

खास बातें इस प्रकार हैं:

- 1000 मुख्यमंत्री किसान कल्याण सेवा केंद्र स्थापित करने के लिए 42 करोड़ रुपये आवंटित।

- गैर-डेल्टा जिलों में फसल की खेती बढ़ाने के लिए एक विशेष पैकेज योजना के लिए 102 करोड़ रुपये आवंटित।

- गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने के लिए 52 करोड़ रुपये आवंटित।

- ग्रीष्मकालीन जुताई के लिए 3 लाख एकड़ जमीन का उपयोग किया जाएगा। 24 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी जाएगी।

पहाड़ी किसान विकास योजनाः 63 हजार पहाड़ी किसानों को 22.80 लाख रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। इस योजना के लिए 22 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।

- मुख्यमंत्री किसान संरक्षण योजना के तहत दी जाने वाली वित्तीय सहायता बढ़ाई जाएगी।

भूमिहीन किसानों के लिए घोषणाएंः भूमिहीन कृषि श्रमिकों की आकस्मिक मृत्यु पर मुआवजा राशि एक लाख रुपये से बढ़ाकर 2 लाख रुपये की जाएगी। प्राकृतिक मृत्यु पर मिलने वाली राशि 20,000 रुपये से बढ़ाकर 30,000 रुपये की जाएगी।

- 2,500 एकड़ में सीमाई करुवेलम के पेड़ों को हटाकर मिर्च की खेती करने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

- यह परियोजना विरुधुनगर, रामनाथपुरम, शिवगंगई, थूथुकुडी और मदुरै सहित जिलों में लागू की जाएगी।

- भारत में काजू निर्यात में तमिलनाडु दूसरे स्थान पर है। इसे बढ़ावा देने के लिए किसानों के विकास के लिए 10 करोड़ रुपये की लागत से काजू बोर्ड की स्थापना की जाएगी।

- ताड़ की खेती को बढ़ावा देने के लिए ताड़ विकास आंदोलन को 1.65 करोड़ रुपये आवंटित किए गए।

- कटहल विकास आंदोलन के तहत नई कटहल की खेती को बढ़ावा देने के लिए 5 करोड़ रुपये आवंटित किए गए।

- ई-रेंटिंग ऐप के जरिए 5,000 कृषि मशीनरी और उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।

- किसानों को कम किराए पर मशीनरी उपलब्ध कराने के लिए 17 करोड़ रुपये की लागत से कृषि मशीनरी रेंटल सेंटर स्थापित किया जाएगा।

- 500 एकड़ में एवोकाडो की खेती को बढ़ावा दिया जाएगा।

- बिजली कनेक्शन के बिना किसानों को सौर ऊर्जा से चलने वाले पंप सेट उपलब्ध कराने के लिए 24 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। सब्सिडी के लिए 1.50 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। - 56 विनियमित बिक्री आउटलेट को इलेक्ट्रॉनिक राष्ट्रीय कृषि बाजार से जोड़ा जाएगा। - 50 किसान बाजारों का चयन किया जाएगा और 10 करोड़ रुपये से बुनियादी ढांचे में सुधार किया जाएगा। - किसानों को 10 लाख रुपये तक का निवेश ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। - 4 साल में 35 कृषि उत्पादों के लिए भौगोलिक संकेत प्राप्त करने के लिए कदम उठाए गए हैं।

उत्तर कोरियाई विदेश मंत्री ने प्योंगयांग में की रूसी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात

सियोल। उत्तर कोरिया के विदेश मंत्री चोई सोन हुई ने रूसी विदेश मंत्रालय के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। यह जानकारी कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने दी। इससे पहले उप मंत्री आंद्रेई रुडेंको के नेतृत्व में रूसी विदेश मंत्रालय का एक प्रतिनिधिमंडल उत्तर कोरिया की यात्रा पर पहुंचा। केसीएनए ने कहा कि मंत्री ने रूसी प्रतिनिधिमंडल के साथ मैत्रीपूर्ण बातचीत की, जिनके दौरे को प्रोटोकॉल कहा गया। इसमें यह भी कहा गया कि उत्तर कोरिया और रूस के उप विदेश मंत्रियों, क्रमशः किम जोंग ग्यू और रुडेंको के बीच वार्ता हुई। एजेंसी ने कहा कि दोनों पक्षों ने जून 2024 में ऐतिहासिक उत्तर कोरिया-रूस शिखर सम्मेलन में हुए समझौतों के अनुसार, साथ ही दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी संधि की भावना के अनुरूप, द्विपक्षीय आदान-प्रदान और सहयोग को तेज करने के व्यावहारिक उपायों पर विस्तार से चर्चा की। इसके अलावा, अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में आपसी समर्थन एवं सहयोग को मजबूत करने के लिए कदम उठाने पर सहमति बनी। यह उल्लेखनीय है कि वार्ता मैत्रीपूर्ण माहौल में हुई।

इंडोनेशिया मई में ओआईसी की उच्चस्तरीय संसदीय बैठक की करेगा मेजबानी

जकार्ता। इंडोनेशिया मई में इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के सदस्य देशों की 19वीं उच्च स्तरीय संसदीय बैठक की मेजबानी करेगा। यह जानकारी सरकारी समाचार एजेंसी ने सांसद मर्दानी अली सेरा के

हवाले से दी। इंडोनेशिया के प्रतिनिधि सभा के अंतर-संसदीय सहयोग एजेंसी के अध्यक्ष सेरा ने कहा कि हमें अपने प्रत्येक देश में संस्थागत मजबूती एवं सुशासन का निर्माण करना होगा। क्योंकि अगर सुशासन होगा तो संस्थाएं मजबूत होंगी और हम एक ऐसे देश का निर्माण करेंगे जिसे दूसरों पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं होगी इस कार्यक्रम का आयोजन 12-15 मई को जकार्ता में सुशासन एवं मजबूत संस्थान विषय पर किया जाएगा।

उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में नौ आतंकवादी मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो अलग-अलग अभियानों में नौ आतंकवादियों को मार गिराया। यह जानकारी सेना ने एक बयान में दी। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बयान में कहा कि खुफिया जानकारी के आधार पर शुक्रवार और मोहमंद और डेरा इस्माइल खान जिलों में अभियान चलाया गया। मोहमंद में चलाएगए अभियान में जब सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के एक ठिकाने पर छापा मारा तो दो सैनिक और सात आतंकवादी मारे गए। जबकि एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों के साथ सशस्त्र मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गये। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने देश के उत्तर-पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्रों में आतंकवादी हमलों में वृद्धि के बाद हाल के महीनों में आतंकवाद-रोधी अभियान तेज कर दिए हैं।

अमेरिकी विमानों ने उत्तरी यमन में विद्युत संयंत्रों पर की बमबारी

दोहा। अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने उत्तरी यमन के सादा प्रांत के धाहयान शहर में एक विद्युत संयंत्र पर हमला किया, जिसके कारण शहर और उसके उपनगरों में विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। यह जानकारी यमनी टीवी चैनल अल-मसीरा ने दी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा अमेरिकी सेना को शिया सैन्य-राजनीतिक आंदोलन अंसार अल्लाह (हूती) के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने का आदेश दिए जाने के बाद, अमेरिका ने रविवार रात यमन में हवाई हमला शुरू किया, जिसमें राजधानी सना भी शामिल है। अंसार अल्लाह (हूती) को अमेरिका ने हाल ही में एक आतंकवादी संगठन घोषित किया है और यह संगठन उत्तरी यमन पर शासन करता है।

सिंधु नदी पर नहरों के निर्माण का विरोध, सिंध में प्रदर्शनों का सिलसिला जारी

एजेंसी

सिंध । पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सिंधु नदी पर नई नहरों के निर्माण का विरोध बढ़ता जा रहा है। इन परियजोनाओं के लिए खिलाफ लोगों का गुस्सा बढ़ता ही जा रहा है। नेशनल ट्रेड यूनियन फेडरेशन पाकिस्तान (एनटीयूएफ) और युवा संगठन की ओर से कराची के प्रेस क्लब में 'सिंधु नदीः सिंध की जीवनरेखा खतरे में' शीर्षक से एक सेमिनार आयोजित किया गया। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, सेमिनार में वक्ताओं ने सिंधु नदी के क्षरण से उत्पन्न पारिस्थितिक और सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों पर प्रकाश डाला। वहीं चोलिस्तान परियोजना और सिंधु नदी पर अन्य नहरों के खिलाफ पाकिस्तान फिशरफोक फोरम की रैली में राजनीतिक और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के साथ-साथ बड़ी संख्या में मछुआरों ने भी भाग लिया।

प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि सिंधु नदी पर 'न नहरें, न बांध और न कट' हों। पाकिस्तान के प्रमुख समाचार पत्र 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार, पूरे प्रांत में आयोजित विरोध प्रदर्शनों और रैलियों में लोगों की असामान्य रूप से व्यापक भागीदारी देखी गई। सड़क पर उतरे लोग सिंधु नदी पर छह और नहरों के निर्माण की परियोजना को समाप्त करने की मांग कर रहे थे। इस सप्ताह की शुरुआत में, छह नई नहरों के निर्माण पर संसद के संयुक्त सत्र में पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के भाषण को सिंधु नदी बचाओ आंदोलन (एसआईआरएम) ने खारिज कर दिया और 'असंवैधानिक परियोजनाओं' के खिलाफ प्रांतव्यापी विरोध प्रदर्शन की घोषणा की।नहर परियोजनाओं को कथित रूप से मंजूरी देने के लिए राष्ट्रपति जरदारी की आलोचना करते हुए, एसआईआरएम नेताओं ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मांग की कि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) संघीय सरकार से बाहर हो जाए। एसआईआरएम के संयोजक सैयद जैन शाह ने चेतावनी दी कि इन परियोजनाओं से सिंध की कृषि नष्ट हो जाएगी, शहरों को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ेगा, सिंधु नदी के सूखने से पारिस्थितिकी तंत्र ध्वस्त हो जाएगा और भूमिगत जल संसाधन खत्म हो जाएंगे, केवल कॉर्पोरेट को लाभ होगा। शाह ने नहर परियोजनाओं पर राष्ट्रपति जरदारी के बयान को खारिज कर दिया और मांग की कि अस्पष्ट बयान देने के बजाय राष्ट्रपति को नई नहरों को मंजूरी देने वाली अधिसूचना को रद्द कर देना चाहिए। इससे पहले फरवरी में, सिंध की राष्ट्रवादी पार्टियों ने नहरों के निर्माण के विरोध में प्रांत के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन आयोजित किए और राजमार्गों को अवरुद्ध कर दिया था।

ट्रंप से है उन्हें नफरतः दक्षिण अफ्रीकी राजदूत को अमेरिका ने किया निष्कासित

एजेंसी

वाशिंगटन । संयुक्त राज्य अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका के राजदूत को निष्कासित कर दिया है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने यह जानकारी दी। उन्होंने दूत को 'जातिवादी नेता' कहा जो अमेरिका और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से नफरत करता है। संयुक्त राज्य अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के बीच संबंध खराब चल रहे हैं। तनाव का दौर तब शुरू हुआ जब ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका को दी जाने वाली अमेरिकी वित्तीय सहायता में कटौती का फैसला किया। ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका की भूमि नीति और वाशिंगटन के सहयोगी इजरायल के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में उसके नरसंहार केस से नाराज हैं। रुबियो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'संयुक्त राज्य अमेरिका में दक्षिण अफ्रीका के राजदूत का अब हमारे महान देश में स्वागत नहीं है। हमारे पास उनके साथ चर्चा करने के लिए कुछ भी नहीं है और इसलिए उन्हें अवांछित व्यक्ति माना जाता है। रुबियो ने दक्षिणपंथी वेबसाइट ब्रेइटबार्ट के एक लेख को दोबारा पोस्ट किया, जिसमें राजदूत इब्राहिम रसूल के हवाले से कहा गया था कि ट्रंप एक श्वेत वर्चस्ववादी आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में रसूल के निष्कासन को अफसोसनाक बताया।

हालांकि इसने कहा कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। दक्षिण अफ्रीका के अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं सहयोग विभाग के प्रवक्ता क्रिसपिन फिरी ने एक्स पर पोस्ट किया कि सरकार राजनयिक चैनल के माध्यम से बातचीत करेगी।

यमन में हूती विद्रोहियों पर अमेरिकी हमले में 22 लोगों की मौत, ट्रम्प ने दी कड़ी चेतावनी

एजेंसी

वॉशिंगटन। यमन में हूती विद्रोहियों पर अमेरिका ने बड़ा हमला किया, जिसमें अब तक 22 लोगों की मौत हो गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हूतियों के खिलाफ निर्णायक सैन्य कार्रवाई का आदेश दिया है। ट्रम्प ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर हूती विद्रोही हमले जारी रखते हैं, तो उनकी स्थिति नरक से भी बदतर हो जाएगी। अमेरिका ने यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों पर बड़ा हमला किया, जिसमें अब तक 22 लोगों की मौत हुई है। हूतियों के स्वास्थ्य और पर्यावरण मंत्रालय ने साबा समाचार एजेंसी पर एक बयान में कहा कि नौ नागरिक मारे गए और नौ अन्य घायल हैं, इनमें अधिकांश हालत गंभीर है।

ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद मिडिल ईस्ट में यह सबसे बड़ा सैन्य अभियान है। लाल सागर में व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाने के कारण राष्ट्रपति ट्रम्प ने हूतियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का आदेश दिया है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लिखा, ईरान से आर्थिक समर्थन पाने वाले हूतियों ने अमेरिकी विमानों पर मिसाइलें दागी हैं और हमारे सैनिकों और सहयोगियों को निशाना बनाया है। समुद्री डकैती, हिंसा और आतंक से अरबों डॉलर का नुकसान हुआ है और लोगों की जान खतरे में पड़ी है। उल्लेखनीय है कि हूती विद्रोहियों ने नवंबर 2023 से अब तक शिपिंग पर 100 से अधिक हमले किए, जिसे रोकने के लिए अमेरिकी सेना को कई अभियान चलाने पड़े।पिछले राष्ट्रपति बाइडेन ने हूतियों के खिलाफ सीमित कार्रवाई की थी लेकिन अब ट्रम्प ने अधिक आक्रामक रुख अपनाने की मंजूरी दी है।हूती यमन के अल्पसंख्यक शिया जैदी समुदाय का हथियारबंद समूह है, जिसने पिछले दशक में यमन के ज्यादातर हिस्से पर नियंत्रण कर लिया है। हूती गाजा में हमास-इजराइल संघर्ष में फिलिस्तीनियों के प्रति एकजुटता दिखाने की कोशिश कर रहा है। -बलूचिस्तान प्रांत में विद्रोही गुट बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने जफर एक्सप्रेस ट्रेन को रोकते हुए यात्रियों को बंधक बना लिया था। बोलन जिले के एक दुर्गम पहाड़ी रास्ते में 440 से यात्रियों को बंधक बनाया था। पाक सुरक्षाबलों ने एक दिन से ज्यादा चले संघर्ष के बाद ट्रेन को छुड़ाया है। पाक सेना का दावा है कि उसने 50 हमलावर मार गिराए। वहीं 21 यात्रियों की जान गई और चार सुरक्षाकर्मियों की मौत हुई। पाक सेना और सरकार के लिए ये घटना दुनियाभर में शर्मिंदगी की वजह बन रही है।

यूएन प्रमुख गुटेरेस का बांग्लादेश दौरा, रोहिंग्या शरणार्थियों की स्थिति पर जताई चिंता

एजेंसी

ढाका। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बांग्लादेश में रोहिंग्या शरणार्थियों की विकट स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से वित्तीय और राजनीतिक सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि रोहिंग्या शरणार्थियों और उन्हें शरण देने वाले बांग्लादेशी समुदायों को समर्थन नहीं मिलने की स्थिति में मानवीय संकट उत्पन्न हो सकता है। गुटेरेस चार दिवसीय बांग्लादेश यात्रा पर ढाका पहुंचे थे। आज उन्होंने कॉक्स बाजार का दौरा किया, जहां लाखों रोहिंग्या शरणार्थी अस्थायी शिविरों में कठिन परिस्थितियों में जीवन बिता रहे हैं। उन्होंने वहां की स्थिति को नजदीक से देखा और इस संकट के समाधान के लिए वैश्विक समर्थन की आवश्यकता पर बल दिया। गुटेरेस ने अमेरिका और यूरोपीय देशों द्वारा बांग्लादेश को दी जाने वाली मानवीय सहायता में कटौती को अपराध करार दिया। उन्होंने कहा कि इन कटौतियों के चलते पहले से ही कठिन हालात झेल रहे रोहिंग्या शरणार्थियों का भविष्य और अधिक अनिश्चित हो गया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि वे इस संकट को नजरअंदाज न करें और शरणार्थियों के लिए वित्तीय और राजनीतिक समर्थन सुनिश्चित करें संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने बांग्लादेश की सरकार और जनता की असाधारण उदारता की सराहना की, जिन्होंने भारी सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियों के बावजूद रोहिंग्या शरणार्थियों को शरण दी।

गुटेरेस ने आश्वासन दिया कि संयुक्त राष्ट्र रोहिंग्या संकट के स्थायी समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शरणार्थियों की स्वैच्छिक, सुरक्षित, गरिमापूर्ण और स्थायी वापसी सुनिश्चित करने के लिए म्यांमार में अनुकूल परिस्थितियां बनाई जानी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि संयुक्त राष्ट्र सदस्य राष्ट्र रोहिंग्या मुसलमानों और अन्य अल्पसंख्यकों की स्थिति पर एक उच्च-स्तरीय सम्मेलन आयोजित करने की योजना बना रहे हैं, जिससे इस संकट का दीर्घकालिक समाधान निकाला जा सके। गुटेरेस ने कहा कि इस बार उन्होंने बांग्लादेश का दौरा रोहिंग्या शरणार्थियों और उन्हें शरण देने वाले बांग्लादेशी नागरिकों के प्रति एकजुटता व्यक्त करने के लिए किया है। इससे पहले, वे 2018 में कॉक्स बाजार गए थे और तब भी उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समर्थन की अपील की थी। बांग्लादेश सरकार के विदेश सलाहकार तौहीद हुसैन ने भी इस संयुक्त प्रेस वार्ता में हिस्सा लिया और रोहिंग्या शरणार्थी संकट पर चर्चा की। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के इस दौरे से उम्मीद की जा रही है कि रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए वैश्विक स्तर पर अधिक सहायता जुटाने की दिशा में सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

मोजाम्बिक : चक्रवात 'जूड' से भारी तबाही, 14 लोगों की मौत, हजारों विस्थापित

एजेंसी

मापुटो । उत्तरी मोजाम्बिक में आए उष्णकटिबंधीय चक्रवात जूड ने भारी तबाही मचाई है। इस चक्रवात से अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है और कई इलाकों में 1 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। मोजाम्बिक की राजधानी मापुटो में सरकारी प्रवक्ता इनोसेंशियो इम्पिसा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि चक्रवात जूड से हुई मौतें ज्यादातर नामपुला और नियासा प्रांतों में हुई। उन्होंने कहा कि दीवारें गिरने, बिजली गिरने और डूबने की वजह से लोगों की जान गई। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि चक्रवात 'जूड' की वजह से करीब 20,000 घरों को नुकसान पहुंचा। इनमें से 7,000 घर पूरी तरह बर्बाद हो गए, जबकि 13,000 से ज्यादा घरों को आंशिक क्षति हुई। इससे हजारों परिवार बेघर हो गए हैं। समाचार एजेंसी के मुताबिक,

चक्रवात 'जूड' से मोजाम्बिक में स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र को भारी नुकसान हुआ है। 30 स्वास्थ्य केंद्र क्षतिग्रस्त हो गए हैं, वहीं 59 स्कूलों की 182 कक्षाएं तबाह हो गईं। इससे 17,402 छात्र और 264 शिक्षक प्रभावित हुए हैं। सरकारी प्रवक्ता इनोसेंशियो इम्पिसा ने बताया कि चक्रवात जूड की वजह से सड़कों को भी काफी नुकसान पहुंचा है। खासकर नामपुला प्रांत में छह मुख्य सड़कें पूरी तरह तबाह हो गई हैं। 19 बिजली के खंभे गिर गए, दो पानी की सप्लाई व्यवस्थाएं टूट गईं और 1,262 हेक्टेयर फसलें बर्बाद हो गईं। सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि सरकार प्रभावित लोगों की मदद के लिए हर संभव संसाधन जुटा रही है। उन्होंने बताया कि नौ आश्रय केंद्र शुरू किए गए हैं, जहां नामपुला प्रांत के 1 लाख से ज्यादा लोग अभी शरण लिए हुए हैं। उन्होंने बताया कि प्रभावित प्रांतों में मदद के लिए टीमें भेजी गई हैं और कई जिलों में आपातकालीन केंद्रों को फिर से शुरू कर दिया गया है। प्रवक्ता इनोसेंशियो इम्पिसा ने बताया कि सरकार चक्रवात 'जूड' से प्रभावित लोगों की मदद के लिए कई कदम उठा रही है। इसमें जानकारी फैलाना, लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाना, आश्रय और खाना बांटना, साथ ही सामुदायिक रेडियो के जरिए जागरूकता बढ़ाना शामिल है।

पोप फ्रांसिस की हालत स्थिर, नियमित हेल्थ बुलेटिन जारी न करने का फैसला

एजेंसी

वेटिकन सिटी। पिछले महीने से अस्वस्थ पोप फ्रांसिस की स्थिति में कोई महत्वपूर्ण प्रगति नहीं हुई है। उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। इस कारण उनकी मेडिकल टीम ने निर्धारित बुलेटिन जारी न करने का निर्णय लिया। पोप का इलाज रोम के गेमेली अस्पताल में चल रहा है।वेटिकन न्यूज के अनुसार, होली सी प्रेस कार्यालय ने मेडिकल टीम के इस निर्णय की पुष्टि की। कार्यालय ने कहा कि पोप की स्थिर स्थिति के मद्देनजर बुलेटिन यदा-कदा ही जारी किए जाएंगे। वेटिकन न्यूज के अनुसार पोप फ्रांसिस ने अस्पताल में रात कैसे बिताई, इस बारे में अब तक अपडेट प्रदान नहीं किया गया। उल्लेखनीय है कि पोप फ्रांसिस 14 फरवरी से अस्पताल में भर्ती हैं।

कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की कैबिनेट में दो भारतीय मूल के मंत्री

एजेंसी

ओटावा। भारतीय मूल की अनीता आनंद और दिल्ली में जन्मी कमल खेड़ा को कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की कैबिनेट में महत्वपूर्ण पद दिए गए हैं। कमल खेड़ा को स्वास्थ्य मंत्री नियुक्त किया गया है, जबकि अनीता आनंद को नवाचार, विज्ञान और उद्योग मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। लिबरल पार्टी के नेता मार्क कार्नी, जो पहले केंद्रीय बैंक के गवर्नर रह चुके हैं, ने कनाडा की 30वीं मंत्रिपरिषद के साथ शपथ ली। इस शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन गवर्नर जनरल मैरी साइमन ने किया।

कमल खेड़ा बनीं स्वास्थ्य मंत्री

36 वर्षीय कमल खेड़ा, जो सबसे कम उम्र में कैनेडियन संसद पहुंचने वाली महिलाओं में शामिल हैं, दिल्ली में जन्मी थीं और उनका परिवार उनके स्कूल के दिनों में कनाडा चला गया था। उन्होंने यॉर्क विश्वविद्यालय, टोरंटो से विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है।

कमल खेड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी नियुक्ति पर खुशी जाहिर करते हुए लिखा, एक नर्स के रूप में, मेरी प्राथमिकता हमेशा मरीजों का समर्थन करना रही है और वही सोच मैं स्वास्थ्य मंत्री के रूप में भी लेकर आऊंगी। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के विश्वास के लिए आभारी हूं। अब काम पर लगने का समय है।इससे पहले, खेड़ा वरिष्ठ नागरिक मामलों की मंत्री, अंतरराष्ट्रीय विकास मंत्री की संसदीय सचिव, राष्ट्रीय राजस्व मंत्री की संसदीय सचिव और स्वास्थ्य मंत्री की संसदीय सचिव के रूप में कार्य कर चुकी हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान उन्होंने एक नर्स के रूप में ब्रैम्पटन के एक लॉन्ग-टर्म केयर सेंटर में स्वेच्छा से सेवा दी।

58 वर्षीय अनीता आनंद, जो पहले ट्रूडो सरकार में कई अहम मंत्रालय संभाल चुकी हैं, कनाडा की अगली प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में भी थीं। हालांकि, उन्होंने जनवरी में चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया था, लेकिन 01 मार्च को उन्होंने अपना फैसला बदल दिया और फिर से सक्रिय राजनीति में लौट आईं। शपथ ग्रहण के बाद अनीता आनंद ने एक्स पर लिखा, मैं नवाचार, विज्ञान और आर्थिक विकास मंत्री के रूप में सेवा देने के लिए सम्मानित महसूस कर रही हूं। नकारात्मकता न तो मकान का किराया भर सकती है, न ही खाने के दाम कम कर सकती है और न ही व्यापार युद्ध जीत सकती है। हम एकजुट हैं और एक मजबूत कैनेडा बनाने के लिए तत्पर हैं।अनीता आनंद 2019 में ओकविल से सांसद चुनी गईं और इससे पहले वह राष्ट्रीय रक्षा मंत्री, ट्रेजरी बोर्ड की अध्यक्ष और सार्वजनिक सेवा एवं खरीद मंत्री के रूप में कार्य कर चुकी हैं। वे एक शिक्षाविद, वकील और शोधकर्ता भी रही हैं। टोरंटो विश्वविद्यालय में उन्होंने निवेशक संरक्षण और कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर प्रोफेसर के रूप में कार्य किया है। वहीं प्रधानमंत्री कार्नी ने अपने कैबिनेट की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, कनाडा, मिलिए आपके नए मंत्रिमंडल से

राजतंत्र नहीं हो सकता लोकतंत्र का विकल्प : प्रचंड

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह के समर्थन में देशभर में सड़कों पर हो रहे प्रदर्शन को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों की तीखी प्रतिक्रिया सामने आ रही है। पूर्व प्रधानमंत्री एवं सीपीएन (एमसी) के अध्यक्ष पुष्पकमल दहाल प्रचंड ने कहा कि लोकतंत्र का विकल्प कभी राजतंत्र नहीं हो सकता। प्रचंड ने सिन्धुपालचोक जिले में पार्टी के एक कार्यक्रम में ज्ञानेंद्र शाह को वर्ष 2001 के दरबार हत्याकांड का मास्टरमाइंड बताया। उन्होंने दरबार हत्याकांड की नए सिरे से जांच करवाने की भी मांग की है। उल्लेखनीय है कि एक जून 2001 को नेपाल के शाही परिवार के सदस्यों की नारायणहिती पैलेस में हत्या कर दी गई थी, जिसे दरबार हत्याकांड के नाम से जाना जाता है। इस घटना में राजा बीरेंद्र और रानी ऐश्वर्या सहित शाही परिवार नौ सदस्यों की मौत हो गई थी। माओवादी नेता प्रचंड ने कहा कि जिस व्यक्ति पर अपने ही परिवार के लोगों की हत्या का आरोप है वह फिर से राजा बनने का ख्वाब देख रहा है। प्रचंड ने कहा कि जब वे पहली बार प्रधानमंत्री बने थे उसी समय दरबार हत्याकांड की जांच कराने का प्रयास किया था पर षडयंत्र के तहत उनकी सरकार गिरा

ज्ञानेंद्र शाह के अतीत को जानने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति अपने भाई के वंश का विनाश नहीं रोक पाया, वो व्यक्ति किस आधार पर फिर से राजा बनने का दी गई थी। उन्होंने ज्ञानेंद्र शाह को चेतावनी दी कि वो अपना षड्यंत्र बंद नहीं करते तो दरबार हत्याकांड की फाइल फिर से खोल दी जाएगी। इसमें उन्हें जेल भी जाना पड़ सकता है।

ग्रेनेड विस्फोट में पश्तून राष्ट्रवाद के प्रबल समर्थक शाकिर की मौत

पेशावर। पश्तून अफगान राष्ट्रवाद के प्रबल समर्थक और प्रमुख पाकिस्तानी मौलवी मुफ्ती मुनीर शाकिर की पेशावर के उरमार इलाके में एक मस्जिद के बाहर ग्रेनेड विस्फोट के कारण मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गये। मुफ्ती मुनीर शाकिर पाकिस्तान में प्रतिबंधित आतंकवादी समूह लश्कर-ए-इस्लाम के संस्थापक थे। पुलिस के अनुसार विस्फोट में मुफ्ती शाकिर तीन अन्य लोगों के साथ घायल हो गए। उन्हें पेशावर के लेडी रीडिंग अस्पताल ले जाया गया, जहां सर्जरी के दौरान उनकी मौत हो गई।रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारी विस्फोट के कारण और प्रकृति की जांच कर रहे हैं और हमले के लिए जिम्मेदार लोगों का पता लगा रहे हैं। इस हादसे के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुफ्ती मुनीर शाकिर के निधन पर संदेशों की बाढ़ आ गई। पख्तूनख्वा के एक समर्थक ने पोस्ट किया,मुफ्ती शाकिर को पेशावर में निशाना बनाया गया और शहीद कर दिया गया क्योंकि उन्होंने हमारे लोगों के लिए आवाज़ उठाई थी। पख्तूनख्वा में एक अघोषित युद्ध चल रहा है। हमारे लोगों को हमारे क्षेत्र में छद्म युद्धों में निर्दयतापूर्वक मारा जा रहा है। मुख्यधारा आपराधिक रूप से चुप है।

पीएम मोदी के दौरे से पहले वाशिंगटन से हटवाए गए थे टेंट, ट्रंप का खुलासा

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुलासा किया कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वाशिंगटन यात्रा से पहले व्हाइट हाउस और अमेरिकी विदेश विभाग के मुख्यालय का दौरा किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पूरे क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया जाए और यह साफ-सुथरा दिखे।ट्रंप ने न्याय विभाग (डीओजे) में भाषण देते हुए कहा, हमने कहा कि स्टेट डिपार्टमेंट के ठीक सामने बहुत सारे टेंट हैं। उन्हें हटाना होगा और उन्होंने उन्हें तुरंत हटा दिया। हम एक ऐसी राजधानी चाहते हैं जो दुनिया भर में चर्चा का विषय बन सके ट्रंप ने कहा, भारत के प्रधानमंत्री मोदी, फ्रांस के राष्ट्रपति और यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री, ये सभी पिछले डेढ़ सप्ताह में मुझसे मिलने आए थे। मैं नहीं चाहता था कि वे टेंट देखें। मैं नहीं चाहता था कि वे भित्तिचित्र देखें। मैं नहीं चाहता था कि वे सड़कों पर टूटे हुए अवरोध और गड्ढे देखें। और हमने इसे सुंदर बना दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि उनका प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि अमेरिकी राजधानी पूरी तरह से साफ हो जाए। ट्रंप ने वाशिंगटन के मेयर म्यूरियल बोसर की प्रशंसा करते हुए कहा, हम अपने शहर को साफ कर रहे हैं। हम इस महान राजधानी को साफ कर रहे हैं और हम अपराध नहीं होने देंगे, हम अपराध को बर्दाश्त नहीं करेंगे, हम

भित्तिचित्रों को हटा देंगे, हम तंबू हटा रहे हैं और हम प्रशासन के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बोसर अच्छा काम कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने 13 फरवरी को वाशिंगटन डीसी में पीएम मोदी की मेजबानी की थी। उनकी यह यात्रा, व्हाइट हाउस में ट्रंप का दूसरा कार्यकाल शुरू करने के तीन सप्ताह के भीतर हुई थी। दो दिवसीय यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्लेयर हाउस में रुके - एक ऐतिहासिक गेस्ट हाउस जो व्हाइट हाउस का 70,000 वर्ग फुट का विस्तार है। अपने ओवल ऑफिस में पीएम मोदी का स्वागत करते हुए ट्रंप ने कहा कि वह अपने मित्र नरेंद्र मोदी का व्हाइट हाउस में स्वागत करते हुए बहुत खुश हैं।

जब दोनों नेता व्हाइट हाउस में मिले तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने पीएम मोदी को अपनी किताब अवर जर्नी टुगेदर की एक हस्ताक्षरित प्रति भी भेंट की और लिखा आप महान हैं।

कृषि वानिकी क्यों ?

प्राचीनकाल से ही सभ्यता के विकास में वनों एवं वृक्षों का विशेष महत्व रहा है। हिन्दू धर्म में धार्मिक कर्मकाण्डों एवं जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में वृक्षों एवं वनस्पति को अभिन्न अंग बताया गया है। हिन्दू धर्म में बरगद, पीपल, आम, नीम, तुलसी, बेर, कुश इत्यादि की पूजा होती आई है तथा धार्मिक कर्मकाण्डों में इनका उपयोग होता आया है। विभिन्न पुराणों में भी वृक्ष लगाने व उससे प्राप्त होने वाले पुण्य का उल्लेख किया गया है।

कृषि वानिकी का अर्थ है 'एक ही भूमि पर कृषि फसल एवं वृक्ष प्रजातियों को विधिपूर्वक रोपित कर दोनों प्रकार की उपज लेकर आय बढ़ाना।' कृषि वानिकी के अन्तर्गत काष्ठीय बहुवर्षीय प्रजातियाँ एक ही भूमि पर कृषि फसलों के साथ उगाई जाती है। यह पद्धति आर्थिक रुप से लाभप्रद, सामाजिक रुप से स्वीकार्य तथा समस्त भूमि सुधारक प्रक्रियाओं का समेकित नाम है।

▶▶ कृषि वानिकी क्यों ?

हमारे प्रदेश की अर्थव्यवस्था मुख्यत: कृषि पर आधारित है। प्राकृतिक आपदा-यथा बाढ़ व सूखा से फसल नष्ट होने पर कृषकों को आर्थिक क्षति पहुँचती है तथा उनकी अर्थ व्यवस्था की रीढ़ टूट जाती है। उत्पादन अधिक होने पर मूल्य न्यून हो जाने से कृषक को लागत भी प्राप्त नहीं होती है। कृषि के साथ वृक्ष रोपित करने से उपयुक्त समय व बाजार मूल्य प्राप्त होने पर काटने व बेचने की सुविधा है। इसके साथ ही फसल के साथ रोपित वृक्ष प्राकृतिक आपदा को झेलते हुए कृषक के लिए निवेश व 'बीमा' जैसे लाभकारी सिद्ध होते हुए कृषक की आवश्यकता-यथा शादी जैसे पारिवारिक उत्सवों- पर धन उपलब्ध करवाते हैं। कृषि वानिकी को अपनाकर कृषक खेती में विविधता लाकर अनाज के साथ ही जलौनी लकड़ी, कृषि औजारों की लकड़ी, पशुओं के लिए चारा आदि निवास के समीप खेतों से प्राप्त कर अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करने के साथ ही अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर सकते हैं। ईंधन के रूप में प्रयुक्त किए जाने वाले गोबर को जलाने से बचा कर खाद के रूप में प्रयुक्त किये जाने से कृषि उत्पादन बढ़ने के साथ ही रासायनिक ऊर्वरक में व्यय होने वाली धनराशि की बचत कर सकते हैं। संक्षेप में कृषि वानिकी अपनाने के निम्न कारण हैं-

उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग कर अधिकतम व बहुविध उत्पाद प्राप्त करने हेतु।

कृषि उत्पादन बढ़ाने व आर्थिक उन्नति के साथ रोजगार के प्रत्यक्ष व परोक्ष अवसर प्रदान करने में सहायता करने हेतु।

वर्तमान में कृषि कार्य के अयोग्य भूमि के सुधार व उसकी उत्पादकता में वृद्धि हेतु।

बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए चारा, ईंधन, इमारती लकड़ी व कुटीर एवं लघु उद्योगों हेतु कच्चे माल की कमी के निवारण हेतु।

(1) उत्पादन में विविधता एवं प्राकृतिक आपदाओं व अन्न के अधिक उत्पादन के कारण विक्रय मूल्य में कमी से सुरक्षा ह्तु।

(1i) उपलब्ध प्राकृतिक वनों पर जैविक दबाव कम करने हेतु।

प्रति इकाई भूमि से अधिक पैदावार प्राप्त करने व भूमि की उत्पादकता में वृद्धि हेतु।

वृक्षावरण में वृद्धि कर भूमि एवं जल संरक्षण व पर्यावरण संतुलन स्थापित करने हेतु।

ग्रामीण आंचल में उद्यमियों को प्रोत्साहन तथा वन आधारित लघु व कुटीर उद्योग की अर्थव्यवस्था को सशक्त करने हेतु।

3. कृषि वानिकी कैसे ?

कृषि वानिकी के विभिन्न प्रकार कृषि वानिकी के अन्तर्गत खेत के चारों तरफ मेड़ो पर दो या तीन पंक्तियों में अथवा खेतों के अन्दर पंक्तियों में एक निश्चित दूरी में फसलों के साथ वृक्षों को रोपित किया जाता है। इस पद्धति में रोपित वृक्षों के मध्य दूरी इस प्रकार रखी जाती है कि उनके मध्य में कृषि फसलों को रोपित किया जा सके तथा कृषि कार्य हेतु उनके मध्य से ट्रैक्टर आदि चलाये जा सके। कृषि वानिकी पद्धति को उपलब्ध स्थल एवं स्थानीय आवश्यकता की पूर्ति के अनुसार विभिन्न स्वरूपों में वर्गीकृत किया जा सकता है।

1. कृषि वानिकी पद्धति 2. कृषि बागवानी पद्धति 3. कृषि बागवानी वानिकी पद्धति 4. पुष्प बागवानी, कृषि एवं वानिकी पद्धति 5. सब्जी वानिकी पद्धति 6. मत्स्य पालन वानिकी पद्धति 7. गृहवाटिका पद्धति 8. चारागाह वानिकी पद्धति 9. जड़ी-बूटी कृषि वानिकी पद्धति-हर्बल गार्डेन।

कृषि के साथ रोपित वृक्षो में निम्नलिखित विशेषतायें होनी चाहिए।

(1) शीघ्र बढने वाला- कृषि वानिकी के अन्तर्गत ऐसे वृक्षों को उगाना चाहिये जो बहुत तेज बढ़ने वाली हों, जिससे कृषक अपने लाभ हेतु कम समय में ही उपज प्राप्त कर सके।

(2) सीधा तना- कृषि वानिकी में रोपण हेतु सीधे तने, कम शाखाओं, विरल छत्र व शाख तराशी सहने वाली वृक्ष प्रजातियों को चयन में प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

(3) गहरी जड़े- कृषि वानिकी में लम्बी जड़ों वाले वृक्षों को उगाना बहुत लाभदायक होता है। ये जड़े भूमि में जाकर नीचे से पोषक पदार्थ ऊपर लाती हैं जो कृषि की फसलों को फायदा पहुँचाता है। वृक्षों की मूसलाजड़ों की बढ़त इस प्रकार हो कि जल व खनिज लवणों के अवशोषण व फसलों की आवश्यकता के साथ सामंजस्य स्थापित कर सके।

(4) द्विदलीय वाले बीज वृक्ष- कृषि वानिकी के अन्तर्गत द्विदलीय बीज वाले वृक्ष उगाना अधिक लाभदायक है, क्योंकि ऐसे वृक्ष भूमि में नाइट्रोजन जमा करते हैं, जो कि कृषि की फसलों द्वारा इस्तेमाल किया जाता है।

4. कृषि वानिकी हेतु कुछ उपयोगी प्रजातियाँ

1. यूकेलिप्टस, पॉपलर, सु-बबूल, शीशम, बांस, आंवला, सागौन, जेट्रोफा आदि।

▶▶ शहरी वानिकी

शहरी वानिकी उन लोगों से सम्बन्धित होती है जो शहरों, कस्बों तथा शहरी क्षेत्रों में रहते हैं। इसके द्वारा शहरों में वन जैसा वातावरण प्राकृतिक रूप से पैदा किया जाता है। शहर निवासी अपनेदिन-प्रतिदिन के कामों में ऊब जाते हैं तथा ठंडी व साफ हवा के लिये ऐसे प्राकृतिक वास की शरण में जाते हैं।

वृक्षों में प्रदूषण कम करने की असाधारण क्षमता है। वृक्ष ऑक्सीजन उत्सर्जन, कार्बन डाईऑक्साइड, सल्फर-डाई ऑक्साइड व अन्य प्रदूषित गैसों व कणों का अवशोषण, तथा जल एवं मृदा संरक्षण कर मानव को लाभान्वित करते हैं। एक अनुमान

के अनुसार प्रति व्यक्ति सांस लेने हेतु 1.752 टन ऑक्सीजन की प्रतिवर्ष आवश्यकता होती है। लखनऊ शहर में निवासियों को प्रतिवर्ष 35,04,000 टन की आवश्यकता है जबकि वर्तमान में वृक्षों से प्रतिवर्ष 2,10,240 टन ऑक्सीजन उपलब्ध हो पा रही है। प्रतिवर्ष एक वृक्ष लगभग 1.6 टन ऑक्सीजन पैदा करता है। अत: वर्तमान में आवश्यक है कि सांस लेने हेतु आवश्यक ऑक्सीजन की पूर्ति हेतु प्रत्येक व्यक्ति कम से कम दो पौध रोपित कर उसकी सुरक्षा करें।

इस हेतु शहर में पटरी वृक्षारोपण के साथ-साथ पार्को में वृक्षारोपण किया जाना अत्यंत आवश्यक है। फैलावदार तथा ऊँचाई वाले वृक्ष, प्रदूषित गैसों व अवशोषकों को अधिक से अधिक शोषित करते हैं। पार्कों में बॉटलब्रुश, सीता अशोक, मौलश्री, सिल्वर ओक व कदम्ब के वृक्षों का रोपण तथा पटरी रोपण हेतु बरगद, पीपल, आम, बेल, शीशम, महुआ, इमली, जामुन, बेल आदि का रोपण लाभप्रद होगा। अत: आवश्यक ऑक्सीजन प्राप्त करने हेतु प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम दो पौधे रोपित करना चाहिए।

शहरी वन, लोगों को बहुत प्रकार के लाभ देते हैं। इन लाभों को चार मुख्य भागो में बाँटा जा सकता है- जलवायु को शुद्ध करना, वातावरणीय यान्त्रिक उपयोग, प्रशिक्षण सम्बन्धी उपयोग एवं सौन्दर्यवर्धन।

शहरी वन में रोपित की जाने वाली पौध उपयुक्त ऊँचाई वाला, स्वस्थ तथा सीधे तने वाला होना चाहिये। नागरिकों के वनों के प्रति जागरुक व संवेदनशील हो जाने के कारण आज के समय में शहरी वन का महत्व अत्यधिक बढ़ गया है।

ग्राम तथा नगर निवासियों के मनोरंजन के लिये पुष्प प्रधान वृक्षों तथा पौधों को लगाने हेतु किये गये वानिकी के प्रयोग को मनोरंजन वानिकी/सौन्दर्यात्मक वानिकी कहते हैं।

सार्वजनिक मार्गो, नहरों तथा रेल पटरियों के दोनों ओर तीव्र गति से बढ़ने वाली प्रजातियों के रेखीय पट्टियों के रूप में बनाये गए रोपवनों को पटरी वृक्षारोपण कहते हैं।

पटरी वृक्षारोपण के कई लाभ हैं-

सौन्दर्य प्रदान करना, सड़क के किनारों की स्थिरता बनाए रखना, छाया प्रदान करना, शरण पट्टियों का काम देना, वन क्षेत्र में बढ़ोत्तरी, शोर कम करना, क्षेत्र की उत्पादकता बढ़ाना एवं पर्यावरण में सुधार लाना।

▶▶ पटरी वृक्षारोपण निम्न प्रकार के होते हैं

पथ वृक्षारोपण विभिन्न प्रकार की सड़कों में अलग-अलग चौड़ाई की भूमि उपलब्ध होती है

(क) राष्ट्रीय मार्ग, राज्य मार्ग-सड़क के मध्य से 110 फीट तक।

(ख) प्रान्तीय व अन्य प्रकार के मार्ग-सड़क के मध्य से 45 फीट तक।

(ग) ग्रामीण क्षेत्रों में सम्पर्क मार्ग-केवल सड़कों की पटरी।

भूमि की उपलब्धता के आधार पर पथ वृक्षारोपण दो प्रकार का होगा

(क) बहुपंक्ति पथ वृक्षारोपण- राष्ट्रीय तथा राज्य मार्गों पर

(ख) एक पंक्ति पथ वृक्षारोपण- अन्य मार्गों एवं सम्पर्क मार्गों पर।

नहर किनारे वृक्षारोपण नहर की पट्टी पर बहुउद्देशीय वृक्षारोपण उगाये जाते हैं जिनमें फलदार, छायादार, ईंधन प्रजातियाँ, लघु प्रकाष्ठ तथा चारा प्रजातियाँ लगाई जाती हैं, अन्तिम पंक्ति को छोड़कर सभी पंक्तियों में 3 मीटर म 3 मीटर के अन्तराल पर भूमि की उपयुक्तता के अनुसार पौधे लगाये जायेंगे।

रेल लाइन के किनारे वृक्षारोपण- रेल लाइनों के किनारे प्रथम लाइन रेलवे ट्रैक के मध्य से न्यूनतम 6 मीटर की दूरी पर लगाई जायेगी।

जल संरक्षण के विभिन्न तरीके

आप पहले से ही जान चुके हैं कि जल सभी जीवित प्राणियों के अस्तित्व के लिये कितना महत्त्वपूर्ण है। आपने यह भी जानकारी प्राप्त कर ली होगी कि प्रयोग करने योग्य पानी की कमी होती जा रही है। अब आप पानी के संरक्षण के कुछ महत्त्वपूर्ण उपाय, प्रत्येक व्यक्ति, समुदाय तथा जल संरक्षण में सरकार का योगदान की भूमिका के बारे में जान जायेंगे।

1 जल संरक्षण के विभिन्न तरीके (उपाय)

1.1 संरक्षण एवं प्रबंधन

भारत एक विकासशील देश है, जिसका क्षेत्र विशाल है, जटिल स्थलाकृति है, परिवर्तनशील जलवायु है और एक बड़ी आबादी है। देश में अवक्षेपण तथा प्रवाह न केवल असमान रूप से वितरित है परन्तु वर्ष के दौरान में भी पानी के वितरण के समय भी असमान है। जल्दी-जल्दी आने वाली बाढ़, सूखा तथा अस्थिर कृषि उत्पादन हमेशा से एक गंभीर समस्या रही है। भारतीय मौसम विभाग (आई.एम.डी.) के अनुसार भारत में वर्षा के केवल चालीस दिन होते हैं और फिर लंबी अवधि के लिये शुष्क मौसम होता है।

भारत एक कृषि प्रधान देश है, इसका आर्थिक विकास कृषि से जुड़ा हुआ है। कृषि के लिये मुख्य सीमित कारण जल है। बढ़ती हुई जनसंख्या और परिणामस्वरूप खाद्य-उत्पादन में वृद्धि, कृषि क्षेत्र और सिंचाई क्षेत्र में वृद्धि के कारण जल का अधिक उपयोग हो रहा है। जल संसाधनों के अत्यधिक उपयोग के कारण, देश के कई भागों में पानी की कमी हो रही है। कहने की आवश्यकता नहीं कि भारत के आर्थिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक विकास के लिये जल संरक्षण बहुत महत्त्वपूर्ण है।

संरक्षण तकनीक

भारत में जल का प्राथमिक (मुख्य) स्त्रोत है दक्षिण-पश्चिम और उत्तर-पूर्वी मानसून। तथापि मानसून अनिश्चित होती है और जैसा कि आपने अध्ययन किया है, वर्षा की अवधि और मात्रा हमारे देश के विभिन्न भागों में अलग-अलग पायी जाती है। इसलिये सतह पर प्रवाह के संरक्षण की आवश्यकता है। सतही जल के संरक्षण की तकनीकें हैं

(क) भंडारण द्वारा सतह के पानी का संरक्षण विभिन्न जलाशयों का निर्माण करके उनमें जल संग्रह करना जल संरक्षण का सबसे पुराना उपाय है। भंडारण की संभावना एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में पानी की उपलब्धता और स्थलाकृतिक दशाओं पर निर्भर करती है। इस भंडारण के लिये वातावरण के अनुकूल नीति विकसित करने के लिये पर्यावरणीय प्रभाव के जाँच की आवश्यकता है।

(ख) वर्षाजल का संरक्षण

प्राचीन काल से हमारे देश के विभिन्न भागों में वर्षाजल संरक्षण करके कृषि के लिये प्रयोग में लाया जाता रहा है। यदि एक बड़े क्षेत्र में विरल वर्षा संग्रहित की जाये तो उससे काफी मात्रा में जल प्राप्त हो सकता है। समोच्च खेती एक उदाहरण है ऐसी उपज- तकनीक का जिसमें बहुत साधारण स्तर पर पानी और नमी का नियंत्रण किया जा सकता है। प्राय: इसमें समोच्च के कटाव के साथ रखी चट्टानों की कतारें शामिल हैं। इन बाधाओं द्वारा रोका गया जल प्रवाह भी मिट्टी को रोकने में सहायता करता है जिससे कि कोमल ढलानों के लिये कटाव नियंत्रण का तरीका बन जाता है। जिन क्षेत्रों मे बहुत अधिक तेजी से वर्षा होती है तथा जो बहुत बड़े क्षेत्रों में फैली होती है- जैसे हिमालय क्षेत्र, उत्तर पूर्वी राज्यों अंडमान तथा निकोबार द्वीप-उनमें यह तकनीक विशेष रूप से उपयुक्त होती है।

जिन क्षेत्रों में वर्षा थोड़ी कम अवधि के लिये होती है, ये तकनीकें प्रयास के योग्य हैं क्योंकि सतही प्रवाह को फिर भंडारित किया जा सकता है।

इस प्रकार, पानी को इन क्षेत्रों से दूसरे जगह ले जाने वहाँ पानी अत्यधिक मात्रा में उपलब्ध है, वहाँ से कम जल क्षेत्रों में ले जाने के लिये गंगा कावेरी लिंक के माध्यम से जल की बहुत बड़ी मात्रा गंगा बेसिन से भेजने का काम करते हैं जो अंत में पश्चिमी एवं दक्षिण-पश्चिमी भारत के समुद्र में गिरती हैं। गंगा जल की अधिक मात्रा का परिवहन नियमित रूप से पानी की कमी को दूर करने के लिये सोन, नर्मदा, गोदावरी, कृष्णा एवं कावेरी नदियों में भेज दिया जाता है। राष्ट्रीय ग्रिड कमीशन पटना के निकट भयंकर बाढ़ की अवधि के दौरान गंगा के अधिकतम बहाव का रास्ता बदल देने का काम करता है।

ड्रिप छिड़काव सिंचाई का अपनाना

सतही सिंचाई पद्धतियाँ, जिनका प्रयोग परंपरागत रूप से हमारे देश में किया जाता है, वे कम पानी वाले क्षेत्रों के लिये सर्वदा से अनुपयुक्त हैं क्योंकि जल की एक बड़ी भारी मात्रा वाष्पीकरण और रिसाव के कारण नष्ट हो जाती है। ड्रिप सिंचाई , सिंचाई का एक उपयुक्त तरीका है। संयंत्र के पास एक सीमित क्षेत्र में ड्रिप जल से सिंचाई होती है। यह किसी भी क्षेत्र के लिये उपयुक्त तरीका हो सकता है- विशेष रूप से पानी के लिये दुर्लभ क्षेत्रों में। यह पद्धति विशेष रूप से पंक्तिबद्ध फसल के लिये उपयोगी है। इसी प्रकार की छिड़काव पद्धति भी कम पानी वाले क्षेत्रों के लिये उपयोगी है। इस पद्धति से लगभग 80 त्न पानी की खपत कम की जा सकती है। बल्कि छिड़काव सिंचाई पद्धति 50% से 70 % पानी की खपत कम कर सकती है।

फसल उगाने के तरीकों का प्रबंधन

जल की कमी वाले क्षेत्रों में, फसल का चयन पानी की उपयोग दक्षता पर आधारित होना चाहिए। कम जल-क्षेत्रों के लिये जो पौधे उपयुक्त है वे (i) विकास के लिये कम अवधि वाले पौधे (ii) बहुत उपज प्रदान करने वाले पौधे जिनको पानी की आपूर्ति में वृद्धि की कोई आवश्यकता नहीं। (iii) बहुत गहरी और अंदर तक फैली जड़ों वाले पौधे (iv) वे पौधे जो सतह सिंचाई नहीं सहन कर सकते हैं।

फसल की किस्मों का चयन

फसल का प्रदर्शन तथा उपज जीनोटाइप अभिव्यक्ति करके पर्यावरण के साथ लगातार पारस्परिक क्रिया करने के परिणाम होता है। प्राय: फसल की नयी किस्मों को पुरानी किस्मों से अधिक पानी की आवश्यकता नहीं होती हैं। यद्यपि इनको ठीक समय पर पानी की आपूर्ति की आवश्यकता है क्योंकि इनकी उत्पादकता अधिक है। उच्च पैदावार प्राप्त करने के लिये बड़े अंतराल पर भारी प्रवाहकीय सिंचाई की तुलना में निरंतर दी जाने वाली हल्की सिंचाई अधिक लाभदायक है।

पोषाहार प्रबंधन

पोटेशियम, तनाव परिस्थितियों में एक प्रमुख भूमिका निभाता है। यह परासरणीय नियंत्रण द्वारा ऊतकीय जल के उपयोग की क्षमता में सुधार लाता है अत: पानी के उपयोग की क्षमता बढ़ती है। जल प्रौद्योगिकी केन्द्र, कोयम्बटूर में आयोजित प्रयोग ने संकेत किया है कि 0.5 प्रतिशत पोटेशियम क्लोराइड के फॉलियर विशिष्टता सोयाबीन, चारा (सोरघम) और मूंगफली में नमी के तनाव को कम कर सकते हैं।

प्रतिवाष्पोत्सर्जकों का प्रयोग

प्रतिवाष्पोत्सर्जकों का प्रयोग वाष्पोत्सर्जन प्रक्रिया को कम कर देता है जिससे कि ऊतक जल-क्षमता (स्थैतिकी) बनी रहती है। जब पौधे भूमि से कम पानी लेते हैं, प्रतिवाष्पोत्सर्जक भूमिगत जल की कमी को धीरे करके सिंचाई के अंतराल को लम्बा कर सकते हैं। कायोलीन (3 %) और लाइम वाश (2 %) पौधों का जल संतुलन बनाये रखता है। परिणामस्वरूप नमी से संबंधित तनाव की स्थिति के बावजूद भी चारे की सामान्य उपज हो जाती है। कुछ वृद्धि नियामकों द्वारा भी पौधों का जल तनाव के प्रति संवेदनशीलता कम हो जाती है। साइसोइयोल का प्रयोग जिबरेलिक (Gibberellic) अम्ल का उत्पादन कर कर देता है जो रंध्रों को बंद करता है। जल के वाष्पोत्सर्जन का नुकसान कम हो जाता है।

उद्वाष्पन-वाष्पोत्सर्जन कम करना

उद्वाष्पोत्सर्जन की कमी, पौधों की सतह से वाष्पोत्सर्जन एवं मिट्टी से उद्वाष्पन को कम करके कम से कम किया जा सकता है। शुष्क क्षेत्रों में, भूमि की सतह से उद्वाष्पन में काफी मात्रा में पानी उड़ जाता है। यह सब पानी को नमी अवरोध लगाकर अथवा धरती की सतह पर जलरोधी मुल्च रखने से रोका जा सकता है। कागज, एस्फाल्ट, प्लास्टिक, या धातु जैसी अछिद्रित सामग्रियाँ भी वाष्पीकरण हानि को रोक सकती हैं। वाष्पोत्सर्जन घाटे को कम किया जा सकता है- फसलों के ऊपर हवा की गति को कम करने से, वायु रोधक लगाने से तथा ऐसी फसलों को उगाने से जो मरुद्धि अनुकूलन के योग्य हैं।

विभिन्न जल निकायों से उद्वाष्पन को कम करना

हमारे देश के बहुत से क्षेत्रों में उद्वाष्पन के द्वारा जल की काफी बड़ी मात्रा की क्षति हो जाती है। ऐसे अनुमान हैं कि 10000 हेक्टेयर भूमि से लगभग प्रतिवर्ष 160 mm3 जल की क्षति होती है। संग्रह टैंकों, जलाशयों, सिंचाई टैंकों, नदियों एवं नहरों से उद्वाष्पन द्वारा होने वाली जल की क्षति को कम करके उस पानी का उपयोग अन्य कामों में किया जा सकता है। ऐसी विधियाँ जिनसे जल निकायों से उद्वाष्पन कम किया जा सकता है- वायु रोधकों को लगाना, उद्वाष्पन के लिये उपलब्ध ऊर्जा को कम करके, कृत्रिम जलभृतों का निर्माण करके, जलाशय नियंत्रक द्वारा सतह को कम उद्वाषित करके, क्षेत्र का जल निकायों का अनुपात कम करके, उच्च ढालों पर जलाशय का निर्माण करके एवं एकल आण्विक फर्म का प्रयोग करके।

पानी का पुनर्चक्रण

औद्योगिक अथवा घरेलू स्त्रोतों से निकले अपशिष्ट जल को उचित उपचार के पश्चात सिंचाई, भूमिगत जल पुनर्भरण, और औद्योगिक या नगर निगम के इस्तेमाल के लिये प्रयोग में लाया जा सकता है। यदि कृषि भूमि शहरों के पास उपलब्ध होती है तो नगर निगम के अपशिष्ट जल को सिंचाई के काम में लाया जा सकता है।

घरेलू उपयोग में पानी का संरक्षण

घरेलू स्तर पर जल के संरक्षण की काफी संभावना है। जल और उसकी उपलब्धता के महत्त्व के बारे में लोगों में एक जागरूकता तथा जल संरक्षण काफी सीमा तक क्षति को न्यूनतम करने में सहायता कर सकते हैं। पानी की आपूर्ति के दौरान जो घाटा रिसाव (टपकन) से होता है, उसे कम करने की आवश्यकता है। घर में पानी के प्रयोग के स्तर की दक्षता में सुधार के लिये कुछ उपाय ये हैं

1. पाइप से रिसाव में कम बर्बादी करने के अर्थ हैं कि बहुत सारा पानी लोगों तक पहुँचता ही नहीं है। दिल्ली शहर में अनुमानित घाटा 35-40% है।
2. प्रयोग न करते समय नलकों को बंद करना।
3. बेहतर सिंचाई तकनीकें- सिंचाई प्रणाली में प्रयोग किये जाने वाले जल का 70% पानी बर्बाद हो जाता है। ड्रिप सिंचाई में पानी का नुकसान सार्थक रूप से कम होता है।
4. हर बार शौचालय को फ्लश करने के लिये कम पानी वाले कम फ्लश वाले शौचालयों का प्रयोग करें।
5. लैटरीन तथा कॉम्पैक्ट शौचालय छोटे बनायें जो मानव-अपशिष्टों को स्वच्छ, उपयोगी खाद में बदल सकें- यह उपाय शौचालयों को सीवेज लाइन से जोड़ने के मुकाबले में बहुत सस्ता होता है।

भूमिगत संरक्षण

भूमिगत जल की विशेषताएँ

1. सतह जल की तुलना में अधिक भूमिगत जल है।
2. भूमिगत जल कम खर्चीला है तथा आर्थिक संसाधन है एवं लगभग प्रत्येक स्थान पर उपलब्ध हैं।
3. भूमिगत जल, पानी की आपूर्ति के लिये, अधिक टिकाऊ संपोषणीय तथा विश्वसनीय स्त्रोत है।
4. भूमिगत जल प्रदूषण के प्रति अपेक्षाकृत कम संवेदनशील है।
5. भूमिगत जल रोगजनक जीवों से मुक्त है।
6. भूमिगत जल का प्रयोग करने से पहले थोड़े से उपचार की आवश्यकता होती है।
7. भूमिगत आधारित पानी आपूर्ति में वाहनों का कोई नुकसान नहीं है।
8. भूमिगत जल को सूखे से कम खतरा है।
9. भूमिगत जल शुष्क और अर्द्ध शुष्क क्षेत्रों के लिये जीवन की कुंजी होता है।
10. भूमिगत जल सूखे मौसम में नदियों और धाराओं के प्रवाह का स्त्रोत है।

भारत में कुल 4000BCM (अरब घन मीटर) प्रवाह के लगभग 45 लाख हेक्टेयर मीटर भूमिगत जल प्रवाह के रूप में रिस जाता है। सम्पूर्ण भूमिगत जल संसाधनों का दोहन संभव नहीं हो सकता। भूमिगत क्षमता केवल 490BCM (अरब घन मीटर) है। जैसे कि हमें सीमित जल उपलब्ध है, यह अत्यंत आवश्यक है कि हम इसका प्रयोग बहुत मितव्ययता तथा विवेकपूर्ण ढंग से करें और अधिकतम संरक्षण करें। नीचे भूमिगत जल प्रबंधन और जल संरक्षण की कुछ तकनीकें वर्णित हैं-

कृत्रिम पुनर्भरण

जिन क्षेत्रों में पानी दुर्लभ (कमी) है, वहाँ भूमिगत जल पर निर्भरता बढ़ रही है। कम और अनिश्चित वर्षा के कारण, जल तालिका में जल्दी गिरावट आती है। कृत्रित उपायों से भूमिगत जल को भरना ही एकमात्र विकल्प है। जैसा कि आपने पिछले पाठ में पढ़ा है कि भूमिगत जल का कृत्रिम रूप से प्रबंधन और विकसित करने की कई तकनीकें हैं। इनमें से एक उपाय है जिसमें पानी फैले हुए क्षेत्र में और अधिक समय के लिये मिट्टी के संपर्क में रहता है जिससे कि पानी को मैदान में प्रवेश करने का अधिकतम अवसर मिल सके।

टपकन टैंक विधि

टपकन टैंक कृत्रिम पुनर्भरण के लिये जल कोर्स बनाये जाते हैं। महाराष्ट्र में किया गया अध्ययन दर्शाता है कि औसतन 1.2 किमी2 की टपकन से प्रभावित क्षेत्र में औसतन भूमिगत जल वृद्धि 2.5 मीटर तथा भूमिगत के प्रत्येक टैंक से वार्षिक कृत्रिम पुनर्भरण 1.5 हेक्टे. मी. थी।

(घ) जलग्रहण क्षेत्र संरक्षण, कैप

जलग्रहण सुरक्षा योजना को सामान्यतया जल संरक्षण की योजना या प्रबंधन कहा जाता है। ये जलागम (वाटरशेड) जल संरक्षण और जल की गुणवत्ता की रक्षा करने के महत्त्वपूर्ण उपाय हैं। पहाड़ी क्षेत्रों की नदियों के ऊपर चेक-बाँध का निर्माण अस्थायी रूप से जल के प्रवाह की मदद करता है ताकि जल को भूमि में रिसने के लिये अधिक से अधिक समय मिल जाये। ये उपाय उत्तर-पूर्वी राज्यों और पहाड़ी क्षेत्र के आदिवासी बेल्ट में उपयोग में लाये जाते हैं।

यह तकनीक मृदा संरक्षण में भी सहायता करती है। जलग्रहण क्षेत्र में वनरोपण भी मृदा संरक्षण के लिये काम में लिया जाता है।

(घ) जल का अंत: बेसिन स्थानान्तरण

जल का विस्तृत विश्लेषण एवं भूमि संसाधन एवं हमारे देश के विभिन्न नदी बेसिनों की संख्या की सांख्यिकी इस बात का खुलासा करती है ऐसे क्षेत्र जो पश्चिमी एवं पठारी क्षेत्रों, जिनमें कम जल संसाधन उपजाऊ भूमि का अनुपात तुलनात्मक रूप से कम हैं। उत्तरी एवं पूर्वी क्षेत्रों में गंगा एवं ब्रह्मपुत्र द्वारा जल प्रवाह से इन क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में जल संसाधन उपलब्ध हैं।